आपकी बात, निर्भीकता के साथ

प्रातःनागपुरी

आरएनआई पंजीयन सं. JHABIL/2023/86791

वर्ष : 02, अंक : 66 | रांची, शनिवार, 15 फरवरी 2025 (फाल्गुन कृष्ण 03, संवत 2081), पृष्ठ : 12, मूल्य : 3 रुपये | email: jharkhandwanitaudyog@gmail.com

सीबीएसई 10वीं-12वीं की परीक्षा आज से, ध्यान दें विद्यार्थी

एजेंसियां

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) 15 फरवरी से 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं शुरू करेगा। इस साल लगभग 42 लाख स्टूडेंट भारत में 7,842 केंद्रों और विदेशों के 26 देशों में परीक्षा देंगे। सीधे शब्दों में कहें तो, 15 फरवरी से परीक्षाएं शुरू हो रही हैं, और बहुत सारे बच्चे, देश-विदेश में, इन परीक्षाओं में बैठेंगे। शेष पेज 08 पर

एग्जाम डे टिप्स

- आत्मविश्वास बनाए रखें: अपनी तैयारी पर भरोसा रखें और परीक्षा के दौरान शांत और एकाग्र रहें।
- पानी पीते रहें: अपने शरीर को हाइड्रेटेड रखें और नियमित अंतराल पर ब्रेक लेते रहें।
- ध्यान भटकाने से बचें: सोशल मीडिया से दूर रहें और लंबी फोन कॉल से बचें जो चिंता पैदा कर सकती हैं।

स्टूडेंट्स के लिए खास निर्देश

- परीक्षा केंद्र में आने के नियम: सुबह 10 बजे के बाद किसी भी छात्र को परीक्षा केंद्र में घुसने नहीं दिया जाएगा। इसलिए, सभी को समय से पहले पहुंचना होगा।
- छात्रों को अपनी स्कूल यूनिफॉर्म पहननी होगी और अपने स्कूल के पहचान पत्र के साथ सीबीएसई द्वारा जारी किया गया एडमिट कार्ड और केवल जरूरी स्टेशनरी का सामान ही लाना होगा।
- मोबाइल फोन, स्मार्टवॉच, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस या कोई भी प्रतिबंधित चीज परीक्षा केंद्र में ले जाना पूरी तरह मना है।

एग्जाम डे स्ट्रेटजी

- पहले 15 मिनट को अधिकतम कैसे करें : परीक्षा की शुरुआत में मिलने वाले 15 मिनट का समय बहुत जरूरी है। इस समय का इस्तेमाल पूरे पेपर को जल्दी से देखने के लिए करें। सवालों को इस तरह बांट लें: कौन से सवाल सीधे फॉर्मूले पर आधारित हैं, कौन से आसान हैं, और कौन से मुश्किल लग रहे हैं। सबसे पहले उन सवालों को करें जो आपको जल्दी से आते हैं, और मुश्किल सवालों को कैसे हल करना है, इसकी प्लानिंग बना लें। मतलब, 15 मिनट में पेपर पढ़कर ये तय कर लें कि क्या करना है और कैसे करना है।
- जल्दी-जल्दी कैलकुलेशन करने से बचें: अपनी सभी गिनती को दोबारा चेक कर लें, ताकि छोटी-छोटी गलतियां न रह जाएं।
- डायग्राम छोड़ना नहीं: 5 नंबर वाले सवालों में जहां डायग्राम ज़रूरी है, उन्हें ज़रूर बनाएं, ताकि पूरे नंबर मिल सकें।
- आखिरी जवाब को हाइलाइट करें: अपने फाइनल आंसर को साफ़-साफ़ दिखाएं, ताकि परीक्षक को आसानी से पता चल जाए। मतलब, उत्तर को ऐसे लिखें कि वो तुरंत नजर में आ जाए।

झारखंड में फिर बदलेगा मौसम का मिजाज, गिरेगा न्यूनतम तापमान

प्रातः नागपुरी संवाददाता

- 20-21 फरवरी को कुछ जिलों में हो सकती है बारिश
- 17 से 19 फरवरी तक आंशिक रूप से छाये रहेंगे बादल

रांची। सावधान! झारखंड में फिर एक बार मौसम का मिजाज बदलने की पूरी संभावना है। दरअसल, मौसम विभाग की मानें, तो लगातार न्यूनतम तापमान में हो रही बढ़ोतरी में ब्रेक लग जाएगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि उत्तर भारत में हो रही बर्फबारी और ठंडी हवा चलने की वजह से इसका आंशिक असर झारखंड में भी पड़ेगा। इस कारण अगले 24 घंटे में तापमान में 2-3 डिग्री की गिरावट हो सकती है।

सुबह और रात में ठंडी हवा चलने से बढ़ेगी ठंड : रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र की मानें, तो सुबह और रात में ठंडी हवा चलने से लोगों को थोड़ी परेशानी हो सकती है। शेष पेज 08 पर

संक्षिप्त खबरें

पूर्व विधायक लंबोदर महतो की बिगड़ी तबीयत चेन्नई में कराए गए भर्ती

रांची। आजसू पार्टी के संस्थापक सदस्य और गोमिया से पूर्व विधायक लंबोदर महतो की तबीयत बिगड़ गई है। स्वास्थ्य में गिरावट के बाद लंबोदर महतो को चेन्नई के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। लंबोदर महतो आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव हैं। 2024 में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान गोमिया की सीट पर जेएमएम उम्मीवार और मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने उन्हें मात दी थी। लंबे राजनीतिक अनुभव वाले लंबोदर महतो आजसू पार्टी के थिंक टैंक और सुदेश महतो के करीबी नेता माने जाते हैं। उनके अस्वस्थ्य होने की सूचना मिलने के बाद आजसू के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो समेत कई आजसू नेताओं ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली और जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

नए मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर 17 को बैठक

नई दिल्ली। नए चुनाव आयुक्त के चयन को लेकर 17 फरवरी को बैठक होने वाली है। इसमे पीएम मोदी, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शामिल होंगे। बता दें, मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार 18 फरवरी को रिटायर हो रहे हैं। इस कारण नये चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की कवायद तेज हो गई है। बीते दिनों केंद्रीय कानून मंत्री की अगुवाई में एक खोज समिति का गठन भी किया गया था।मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार को यह पदभार साल 2022 में मिला था। शेष पेज 08 पर

आतंकवाद के खिलाफ पूरी ताकत के साथ लड़ेंगे भारत और अमेरिका

एजेंसियां

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे पर दुनिया भर की नजरें थीं। वहीं पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के साझा प्रेसवार्ता में सीमा-पार आतंकवाद को लेकर भी बड़ी घोषणा की गई है। जिससे पाकिस्तान को मिर्ची लग गई है। दरअसल, पीएम मोदी और ट्रंप ने कहा, 'भारत और अमेरिका पहले से कहीं ज्यादा मजबूती से एक साथ काम करेंगे, ताकि कट्टरपंथी इस्लामी आतंकवाद से निपटा जा सके।' इस दौरान पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप ने अपने संयुक्त बयान में पाकिस्तान से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि उसकी भूमि का इस्तेमाल सीमा पार आतंकवादी हमलों को अंजाम देने के लिए न किया जाए।

ट्रंप-मोदी के बयान से बौखलाया पाकिस्तान : दोनों नेताओं की इस प्रतिक्रिया पर पाकिस्तान बौखला गया है, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने यह भी कहा कि भारत-अमेरिका संयुक्त बयान में पाकिस्तान का उल्लेख एकतरफा, भ्रामक और कूटनीतिक मानदंडों के विपरीत है। शेष पेज 08 पर

ट्रंप-मोदी के बयान से तिलमिलाया पाकिस्तान

बॉर्बन व्हिस्की पर टैरिफ में 50 फीसदी की कटौती

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मीटिंग के बीच भारत ने बड़ा फैसला लेते हुए अमेरिकी शराब पर टैरिफ में बड़ी कटौती का एलान कर दिया है। भारत ने बॉर्बन व्हिस्की पर आयात शुल्क घटाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। यह फैसला अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने की योजना की घोषणा के बीच लिया गया है। बता दें कि बॉर्बन व्हिस्की पर सीमा शुल्क में कटौती की अधिसूचना 13 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ट्रंप के साथ बातचीत से ठीक पहले जारी की गई थी। राजस्व विभाग ने एक अधिसूचना में कहा कि बॉर्बन व्हिस्की के आयात पर अब 150 प्रतिशत की जगह 50 प्रतिशत तक सीमा शुल्क लगेगा। इस फैसले के मुताबिक अन्य शराबों के आयात पर सीमा शुल्क में कोई कमी नहीं की गई है और उन पर 100 प्रतिशत शुल्क लगता रहेगा। गौरतलब है कि अमेरिका भारत को बॉर्बन व्हिस्की का प्रमुख निर्यातक है और भारत में आयात की जाने वाली ऐसी सभी शराब का लगभग एक-चौथाई हिस्सा अमेरिका से आता है।

भारत सरकार का फैसला

स्वदेश लौटे पीएम मोदी, अब तय होगा दिल्ली का नया सीएम

एजेंसियां

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस और अमेरिका की अपनी दो देशों की यात्रा पूरी करने के बाद दिल्ली के पालम हवाई अड्डे पर पहुंचे। अपनी यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने फ्रांस और अमेरिका में एआई शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की। इसके साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात भी की। पीएम के वापस लौटने के साथ ही दिल्ली के नए सीएम को लेकर कवायद शुरू हो गई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ कई मुद्दों पर हुई बातचीत : प्रधानमंत्री दो दिवसीय यात्रा पर अमेरिका पहुंचे थे। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की। ट्रंप के दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद पीएम मोदी के साथ यह पहली मुलाकात थी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने मोदी की काफी प्रशंसा की और कई मुद्दों पर भारत के रुख को गंभीरता से समझने की कोशिश की। मोदी के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने न केवल यह घोषणा की कि उनके प्रशासन ने 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है, बल्कि कट्टरपंथी इस्लामी आतंकवाद से भारत के साथ मिलकर लड़ने की भी बात कही। इससे पहले पीएम मोदी फ्रांस के दौरे पर पहुंचे थे।

दिल्ली के नए सीएम पर फैसला जल्द : पीएम मोदी के स्वदेश वापस आने के बाद दिल्ली में नई सरकार के गठन की कवायद तेज हो गई है। माना जा रहा है कि एक-दो दिन में दिल्ली के नए मुख्यमंत्री का चयन हो जाएगा। शेष पेज 08 पर

रांची पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

बीआईटी मेसरा के प्लेटिनम जुबली में आज होंगी शामिल

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार की शाम रांची पहुंचीं। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, झारखंड सरकार की मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की सहित कई प्रमुख लोगों ने उनका स्वागत किया। इसके करीब 25 मिनट बाद राष्ट्रपति का काफिला राजभवन पहुंचा, जहां राष्ट्रपति शुक्रवार को रात्रि विश्राम करेंगी।

वह झारखंड के राज्यपाल के रूप में छह साल तक इसी राजभवन में रहीं हैं। उनका यहां कई गणमान्य लोगों और राजभवन के कर्मियों से औपचारिक मुलाकात का कार्यक्रम है।

रिसर्च एग्जिबिशन कम डिस्प्ले का उद्घाटन भी करेंगी : 15 फरवरी को राष्ट्रपति रांची के मेसरा स्थित बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के प्लैटिनम जुबली समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगी। शेष पेज 08 पर

बड़े सपने देखें महिलाएं आगे बढ़ें : राष्ट्रपति

कर्नाटक। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर द्वारा आयोजित 10वें अंतरराष्ट्रीय महिला सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने महिलाओं से साहस जुटाने, बड़े सपने देखने और अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर अपने लक्ष्यों को हासिल करने का आह्वान किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि महिलाओं को मानसिक शक्ति के साथ बाधाओं को तोड़ते हुए अपनी पूरी ताकत से सपने साकार करने चाहिए। शेष पेज 08 पर

अमेरिका से डिपोर्ट किए गए 119 अवैध अप्रवासी आज पहुंचेंगे भारत

नई दिल्ली। अमेरिका से डिपोर्ट किए गए अवैध भारतीय अप्रवासियों की दूसरी खेप शनिवार (15 फरवरी) को अमृतसर पहुंचेगी। रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार रात 10 बजे के करीब फ्लाइट लैंड करेगी। भारत सरकार के आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी साझा की है। अमेरिका से डिपोर्ट किए गए 119 अवैध अप्रवासी भारत आ रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के बाद से भारत निर्वासित किए जाने वाले व्यक्तियों का यह दूसरा समूह होगा।

119 अवैध अप्रवासियों को लेकर आ रहा है अमेरिकी विमान : शनिवार को अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंड करने वाले अमेरिकी विमान में 119 अवैध अप्रवासियों सवार रहेंगे। अवैध भारतीय प्रवासियों में पंजाब के 67, हरियाणा के 33, गुजरात के 8, उत्तर प्रदेश के तीन, गोवा, महाराष्ट्र और राजस्थान के दो-दो, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर का एक-एक व्यक्ति शामिल है। वहीं निर्वासित लोगों को लेकर एक अन्य अमेरिकी विमान भी 16 फरवरी (रविवार) को अमृतसर पहुंच सकता है।

5 फरवरी को अमेरिका से आई थी पहली फ्लाइट : राष्ट्रपति ट्रंप की कठोर नीति के कारण अमेरिका में रह रहे अवैध अप्रवासियों को उनके देश डिपोर्ट किया जा रहा है। शेष पेज 08 पर

ममता सरकार को झटका

हाईकोर्ट ने दी भागवत को रैली की इजाजत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की ममता सरकार को कलकत्ता हाईकोर्ट द्वारा झटका लगा है। दरअसल, मोहन भागवत की रैली को लेकर सरकार की आपत्तियों को दरकिनार करते हुए हाईकोर्ट ने आरएसएस को 16 फरवरी को बर्दवान जिले में रैली करने की इजाजत दे दी है। शेष पेज 08 पर

अपराधियों के चुंगल से भागकर धनबाद पहुंचे रांची से अपहृत लाल रणविजय नाथ

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। रांची के ठाकुरगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत उरुगुट्टू के रहने वाले अपहृत लाल रणविजय नाथ शहदेव अपराधियों के चंगुल से भागकर शुक्रवार की सुबह धनबाद के जीआरपी थाने पहुंचे। अर्द्ध बेहोशी की स्थिति में होने के कारण जीआरपी ने इलाज के लिए उन्हें एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया है। अपहृत लाल रणविजय नाथ शहदेव धनबाद के बलियापुर सीओ प्रवीण कुमार सिंह का रिश्तेदार हैं। अपराधियों के चंगुल से बचकर जीआरपी पहुंचने की सूचना मिलने के बाद बलियापुर सीओ अस्पताल पहुंचे और उनका हाल जाना।

लाल रणविजय नाथ का रातू रोड में हुआ था अपहरण : दूसरी तरफ अपहृत लाल रणविजय नाथ शहदेव ने बताया कि गुरुवार को रांची के रातू रोड से उनका अपहरण हुआ था। वह ऑटो के जरिये रातू रोड पहुंचे थे। शेष पेज 08 पर

कांग्रेस में बड़ा फेरबदल : के राजू को मिला झारखंड का प्रभार

नई दिल्ली। कांग्रेस में संगठनात्मक स्तर पर शुक्रवार को बड़ा फेरबदल किया गया है। पार्टी ने भूपेश बघेल को पंजाब का महासचिव बनाया है। नासिर हुसैन को महासचिव और रजनी पाटिल, बीके हरिप्रसाद व मीनाक्षी नटराजन समेत नौ नेताओं को विभिन्न प्रदेशों का प्रभारी नियुक्त किया। कांग्रेस ने एक के बाद एक कई विधानसभा चुनावों में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अपने राष्ट्रीय संगठन में बड़ा फेरबदल किया है। नवनियुक्त महासचिव भूपेश बघेल को पंजाब और नासिर हुसैन को जम्मू कश्मीर का प्रभार सौंपा गया है। के राजू को झारखंड का प्रभारी नियुक्त किया।

मीर की हुई छुट्टी

संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने जारी की विज्ञप्ति : कांग्रेस पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति के मुताबिक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इन नेताओं को नई जिम्मेदारी सौंपी है। शेष पेज 08 पर

राष्ट्रीय खेल के समापन समारोह में पहुंचे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, कहा

2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए भारत तैयार

एजेंसियां

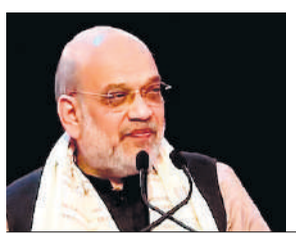

नई दिल्ली। राष्ट्रीय खेलों का 38वां संस्करण समाप्त हो गया। शुक्रवार को गृह मंत्री अमित शाह समापन समारोह में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने अगले मेजबान मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा को ध्वज सौंपने से पहले खेलों के समापन की घोषणा की। शाह ने अपने संबोधन में 2036 में ओलंपिक की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी का जिक्र करते हुए कहा, मैं आज यह कह सकता हूं कि खेलों में भारत का भविष्य बहुत उज्ज्वल है। हम 2036 में ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शाह को स्मृति चिन्ह, शॉल और गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया। उन्होंने आगे कहा, देव भूमि न केवल राष्ट्रीय खेलों के कारण, बल्कि खेलों में अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन और खेलों की सफल मेजबानी के कारण खेल भूमि में बदल गई है।

केंद्रीय खेल मंत्री मांडविया ने कहा, उत्तराखंड ने देश को बताया है कि यह सिर्फ देवभूमि नहीं बल्कि खेलभूमि भी है। राज्य ने सुनिश्चित किया कि खेलों के दौरान किसी भी खिलाड़ी को कोई कठिनाई न हो। यह भारत के खेल केंद्र बनने की शुरुआत है। आयोजन स्थल की क्षमता 25,000 है और यह समारोह के लिए खचाखच भरा हुआ था।

मांडविया ने आगे कहा, यह 2036 तक भारत के ओलंपिक खेलों में शीर्ष 10 देशों में शामिल होने की शुरुआत है। शेष पेज 08 पर

मांडविया और उषा ने भी की मेजबानी पर चर्चा

शाह और धामी के अलावा जिन अन्य प्रमुख व्यक्तियों ने समापन समारोह में भाग लिया उनमें केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया, मेघालय के मुख्यमंत्री कोंगकल संगमा, उत्तराखंड की खेल मंत्री रेखा आर्य, दिग्गज मुक्केबाज एमसी मैरी कॉम और ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग शामिल हैं।

कांग्रेस कोटे से बने मंत्रियों के कामकाज की होगी सोशल ऑडिट

प्रातः नागपुरी संवाददाता

- पार्टी जनता से लेगी फीडबैक : जगदीश साहू

रांची। झारखंड में दोबारा से सरकार बनाने के बाद कांग्रेस इस बात को लेकर गंभीर है कि चुनाव के दौरान जनता से किए वादों को पूरा किया जाए। साथ ही हेमंत सरकार में शामिल कांग्रेस कोटे के मंत्रियों की जनता के बीच पॉजिटिव छवि बनीं रहे।

कांग्रेस ने अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए झारखंड कोटे के सभी मंत्रियों के कामकाज और पार्टी कार्यकर्ताओं-आमजन में उनकी छवि का सोशल ऑडिट कराने का फैसला किया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और वर्तमान में प्रदेश प्रवक्ता जगदीश साहू ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व से यह आदेश मिला है कि मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा हो और उनकी जनता के बीच क्या छवि बनीं है इसकी भी जानकारी ली जाए। शेष पेज 08 पर

संक्षिप्त

बंध्याकरण शिविर का आयोजन

सिल्ली। सिल्ली स्थित सामुदायिक अस्पताल में शुक्रवार को बंध्याकरण शिविर का आयोजन किया गया। लेप्रोस्कोपिक विधि से कुल 62 महिलाओं का बंध्याकरण किया गया। महिलाओं का आपरेशन डा प्रियंका, डा मुकेश एवं डॉ के हरीश राम चंद्रन ने किया। अस्पताल से मिली जानकारी के मुताबिक सभी महिलाओं को आपरेशन के करीब दो घंटे बाद जरूरी स्वास्थ्य सलाह के साथ घर जाने दिया गया।

ऐतिहासिक घुरती सतीघाट मेला आज

सोनाहातू। रांची जिला के सोनाहातू प्रखंड क्षेत्र के बारेंदा पंचायत अंतर्गत पांडुडीह में त्रिवेणी संगम स्वर्णरेखा नदी के तट पर पांच परगना क्षेत्र का ऐतिहासिक द्वितीय सतीघाट मेला 15 फरवरी शनिवार को लगेगा। मेला को लेकर सारी तैयारियां कर पूरी ली गयी है। मेले में बहुत दूर-दूर से काफी संख्या में मेला प्रेमी आते हैं । मेले में सुरक्षा से लेकर चिकित्सा तक की व्यवस्था की समीक्षा मेला कमिटी द्वारा किया गया। ऐतिहासिक मेले में बहुत घरेलू समान और कृषि उपकरण की बिक्री होती है। साथ ही मेले में ढोल, नगाड़े, मादर की बिक्री भी खूब होती है। बच्चों के मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक झूले लग गए है। मेला परिसर में मौत का कुआं एवं बूगी बूगी डांस आकर्षण का केंद्र बनेगा। चौड़ल में सांत्वना पुरस्कार रखा गया है।घुरती सतीघाट मेला को लेकर सोनाहातू पुलिस प्रशासन ने भी अपने स्तर से समीक्षा किया है।

क्रिटिकल आदान वितरण कार्यक्रम का आयोजन

अनगड़ा। शुक्रवार को रांची जिले के अंतर्गत अनगड़ा ब्लॉक के ग्राम दुबलाबेड़ा में इफको रांची के द्वारा क्रिटिकल आदान वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इफको झारखंड के राज्य विपणन प्रबंधक डॉ शशिभूषण समदर्शी, रांची के प्रक्षेत्र प्रबंधक चंदन कुमार, (एजीटी) सुशील कुमार, एवं मार्केटिंग कॉर्डिनेटर कुलदीप महतो के अलावा 50 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में किसानों को नैनो उर्वरकों के इस्तेमाल से खेती में आय बढ़ाने के तरीकों को बताया गया, एवं सभी किसानों को एक बोतल नैनो डीएपी, एक बोतल नैनो यूरिया प्लस एवं एक बोतल सागरिका का वितरण किया गया, किसानों को सब्सिडी में बैटरी चलित स्प्रे मशीन का भी वितरण किया जाना है। इस वितरण कार्यक्रम मुख्य रूप से राजकुमार बेदिया, शोभाराम बेदिया, किशोर बेदिया,अनिल बेदिया, राजेश बेदिया,गीता देवी, अंजनी देवी, मालो देवी, कोशिला देवी सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

सीमेंट लदा एलपी ट्रक पलटा चालक और खलासी की मौत

ट्रक के मलबे में बुरी तरह दब गए थे दोनों

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। रांची-पटना मुख्य मार्ग पर राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर के चुटूपालु घाटी में शुक्रवार को सड़क हादसे में चालक और खलासी की मौत हो गई।

रांची से हजारीबाग की ओर से आ रहे सीमेंट लदा एलपी ट्रक (सीजी 04एमएस 4977) अचानक घाटी में अनियंत्रित हो गई और घाटी के गढ़के मोड़ के पास आकर पलट गई। इस घटना में ट्रक के मलबे में चालक और खलासी बुरी तरह दब गए। घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने क्रेन के माध्यम से किसी तरह निकलवा कर दोनों को सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों में छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग जिला अंतर्गत अहिवारा, नंदनी नगर निवासी ट्रक मालिक सह चालक अजय कुमार जैन और खलासी रायपुर जिला अंतर्गत सरधू गांव निवासी प्रकाश वर्मा शामिल हैं। पुलिस ने घटना से संबंधित जानकारी दोनों मृतकों के परिवार वालों को दी। चुटूपालु घाटी में हो रही सड़क दुर्घटनाओं को कब तक एनएचएआई के अधिकारी नजर अंदाज करेंगे। डीसी चंदन कुमार ने भी कई बार एनएचएआई के अधिकारियों को सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में घाटी में हो रही दुर्घटनाओं पर सकारात्मक पहल करने का निर्देश देते हैं। लेकिन यह निर्देश सिर्फ बैठक तक ही सीमित रह जाती है। अगर डीसी निर्देश देने के अलावा एनएचएआई के अधिकारियों पर कड़े एक्शन लेते है तो निश्चित ही कुछ पहल हो सकता है। चुटूपालु घाटी में हो रही सड़क दुर्घटनाओं की रोक थाम को लेकर डीसी हर बार सड़क सुरक्षा की बैठक कर एनएचएआई के अधिकारियों को कई निर्देश देते है। इससे पूर्व 10 फरवरी को डीसी ने चुटूपालु घाटी में हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए घाटी में लगाई गई लाइट को नियमित रूप से कार्य करने को लेकर निर्देश दिए थे। साथ ही दुर्घटनाओं को रोकथाम को लेकर साइन बोर्ड जल्द से जल्द लगाने का भी निर्देश दिए थे। बावजूद इस और एनएचएआई ने सकारात्मक पहल नहीं करने पर दुर्घटनाओं का सिलसिला जारी है।

वेब डिजाइनिंग पर एकदिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

ओरमांझी। आर.टी.सी. इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, ओरमांझी में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ एवं कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के संयुक्त तत्वावधान में वेब डिजाइनिंग पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में झारखंड टूल रूम, रांची से आए विशेषज्ञ पंकज ने छात्रों को वेब डिजाइनिंग की आधुनिक तकनीकों पर व्याख्यान दिया। अतिथि व्याख्यान के दौरान पंकज ने वेब डिजाइनिंग के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को वर्तमान वेब तकनीकों और इंडस्ट्री में इसके बढ़ते प्रभाव के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे एक अच्छे वेब डिजाइनर को क्रिएटिविटी, लॉजिक और टेक्नोलॉजी का संतुलन बनाना चाहिए। संस्थान के प्राचार्य डॉ. एन. हरी बाबू ने अपने संबोधन में कहा कि, आज के डिजिटल युग में वेब डिजाइनिंग का महत्व बढ़ता जा रहा है। इस प्रकार के व्याख्यान छात्रों को तकनीकी ज्ञान बढ़ाने और इंडस्ट्री से जुड़ने में मदद करेंगे। कॉलेज हमेशा छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन प्रिय रंजन, हरे कृष्णा, एवं मिस बिनीता हिंज के सहयोग से किया गया। विभागाध्यक्ष एवं अन्य शिक्षकों ने भी कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई।

कर्ज में डूबे युवक ने फंदे से लटक कर दी जान

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। रामगढ़ जिले के कुजू ओपी क्षेत्र में कर्ज में डूबे एक युवक ने अपने घर में पंखे की कुंडी से फंदे से लटक कर अपनी जान दे दी। जब घर वालों को इसका पता चला तो उन लोगों के होश उड़ गए। कुजू नया बाजारटांड़ निवासी कुणाल सिंह उर्फ छोटू (31) ने गुरुवार की रात इतना बड़ा कदम उठाया। जानकारी के अनुसार कुणाल सिंह पिछले कई दिनों से काफी तनाव में रह रहा था। उसका पैसा मार्केट में और संबंधियों के बीच फंसा हुआ था। लेनदेन के कारण वह इतना कर्ज में डूब गया था, जिसकी वजह से उसकी मानसिक स्थिति काफी तनावपूर्ण हो गई थी। कुणाल की मां जब खाना लेकर उसके कमरे में गई तो कमरा अंदर से बंद था। काफी आवाज लगाने के बाद भी जब कोई जवाब नहीं दिया, तो उन्होंने कुणाल के पिता रामकुमार सिंह को इसकी जानकारी दी। पिता और पड़ोसियों ने मिलकर जब दरवाजा तोड़ा तो कुणाल की लाश पंखे से लटकती हुई मिली। जब यह घटना घटी थी तो कुणाल की पत्नी अपनी तीन माह की बेटी के साथ अपने मायके रांची में थी।

पुलवामा के शहीदों को किया गया याद

बेड़ो। विद्यासागर पब्लिक स्कूल में 14 फरवरी को पुलवामा में शहीद हुए 40 देशभक्त वीर बलिदानी को याद किया गया। जहां स्कूल के निदेशक शिक्षक - शिक्षिकाओं व बच्चों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया। वहीं बच्चों ने एक से बढ़ कर एक पेंटिंग बनाई। मौके पर निदेशक ललन कुमार सिंह ने कहा कि हम सभी को अपने राष्ट्र के लिए छात्र जीवन से ही उनके अंदर देशभक्ति का जज्बा पैदा करने के लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा। देश है तो हमारी पहचान है हम सब पहले भारतीय हैं। इस पहचान को कायम रखने के लिए देश के सैनिक विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत होने चाहिए।

रंगदारी मांगने वाला अपराधी गिरफ्तार

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। झारखंड समेत कई राज्यों में संगठित आपराधिक गिरोह को संचालित करने वाला विकास तिवारी अपने इशारे पर व्यापारियों से रंगदारी वसूलवा रहा है।

इसका खुलासा तब हुआ जब इस गिरोह का एक सदस्य अनिल यादव रामगढ़ और लातेहार पुलिस के ज्वाइंट ऑपरेशन में गिरफ्तार हुआ। शुक्रवार को पुलिस अनिल यादव को कड़ी सुरक्षा के बीच लातेहार ले गई। लेकिन रामगढ़ में जो कहानी सामने आई वह चौंकाने वाली थी। रामगढ़ शहर के बंगाली टोला निवासी अनिल यादव गिरोह के लिए काफी लंबे समय से काम कर रहा था। विकास तिवारी के इशारे पर वह दूसरे जिले के व्यापारियों और ठेकेदारों को ना सिर्फ धमकता था, बल्कि उन्हें रामगढ़ बुलाकर रंगदारी वसूलता था। धमकी देने के बाद जब व्यापारी उसे पैसे देने के लिए राजी होते थे, तो उन्हें राष्ट्रीय राजमार्ग 33 का एक लोकेशन उन्हें भेजता था। लातेहार के एक व्यापारी को जब पांडे गिरोह की ओर से धमकी मिली तो वह सदमे में आ गया। लेकिन बाद में उसने पुलिस का सहारा लिया। जब पुलिस गिरोह के सदस्यों को ट्रैक कर रही थी, तो इसकी भनक किसी को नहीं लगी। अनिल यादव ने रंगदारी की रकम लेने के लिए जब अपना लोकेशन भेजा, तो पुलिस इस लोकेशन को ट्रैक कर रामगढ़ कोठार ओवर ब्रिज तक पहुंची। पुलिस टीम को देखकर अनिल यादव जब भागने लगा तो दौड़ा कर पुलिस ने उसे पकड़ लिया। अनिल यादव का घर शहर के बंगाली टोला में है। पुलिस ने उसके घर पर भी छापेमारी की। उसके घर से पुलिस को क्या मिला इसका खुलासा अभी तक नहीं हो सका है। पूछताछ के दौरान अनिल यादव ने पांडे गिरोह से अपने संबंध होने की बात स्वीकार की है। छापेमारी के दौरान रामगढ़ थाना प्रभारी कृष्ण कुमार, लातेहार सदर थाना प्रभारी दुलारी चौड़े और उनकी टीम मौजूद थी।

चहारदीवारी निर्माण कार्य का विधायक ने किया शिलान्यास, कहा

रामगढ़ को नंबर वन विस क्षेत्र बनाना प्राथमिकता

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। रामगढ़ विधानसभा अंतर्गत बारलोंग पंचायत के नवसृजित प्राथमिक विद्यालय कुंदरूखुर्द में डीएमएफटी मद से लगभग 36 लाख की लागत से बनने वाले चहारदीवारी निर्माण कार्य का शुक्रवार को शिलान्यास किया गया।

इसमें मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रामगढ़ विधायक ममता देवी व विशिष्ट अतिथि सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल द्वारा संयुक्त रूप से नारियल फोड़कर व शिलापट्ट का अनावरण कर किया। मौके पर मुख्य अतिथि ने कहा कि क्षेत्र का विकास मेरी पहली प्राथमिकता है। इसी को लेकर यहां चहारदीवारी निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया है, ताकि यहां पढ़ने वाले बच्चों को बेहतर सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि झारखंड में विकास के मायने में रामगढ़ विधानसभा को नंबर वन विधानसभा बनाउंगी। इसके लिए पूरी तरह से मैं तत्पर हूं। इस दौरान उन्होंने संवेदक को ससमय गुणवत्तापूर्ण कार्य करने का निर्देश दिया। इससे पूर्व अतिथियों के यहां पहुंचने पर उनका स्वागत बुके देकर किया गया। मौके पर पूर्व मुखिया खिरोधर बेदिया, हीरालाल महतो, माणिक पटेल, बिनोद करमाली, रंजीत करमाली, गौरीशंकर महतो सहित कई लोग मौजूद थे।

सोनाहातू में चैंपियंस ट्रॉफी फुटबॉल प्रतियोगिता कल

सोनाहातू। थाना मैदान में 13 वां चैंपियंस ट्रॉफी फुटबॉल खेल प्रतियोगिता की तैयारी को लेकर पूर्व जिप अध्यक्ष सुकरा सिंह मुंडा की अध्यक्षता में बैठक हुई। सर्वसमिति से 16 फरवरी रविवार को प्रतियोगिता आयोजित करने का निर्णय लिया गया । प्रतियोगिता में 8 टीम के बीच मुकाबला होगा। प्रथम पुरस्कार 131000 , द्वितीय पुरस्कार 81 हजार, तृतीया और चतुर्थ टीम को 31-31 हजार रुपये पुरस्कार दिया जायेगा। इस दौरान मुर्गा लड़ाई प्रतियोगिता का भी आयोजन होगा ,जिसमें विजेता को पुरस्कृत किया जायेगा। समापन के मुख्य अतिथि पूर्व उपमुख्यमंत्री सह आजसु अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो, गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी होंगे । विशिष्ट अतिथि के रूप में मांडू विधायक निर्मल महतो,पूर्व मंत्री रामचंद्र सहित, केंद्रीय सचिव हरिलाल महतो उपस्थित रहेंगे। मैच का उद्घाटन जिप अध्यक्ष सुकरा सिंह मुंडा, पूर्व उपाध्यक्ष चितरंजन महतो, जिला परिषद सदस्य मंजू सिंह मुंडा, पूर्व के जिप सदस्य बीणा मुंडा ,झारखंड आंदोलनकारी नेता दीपक महतो, आंदोलनकारी नेता संजय महतो,केंद्रीय सचिव संजय महतो, केंद्रीय सचिव श्याम कुमार महतो आदि के द्वारा किया जाएगा। मेला कमेटी सफल आयोजन के लिए कमेटी के सदस्यों को जिम्मेदारी सौंप दी है।

सात दिवसीय राम कथा वाचन आज, तैयारियां पूरी

सिल्ली। सिल्ली पोस्टऑफिस के पीछे डुमरटांड़ श्मशान कली मंदिर के समीप 15 से 21 फरवरी तक सात दिवसीय राम कथा का आयोजन किया गया है। रविवार को कलश यात्रा से कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। जहां मुरी स्थित स्वर्ण रेखा नदी से सैकड़ों महिलाओं द्वारा जल लेकर कार्यक्रम स्थल में स्थापित की जाएगी। तत्पश्चात कार्यक्रम में अयोध्या धाम के कथा वाचक अमृता त्रिपाठी जी के द्वारा राम कथा की प्रवचन की जाएगी। आयोजन को लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। आयोजन समिति के सुखराम कोइरी, संजय कोइरी, बंटु गुप्ता आदि ने इसकी जानकारी देते हुए आमलोगों को इस राम कथा में शामिल होने का आग्रह किया है।

इटकी में भव्य सूर्य मंदिर का निर्माण कार्य चरम पर

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

इटकी। इटकी बाहरी तलाब स्थित सूर्य मंदिर का निर्माण कार्य चरम पर है। अगामी 13 मई तक मंदिर निर्माण का सभी कार्य पूरा कर लेने का लक्ष्य है।

सूर्य मंदिर निर्माण समिति के सदस्यों ने जानकारी दी कि मंदिर का 58 फीट लम्बाई और चौड़ाई 23 वर्ग फीट है जबकि गुबंज की उचाई 51 फीट है। मंदिर के चार पहियों में रथारूढ़ आकार में होगी जिसको सात अस्व (घोड़े) रथ को खीचते नजर आयेंगे। बंगाल से पहुंचे कारिगरों द्वारा मंदिर के गर्भ गृह और बाहरी हिस्सों को कलाकृति से उकेरी जा रही जिससे मंदिर की भव्यता में निखार आने लगी है। समिति द्वारा 25 नवम्बर 2020 में मंदिर का निर्माण कार्य शुरू की गई थी। मंदिर निर्माण के लिए भूतपूर्व जमीनदार के वशंज लाल रामेश्वर नाथ शाहदेव और स्वर्गीय लाल बद्री नाथ शाहदेव ने भूमि दान की है। मंदिर निर्माण में दान दाताओं के लिए समिति द्वारा 6202117261 और 8340384109 मोबाईल नम्बर जारी किया है।

अंचलाधिकारी ने प्रज्ञा केंद्र संचालक को किया कारण बताओ नोटिस जारी

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

सिल्ली। फर्जी काम करने वालों के लिए एक बुरी खबर है। सिल्ली के अंचलाधिकारी अरुणिमा एक्का ने सिल्ली प्रखंड के छोटा मुरी प्रज्ञाकेंद्र संचालक मो कयूम को गुरुवार को 24 घंटे के भीतर कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

नोटिस में कहा गया है कि उनके प्रज्ञा केंद्र के माध्यम से आवेदिका सिल्ली प्रखंड के गोडाडीह पंचायत के दोसिमा निवासी रिया कुमारी के लिए ओबीसी जाति प्रमाण पत्र निर्गत किए जाने के लिए रजिस्ट्रेशन नंबर जेएचसीओबी/ 2025/ 13988 दिनांक 01/ 02/ 2025 के माध्यम से किए गए आवेदन में संलग्न किया गया आय प्रमाणपत्र फर्जी है एडिटेड है। कारण नहीं बताने पर झारसेवा की अनुज्ञप्ति रद्द करने की अनुशंसा किए जाने की चेतावनी दी गई है।

सुरक्षा मानकों पर फेल है बैंक प्रबंधन, चोर उचक्के उड़ा रहे मजा

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

रामगढ़। रामगढ़ जिले के बैंकों में पैसे जमा करने वाले और निकालने वाले ग्राहक अक्सर बाइकर्स गैंग और चोर उचक्कों के शिकार हो रहे हैं। पहले तो अपराधी बैंक के अंदर उनकी निगरानी करते थे और बाहर निकलते ही लूट लेते थे। लेकिन अब चोरों का मनोबल इतना बढ़ गया है कि वह बैंक के अंदर ही ग्राहकों को अपना शिकार बनाने लगे हैं।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि दर्जनों छिनतई और लूट की वारदातों के बावजूद बैंक प्रबंधन अपनी सुरक्षा में कोई भी सुधार नहीं कर रहा है। ना तो सुरक्षा कर्मियों की संख्या बढ़ाई जा रही है और ना ही वह चोरों को पकड़ने के लिए बैंक प्रबंधन के सुरक्षा अधिकारी कोई काम कर रहे हैं। लूट और छिनतई की हर वारदात के बाद ग्राहकों को नजदीकी थाना का रास्ता दिखा दिया जाता है। रामगढ़ जिले का ऐसा कोई बैंक नहीं जहां चोर उचक्कों ने ग्राहकों को नहीं लूटा हो। बैंक से पैसे निकाल कर बाहर निकलने वाले ग्राहक से बैग छीनकर बाइकर्स रफू चक्कर हो जाते हैं। हाल में बैंक ऑफ बड़ोदा और बैंक ऑफ इंडिया में ऐसी वारदात हुई जिसने ग्राहकों को सदमे में पहुंचा दिया है। अपराधी बैंक के अंदर मौजूद रहते हैं और वह ग्राहकों का जेब काट लेते हैं। वैसे लोगों की पहचान करने और पकड़ने के लिए बैंक ना तो कोई पहल करता है और ना ही सुरक्षा की कोई जिम्मेदारी निभाता है। बैंक में आने वाले ग्राहकों की सुरक्षा बढ़ाने और अपराधियों को पकड़ने के लिए जिला प्रशासन लगातार जागरूकता अभियान चला रहा है। पुलिस भी अपराधियों को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है। लेकिन बैंक के अधिकारी इन सभी मुद्दों पर अपना पल्ला झड़े हुए नजर आते हैं। हर वारदात के बाद बैंक अपनी डफली, अपना राग अलापते नजर आता हैं। एसपी ने बेहतर क्वालिटी के सीसीटीवी कैमरे लगाने और कई एंगल पर कैमरे लगाने के लिए सभी बैंक प्रबंधकों को चिट्ठी भी लिखी थी। डीएसपी और रामगढ़ थाना प्रभारी के स्तर से भी बैंकों को चिट्ठी लिखी गई। लेकिन किसी भी बैंक ने उसपर अमल नहीं किया। वह पुराने जमाने के सामान्य सीसीटीवी कैमरे पर ही अपनी सुरक्षा का राग अलापते हैं। रामगढ़ शहर के लोग चोर और बाइकर्स गैंग का शिकार होने के बाद सीधे थाना पहुंचते हैं। लेकिन कभी भी बैंक प्रबंधन अपनी जिम्मेदारी निभाता नहीं दिखा। इस मुद्दे पर ना तो कभी चेंबर ऑफ कॉमर्स और ना ही व्यापारियों का अन्य संगठन सक्रिय नजर आता है। ग्राहक बैंक के अंदर लूटे जाएं या सड़कों पर, नतीजा यह है कि उनकी गाढ़ी कमाई से चोर अपनी जेबें भर रहे हैं। क्या कभी बैंक प्रबंधकों की जिम्मेदारी तय होगी? ताकि ग्राहकों की गाढ़ी कमाई की सुरक्षा हो सके।

करांटे ग्रेडिंग प्रतियोगिता में कई विद्यालय के विद्यार्थी हुए शामिल

अनगड़ा। आरटीसी पब्लिक स्कूल अनगड़ा में शुक्रवार को उत्कल करांटे स्कूल की झारखंड शाखा की ओर से करांटे ग्रेडिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें आरटीसी पब्लिक स्कूल अनगड़ा, संत एलॉयसीस स्कूल अनगड़ा, बेथनय कॉन्वेंट स्कूल राजा उलातू के सैकड़ों छात्र-छात्राएं शामिल हुए। इस करांटे प्रशिक्षण में बेसिक, स्टांस, काता, कुमिते, रणधौरी आदि का प्रशिक्षण सेंसई महादेव गोप द्वारा दिया गया। मुख्य अतिथि के रूप में आरटीसी पब्लिक स्कूल अनगड़ा के निदेशक डॉ रूद्र नारायण महतो शामिल हुए। उन्होंने कहा कि सभी आयु वर्ग के लोगो को करांटे का प्रशिक्षण लेना चाहिए। विद्यालय के प्राचार्य नरेन्द्र नाथ महतो ने कहा कि करांटे प्रशिक्षण लेने से अनुशासन के साथ साथ आत्मरक्षा भी कर सकते हैं ग्रेडिंग में मुख्य रूप से बोकारो के सहयोगी प्रशिक्षक नकुल यादव, विक्रम कुमार नायकव महिला प्रशिक्षक पायल कुमारी, सुमन केरकेट्टा, जयश्री सेन, डॉली महतो आदि थे। प्रतियोगिता में हिमांशु कुमार महतो (ब्राउन बेल्ट), प्रितम कच्छप, आदित्या महतो , रौनक करमाली, फलक कच्छप, (ब्लू बेल्ट), प्राची कुमारी (ग्रीन बेल्ट), हर्षदी नायक, श्रुति कुमारी, प्रिया कुमारी (आरेंज बेल्ट), आदि मुख्य रूप से शामिल हुए।

तमाड़ मंडल भाजपा की बैठक संपन्न

तमाड़। शुक्रवार को तमाड़ मंडल भाजपा की बैठक मंडल अध्यक्ष महावीर सोनी के अध्यक्षता में किया गया। तमाड़ मंडल शक्ति केन्द्र प्रभारी के साथ किया गया। जिसमें मंडल चुनाव अधिकारी जलैन्द्र कुमार एवं जिला चुनाव सह अधिकारी लक्ष्मण सिंह मुण्डा शामिल हुए। शक्ति केन्द्र प्रभारी को जानकारी देते हुए मंडल चुनाव अधिकारी जलैन्द्र कुमार ने कहा कि वे अपने अपने शक्ति केन्द्र में संयोजक और सह संयोजक का चयन करते हुए अपने शक्ति केन्द्र में जल्द से जल्द बुथ समिति का गठन करें, ताकि अतिशीघ्र मंडल में एक नया समिति बन सके।

संक्षिप्त

उत्तर पश्चिमी हवाओं से फिर लौटी ठंड

रांची। राज्य भर में उत्तर उत्तरी पश्चिमी हवाओं के चलने से ठंड फिर से लौट आई है। इन हवाओं के चलने से जहां रात में कनकनी बढ़ गई है। वहीं दिन में भी ठंड का एहसास हो रहा है। गुरुवार की तुलना में शक्रवार को न्यूनतम तापमान में पांच डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। ठंड कम होने से लोग गर्म कपडे.रखने की तैयारी में थे, लेकिन ठंड बढने से लोगों को गर्म कपड़ों की फिर जरूरत महसूस होने लगी। हालांकि अधिकतम तापमान में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। उल्लेनखनीय है कि मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक तापमान में उतार चढाव होने की बात कही है। शुक्रवार को रांची में अधिकतम तापमान 25.2 और न्यूनतम 5.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि जमशेदपुर में 32.2 और 12 डिग्री, डालटेनगंज में 29.6 और 9.3 डिग्री, बोकारो में 31.1 और 10.1 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 33.4 और न्यूनतम तापमान 10.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

बाबूलाल ने पंचायतों के अधिकारों में कमी पर जतायी चिंता

रांची। झारखंड में पंचायतों को अधिकार देने की स्थिति राष्ट्रीय औसत से काफी नीचे होने पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने चिंता व्यक्त की है। मरांडी शुक्रवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर कहा कि ग्राम पंचायतों को स्वायत्त शासन की शक्ति दी जानी चाहिए, लेकिन अधिकारों की कमी के कारण वे शिक्षा, स्वास्थ्य, जल आपूर्ति और बुनियादी ढांचे से जुड़े फैसले स्वतंत्र रूप से नहीं ले पातीं। बाबूलाल ने बताया कि वित्तीय स्वतंत्रता की कमी भी विकास कार्यों में बाधा बन रही है, जिससे स्थानीय शासन प्रणाली कमजोर हो रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अपील की है कि ग्राम पंचायतों को समुचित संसाधन और वित्तीय स्वायत्तता देकर सशक्त बनाया जाये, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास हो सके।

रांची में रिंग रोड पर दो बसों की टक्कर, चालक को हल्की चोट

रांची। रांची के मेसरा ओपी क्षेत्र के रिंग रोड स्थित रूदिया आम बगान के पास शुक्रवार दोपहर एक यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में सिर्फ बस चालक को हल्की चोट आई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नागालैंड नंबर की चार बसों में यात्री तीर्थस्थल गया के लिए रवाना हुए थे। इसी दौरान दो बसों की आपस में टक्कर हो गई, जिससे एक बस के आगे का शीशा टूट गया और चालक घायल हो गया।घटना की सूचना पाकर मेसरा ओपी पुलिस मौके पर पहुंची और घायल चालक का इलाज कराया। अन्य यात्रियों को दूसरी बसों में बैठाकर यात्रा के लिए रवाना किया गया।एएसआई अंजय चंद्रवंशी ने बताया कि चार बसों में यात्री बोधगया जा रहे थे। इस दौरान दो बसें आपस में टकरा गईं, जिससे एक बस का आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। घायल चालक का इलाज करवाकर उन्हें भी रवाना कर दिया गया। पुलिस ने बस को सड़क से हटवा दिया है, जिससे यातायात सामान्य हो गया।

नारी शक्ति की प्रतीक थीं सुषमा स्वराज : कर्मवीर

रांची। प्रदेश संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह ने सुषमा स्वराज के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनको याद करते हुए कहा कि सुषमा स्वराज का नाम सामने आते ही एक सादगी और सौम्यता की प्रतिमूर्ति उभर आती है। सुषमा बड़ी आसानी से अपने वाक-चातुर्य के बल पर विरोधियों को परास्त करने के लिए जानी जाती थीं। सिंह शुक्रवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री सुषमा स्वराज की जयंती पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में पुष्पांजलि अर्पित करने के उपरांत बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि अपनी क्षमता और मेधा के आधार पर नारीशक्ति किस प्रकार राजनीति में अपना लोहा मनवा सकती है, इसका एक सफल उदाहरण सुषमा स्वराज हैं। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में विकास प्रीतम, हेमंत दास, अशोक बड़ाईक, पंकज सिन्हा, मनोज दूबे, सीमा सिंह ,बबीता वर्मा, संजय जायसवाल, योगेंद्र लाल सहित कई उपस्थित थे।

उपायुक्त ने राष्ट्रपति के कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण, दिये कई निर्देश

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 15 फरवरी को बीआईटी मेसरा के बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (मेसरा) के प्लेटिनम जुबली समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी।

कार्यक्रम को लेकर, कार्यक्रम स्थल पर पुलिस पदाधिकारियों एवं जिला के वरीय पदाधिकारियों की शुक्रवार को संयुक्त बैठक करते हुए उन्हें कार्यक्रम को लेकर कई अहम दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करते हुए तमाम व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए सम्बंधित पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।

कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे

राष्ट्रपति के कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे, सभी को सुरक्षा जांच होने के बाद ही ऑडिटोरियम में प्रवेश की अनुमति होगी। उपायुक्त ने सभी सम्बंधित पदाधिकारियों को सभी मानकों का सुनिश्चित रूप से पालन करने के निर्देश दिए । इस बैठक में जिला के सभी वरीय पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं सम्बंधित सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

सेल में 'मिश्र धातु इस्पात व इसके प्रसंस्करण' पर हुई तकनीकी

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। आरडीसीआईएस, सेल में 'मिश्र धातु इस्पात और इसके प्रसंस्करण -हालिया प्रगति, चुनौतियां और अवसर' पर एक तकनीकी बैठक आयोजित की गई। इसका उद्देश्य सेल संयंत्रों में उन्नत मिश्र धातु इस्पात प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों को अपनाने के प्रति एक समग्र परिप्रेक्ष्य विकसित करने की दिशा में ज्ञान का प्रसार करना है।

इसके अतिरिक्त मिश्र धातु इस्पात अनुसंधान और इसके प्रयोग में आधुनिक प्रौद्योगिकियों, प्रगति और चुनौतियों का समाधान करना है, जो पर्यावरण-अनुकूल इस्पात उत्पादन की दिशा में स्थिरता और लागत दक्षता प्राप्त करने के साथ सरेखित हो। बैठक का औपचारिक उद्घाटन आरडीसीआईएस के ईडी श्री संदीप कुमार कर ने किया।

इसमें बोकारो, राउरकेला, बर्नपुर, दुगार्पुर और सेलम के इस्पात संयंत्रों के अलावा आरडीसीआईएस, सीईटी और सीएमओ के के 70 प्रतिनिधियों के साथ-साथ मेकॉन लिमिटेड, एनआईएएमटी (पूर्व में निफफ्ट) और मेसर्स सीबीएमएम, ब्राजील के विशेषज्ञों के प्रतिभागी शामिल हुए। डेढ़ दिन में आठ तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें स्टीलमेकिंग, मिश्र धातु डिजाइन और माइक्रो-एलोयेड धातु स्टील से संबंधित स्थिरता में प्रमुख प्रगति को शामिल किया गया।

इस बैठक ने स्टीलमेकिंग में प्रमुख चुनौतियों का समाधान करने, मिश्र धातु विकास, प्रक्रिया अनुकूलन और टिकाऊ उत्पादन में श्रेष्ठ तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए संयंत्रों, अनुसंधान संस्थानों और उद्योग विशेषज्ञों के बीच सहयोग के लिए एक मंच प्रदान किया।

आज निकाली जाएगी श्री श्याम प्रभु की झांकी, जीवंत झांकियां भी रहेंगी

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। आचार्यों एवं पंडितों के सानिध्य में श्री श्याम परिवार के अध्यक्ष श्रवण जालान सपरिवार श्रीमती नेहा जालान मुख्य यजमान के रूप में और सभी सदस्यों ने हवन, पूजन के साथ मे सभी देवी-देवताओं का आवाहन शुक्रवार को किया। इसमें श्री गणेश जी महाराज, श्री हनुमानजी, श्री श्याम प्रभु खाटू वाले, श्री राणी सती दादी आदि सभी देवी-देवताओं की विशेष पूजा अर्चन की गई। पूजा में जयदीप राज, प्रकाश दालानिया, श्रीमती शालू सिंघानिया, राजेश जालान, संजय खेतान, पंकज शर्मा, रजत जालान आदि सदस्य उपस्थित थे।

कल यानी 15 फरवरी को दोपहर 2 बजे से श्रृंगारित रथ पर विराजित श्री श्याम प्रभु की झांकी निकाली जाएगी। भव्य निशान शोभा यात्रा निकाली जाएगी। इसमें 351 महिलाये एवं पुरूष पारम्परिक राजस्थानी वेशभूषा में श्री श्याम प्रभु के पवित्र निशान को लेकर नगर भ्रमण करते हुए चलेंगे। शोभायात्रा में श्री श्याम बाबा के भजन कीर्तन करते हुए श्री श्याम परिवार के सदस्य एवं भजन प्रवाहक होंगे। मुख्य आकर्षण श्रृंगारित रथ पर विराजित श्री श्याम प्रभु की मनोहारी झांकी होगी। मुख्य रथ के आगे हाथों में पवित्र निशान लिए पंच प्यारे रहेंगे।

झारखंड की लोक प्रसिद्ध ढाक पर्टी 31 सदस्यों की टोली भी इस शोभायात्रा में शमिल होंगे। कई मनमोहक जीवंत झांकियां भी शामिल होंगी। शोभा यत्रा श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर से शुरू होकर वंशीधर आडुकिया रोड, कार्ट सराय रोड, ईस्ट मार्केट रोड, अपर बाजार, मारवाड़ी टोला, गांधी चौक, रांची विश्वविद्यालय, शहीद चौक होते हुए महोत्सव स्थल 'श्री श्याम हवेली' दुर्गा-बाड़ी पहुंचेगी। यह जानकारी प्रचार संयोजक अमित चौधरी ने दी।

निगम ने फाइन जमा करने पर खोली दो प्रतिष्ठानों की सील

रांची। रांची नगर निगम के राजस्व शाखा की टीम की ओर से निगम क्षेत्र में लगातार होल्डिंग और ट्रेड लाइसेंस की जांच करते हुए विभिन्न भवनों एवं प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। इस क्रम में 10 फरवरी को निगम के निदेशों का अवहेलना करने पर रोशपा टावर स्थित दो प्रतिष्ठानों (वन स्टॉकप सर्विस एवं पीओजे फ ?र्निचर) को सील किया गया था।

इसके बाद शुक्रवार को पीओजे फर्निचर की ओर से 25,000 रुपए जुमार्ना के साथ-साथ नए ट्रेड लाइसेंस के लिए आवेदन दिया गया है। इसके बाद निगम की टीम ने प्रतिष्ठान पर की गई सील को खोल दिया।

इस संबंध में नगर निगम के प्रशासक ने रांची के लोगों से अपील करते हुए कहा है कि सभी नागरिक अपने भवन के होल्डिंग टैक्स (घृतिकर) का भुगतान समय पर करें। उन्होंने कहा है कि यदि रेजिडेंशियल होल्डिंग में व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं तो त्वरित री-असेसमेंट करवाते हुए लोग कमर्शियल होल्डिंग लेना सुनिश्चित करें।

मुंडा ब्रदर्स बना महाराजा मदरा मुंडा फुटबॉल चैंपियंस ट्रॉफी का विजेता

विजेजा को मिला 3 लाख व ट्रॉफी, उपविजेता को 2 लाख व ट्रॉफी

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। मुंडा ब्रदर्स, रांची की टीम ने महाराजा मदरा मुंडा फुटबॉल चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता। शुक्रवार को रिंग रोड पतरातू स्थित महाराजा मदरा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में खेले गए फाइनल में उसने फुटबॉल क्लब असम की टीम को 4-2 से हराया। जब दोनों टीमें निर्धारित समय पर गोल नहीं कर सकी, तब आयोजकों ने टाइब्रेकर का सहारा लिया। इसमें मुंडा ब्रदर्स के सूरज नायक ने बेहतर गोल कीपिंग कर अपने टीम को जीत दिलाई।

मुख्य अतिथि काके विधायक सुरेश कुमार बैठा, मुख्य संरक्षक काके प्रमुख सोमनाथ मुंडा, जिला परिषद सदस्य संजय महतो और कमीश्नर मुंडा, चुट्टू अंजुमन के सदर जबुल अंसारी, सेक्रेट्री हयात अंसारी, झामुमो के वरिष्ठ नेता जुल्फिकार खान ने विजेता टीम को 3 लाख रुपये का चेक व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। उपविजेता टीम एफसी असम को 2 लाख रुपये का चेक व छोटा ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया। मैन ऑफ द सीरीज मुंडा ब्रदर्स टीम के मुकेश महली को दिया गया। उन्हें चुट्टू अंजुमन कमेटी की ओर से टीवीएस बाइक दी गई। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार सूरज मुंडा को मिला। वहीं चौथे तीसरे स्थान पर बीपीएस दुबलिया व चौथे स्थान पर रहने वाली टीम आतिश ब्रदर्स तुरुप को 50-50 हजार रुपये देकर सम्मानित किया गया। साथ ही सभी रेफरी को आयोजन समिति की ओर से पुरस्कृत किया गया।

टूर्नामेंट के सफल आयोजन में मुख्य संरक्षक काके प्रमुख सोमनाथ मुंडा, संरक्षक हयात अंसारी, अध्यक्ष संजय मुंडा, उपाध्यक्ष रंजन लकड़ा, श्याम उरांव, सोनू तिर्की, सचिव अजय एक्का, कोषाध्यक्ष प्रेम किशोर महतो, खेल प्रभारी फरीद खान, नसीमुद्दीन अंसारी, मंगराज मिंज, संजीत मुंडा विनय मुंडा, नरेश कोड़ीयार, पंकज कच्छप, शिवधर रजवार, प्रकाश उरांव, बसंत कच्छप, भगतु उरांव, परवेश उरांव आदि की सक्रिय भूमिका रही। इससे पूर्व रेंडो रिंग रोड चौक स्थित महाराजा मदरा मुंडा की प्रतिमा पर गांव के पहान, पइनभोरा और महतो के द्वारा माल्यार्पण किया गया।

श्री महावीर मंदिर का वार्षिकोत्सव 21 फरवरी से

रांची : बूटी स्थित श्री महावीर मंदिर का तीसरा वार्षिकोत्सव 21 फरवरी से धूमधाम से मनाया जाएगा। श्री महावीर मंडल के अध्यक्ष श्रवण कुमार ने शुक्रवार को बताया कि इस वर्ष वार्षिकोत्सव भव्य रूप से आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के पहले दिन 21 फरवरी को कलश यात्रा निकाली जाएगी। इसमें हजारों की संख्या में राम भक्त शामिल होंगे। सुबह आठ बजे कलश यात्रा निकलेगी। दोपहर एक बजे वेदी पूजन के बाद मंडप प्रवेश होगा। संध्या आरती के बाद खीर भोग का वितरण किया जाएगा। 22 फरवरी को मंडप परिक्रमा, मंडप पूजन और संध्या आरती के बाद खिचड़ी वितरण के साथ अखंड कीर्तन शाम छह बजे से सुबह छह बजे तक किया जाएगा।

शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी जरूरी : सीपी सिंह

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। रांची के विधायक और पूर्व मंत्री सीपी सिंह ने कहा कि विद्यालय को गुणवत्तायुक्त शिक्षा के साथ-साथ बेहतर संस्कार देने की जरूरत है। सिंह शुक्रवार को काके रोड स्थित ज्ञानोदय उच्च विद्यालय के वार्षिकोत्सव सह विदाई समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्यालय पिछले 55 वर्षों से इस क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध करा रहा है।

सिंह ने विद्यालय के आधारभूत संरचना का उल्लेख करते हुए कहा कि सीमित संसाधन में भी विद्यालय निरंतर विकास के पद पर अग्रसर है। इस मौके पर उन्होंने विद्यालय विकास कोष से नवनिर्मित दो कमरों का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों ने रंगारंग संस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत किया ।

मौके पर विद्यालय के सचिव डॉ भीम प्रभाकर ने पिछले एक वर्ष के वार्षिक रिपोर्ट को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में स्कूल के प्रचार्य वासुदेव महतो समिति के सदस्य नीरज पांडेय, नलनी रंजन मिश्रा, अनिल सिंह, पूर्व प्रधानाध्यापक दीप्तेनदु, पांडेय पारसनाथ सिंह, अशोक प्रसाद सिंह, रामलगन राम सहित अन्य मौजूद थे।

आरके मिशन टीबी सेनेटोरियम को मिले नए चिकित्सा उपकरण

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार ने रांची के तुपुदाना स्थित रामकृष्ण मिशन टीबी सेनेटोरियम में डिजिटल एक्स-रे, अल्ट्रासोनोग्राफी, डेंटल एक्स-रे आदि चिकित्सा उपकरणों का उद्घाटन किया। सीएमपीडीआई के क्षेत्रीय संस्थान-3, रांची ने निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) योजना के तहत इन चिकित्सा उपकरणों की खरीद के लिए 55 लाख 86 हजार राशि की सहायता प्रदान की।

मौके पर क्षेत्रीय संस्थान-3-रांची के क्षेत्रीय निदेशक कंचन सिन्हा, पूर्व क्षेत्रीय निदेशक जयंत चक्रवर्ती, सीएमपीडीआई के महाप्रबंधक (एचआरडी/सीएसआर) आरके महापात्रा, आरके मिशन टीबी सेनेटोरियम के सचिव स्वामी सत्संगानंद और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सीएमपीडीआई की इस पहल से रामकृष्ण मिशन टीबी सेनेटोरियम में निदान और उपचार क्षमताओं में बढ़ोतरी होगी। इससे टीबी और अन्य बीमारियों से प्रभावित रांची और इसके आसपास निवास करने वाले स्थानीय समुदायों एवं जरूरतमंदों के लिए स्वास्थ्य देखभाल पहुंच में सुधार होगा।

ट्रेड फेयर में फर्नीचर पर मिल रहा आकर्षक ऑफर

प्रातः नागपुरी संवाददाता

रांची। रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित 16वें इंडिया इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर में हजारों लोग प्रतिदिन पहुंच रहे हैं। ट्रेड फेयर के कुछ दिन और बचे हैं। ऐसे में अब दुकानदार ग्राहकों को तरह-तरह की छूट दे रहे हैं। एक ही छत के नीचे बिक रहे घरेलू आइटम की स्टाल लोगों की पसंद बनी हुई है। वहीं, फर्नीचर हैंगर में हैदराबाद की कंपनी डी डिजाइनों का स्टॉल लगा है। इस स्टॉल पर प्रीमियरम सेगमेंट के सोफा कम बेड मिल रहा है। बेहतर खूबसुरत और मजबूत टिकाउ वाला सोफा लोगों को पंसद आ रहा है। लोग इसकी बुकिंग भी करवा रहे हैं। इन सोफा कम बेड पर पांच साल की वारंटी भी दी जा रही है।

यहां सोफा पर 50 प्रतिशत की छूट भी जा रही है। इसके अलावा एक्सचेंज ऑफर भी मिल रहे हैं। कोई भी पुराना सोफा लाइये और नया सोफा लेकर जाये। मेगा ट्रेड फेयर में हैंडीक्राफ्ट सहित अन्य सभी तरह के आइटम शहरवासियों को लुभा रहे हैं।

फेयर में इंटरनेशनल स्टॉल में कई देशों के भी स्टॉल लगाये गये हैं, जहां महिलाओं के लिए मेकअप, ब्यूटी प्रोडक्ट और सुंदर-सुंदर हेयर एक्सेसरीज, आर्टिफिशियल ज्वेलरी मिल रही थी।

फेयर में इलेक्ट्रिकल, वुलेन आईटम, खाद्य उत्पाद, हैंक्राफ्टस, स्टेशनरी, सौंदर्य उत्पाद, गारमेंट एंड हैण्डलूम, फर्नीचर एंड फर्निशिंग, होम एप्लाइंसेज, स्वास्थ्य सामग्री, आर्टिफिशियल ज्वैलरी, गिफ्ट, हर्बल एवं आयुर्वेदिक, स्पोर्टसआईटम, फैशन एंड फुटवियर, फर्नीचर की विशाल रेंज सहित अन्य सामान सस्ती दरों पर उपलब्ध है।

वहीं, फेयर में ऑटोमोबाइल सेक्टर के भी स्टॉल लगे हुए हैं। इनमें महिंद्रा, निशान, बीएमडब्लू, रॉयल इनिफल्ड जैसी कंपनियां शामिल है। यहां गाड़ियों की प्रदर्शनी भी लगायी है। लोग इन गाड़ियों की जानकारी ले रहे हैं।

शुक्रवार को स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी, नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने ट्रेड फेयर का भ्रमण किया।

इस अवसर पर उन्होंने ट्रेड फेयर में पुलवामा अटैक में शहीद हुए जवानों को श्रद्धाजंलि दी। इसके बाद सभी ने ट्रेड फेयर के विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण किया और आयोजन की तारिफ की। इस अवसर पर झारखंड चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी, उपाध्यक्ष ज्योति कुमारी, राहुल साबू, महासचिव आदित्य मल्होत्रा, सह सचिव नवजोत अलंग, विकास विजयवर्गीय, पूर्व अध्यक्ष विनय अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य अमित शर्मा, शैलेश अग्रवाल सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त

18 वर्षीय युवक ने अपने घर के बाहर की आत्महत्या

सरायकेला । सरायकेला जिले के राजनगर थाना क्षेत्र में एक दुखद घटना घटी है। तुमूंग पंचायत के बेलडीह गांव में 18 वर्षीय पलटन हेंब्रम ने अपने घर के बाहर जामुन के पेड़ से फंदे के सहारे आत्महत्या कर ली है। घटना बीती रात की है, जब ग्रामीणों को सुबह इसकी जानकारी मिली, तो इलाके में सनसनी फैल गई।

बताया जा रहा है कि मृतक पलटन हेंब्रम अपने गले में हमेशा एक गमछा लपेट रहता था। घटना के दौरान उसने यह गमछा और अपने कपड़े के बेल्ट को जोड़कर फंदा बनाया और जामुन के पेड़ पर बांधकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए सरायकेला सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतक के मामा संजय हांसदा ने बताया कि पलटन एक मिलनसार और सहयोगी युवक था। वह सभी कार्यों में सहयोग करता था, लेकिन आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रदूषण की रोकथाम को लेकर अब बच्चों ने उठाया बीड़ा

धनबाद : धनबाद में लगातार बढ़ते प्रदुषण की रोकथाम को लेकर अब बच्चों ने बीड़ा उठा लिया है। निजी विद्यालय द्वारा आयोजित हेल्थ एंड क्लीननेस कैंपनिंग के तहत आज रणधीर वर्मा चौक पर एकत्रित हुए बच्चों ने लोगों के बीच अपने घर मोहल्ले एवं सड़कों की साफ-सफाई रखने में अपना योगदान देने की अपील की। स्वस्थ रहने और शहर को स्वच्छ रखने को लेकर हाथों में तख्ती लिए बच्चों ने लोगों को जागरुक किया। अपने आसपास गंदगी न फैलाने और कूड़ा कचड़े को कूड़ेदान में ही फेंकने की अपील की गई। शिक्षिका शिवानी और शिक्षक सत्येंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से बताया कि आनेवाली पीढ़ी स्वच्छ वातावरण में सांस ले इसके लिए जरुरी है कि हम अपने आसपास गंदगी फैलने न दें, पर्यावरण को हरा भरा रखने में हम सभी का योगदान अपेक्षित है।

रोशन लाल ने कौशल विकास भवन का किया शिलान्यास

बड़कागांव । प्रखण्ड अंतर्गत ग्राम बादम मे ग्रामीण विकास विभाग डीएमएफटी मद से कौशल विकास केंद्र सह बहुद्देशीय भवन के निर्माण कार्य का शिलान्यास बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने फीता काट व नारियल फोड़ कर किया। इससे पहले ढोल नगाड़े के साथ भारी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों के द्वारा विधायक रोशन लाल चौधरी को शिलान्यास स्थल ले जाया गया जहां पर फूल माला से भव्य स्वागत किया गया। मौके पर विधायक रोशन लाल चौधरी ने संवेदक को निर्देश दिया कि भवन के निर्माण कार्य में गुणवत्ता का पूरा रखा जाये। निर्भीक हो कर गुणवत्तापूर्ण कार्य करें कहीं किसी तरह की परेशानी होगी तो मैं साथ खड़ा रहूंगा। आगे कहा के मेरे विधायक बनने के बाद ये पहला विकास कार्य बादम पंचायत में हो रहा है आगे भी और कई विकास के कार्य को किया जायेगा। आगे उन्होंने कहा कि बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के एक एक पंचायत और गांव तक विकास कार्यों को करने के लिए मैं कृत संकल्पित हूं। हमारा एक ही उद्देश्य है बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र को विकास के मामले में झारखंड में अव्वल विधानसभा बनाना। कार्यक्रम के अंत में पुलवामा हमले में शहीद हुए देश के वीर जवानों को एक मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई।

प्रेम के लिए परिवारों से लड़ी जंग, प्रशासन बना गवाह

लातेहार । प्रेम की राह आसान नहीं होती, यह बात निरंजन कुमार और पूनम कुमारी की कहानी ने एक बार फिर साबित कर दी। परिवारों के विरोध के बावजूद, इस प्रेमी युगल ने हार नहीं मानी और प्रशासन की चौखट पर जाकर अपने रिश्ते को कानूनी मान्यता दिलायी। चतरा जिले के लावालौंग निवासी निरंजन कुमार और लातेहार जिले के डीही मुरूप गांव की पूनम कुमारी पिछले छह महीनों से एक-दूसरे को चाहते थे। लेकिन जब उनकी प्रेम कहानी शादी तक पहुंची, तो परिजनों का विरोध सामने आ गया। दोनों परिवारों ने प्रेम संबंध को तोड़ने के लिए कई बार पंचायत बुलाई, लेकिन कोई हल नहीं निकला।

जैन मुनि 108 प्रांजल सागर 14 साल बाद पहुंचे जन्मभूमि झुमरीतिलैया, हुआ स्वागत

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

कोडरमा। रमता जोगी बहता पानी के कहावत के अनुसार झुमरीतिलैया में जन्मे अखिलेश भैया 14 वर्षों बाद जैन मुनि 108 प्रांजल सागर जी महाराज बनकर अपने दीक्षा गुरु आचार्य श्री 108 विनिश्चय सागर जी महामुनिराज के साथ संघ सहित झुमरीतिलैया की धर्म नगरी में मंगल आगमन हुआ। भक्त जनों में कोडरमा के गौरव जो 14 वर्षों के बाद जन्म नगरी में आने की खुशी से मन हर्ष से पुलकित हुआ।

जैन समाज के सैकड़ो पुरुष, बच्चे, महिलाएं के साथ युवा श्वेत ओर केशरिया पारंपरिक परिधान में गुरुदेव की अगवानी के लिए पहुंचे। विभिन्न चौराहे पर मोदी समाज, बंगाली समाज, माहुरी समाज, पंजाबी समाज, अग्रवाल समाज ने गुरुदेव के चरण पखारे ओर आरती की।

इस शोभायात्रा में गुरुदेव के साथ सैकड़ों भक्त, ताशा पार्टी, बैंड बाजा, जैन स्कूल बच्चों का बैंड, महिलाओं की कलश यात्रा, जैन धर्म का ध्वज और जैन धर्म के जयकारों के साथ पूरे शहर में भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बन गया। सभी एक ही जयकारा लगा रहे थे कि हर मां का लाल कैसा हो प्रांजल सागर जैसा हो आदि नारा लगा कर शहर को गुंजायमान कर दिया।

साथ ही छोटे ग्रुप बनाकर महिलाएं तरह तरह के स्लोगन ले कर स्वागत किया। साथ ही महिला बालिकाएं डांडिया नृत्य के साथ हाथ में गैस के गुब्बारे के

साथ महिलाएं हाथ में जैन धर्म का झंडा लेकर अपनी भक्ति को प्रदर्शित कर रहे थे। गुरुदेव नगर भर्मण कर बड़ा मंदिर स्टेशन रोड पहुंचे जहां पर सैकड़ों श्रद्धालु भक्तों ने गुरुदेव के चरणों को धोया और अपने माथे पर लगाया। मुनि श्री ने मूलनायक 1008 श्री पारस नाथ भगवान के दर्शन कर धर्मसभा को संबोधित किया।

अमृतमय प्रवचन मे गुरुदेव ने कहा कि लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए व्यवहार को बदलना होगा। व्यक्ति अच्छाइयों का खजाना होता है लेकिन अपने दिमाग को खराब कार्यों में ज्यादा लगता है। इस कारण उसकी अच्छाई और योग्यता नजर नहीं आती है। वृक्ष यदि सूख रहा है तो पत्तों को नहीं जड़ों को देखने की आवश्यकता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में समाज, महिला समाज, जैन युवक समिति के साथ सभी भक्तों ने अपना योगदान दिया।

यह जानकारी जैन समाज के मीडिया प्रभारी जैन राजकुमार अजमेरा और नवीन जैन ने दी।

रोटरी क्लब कोडरमा ने किया 65 जरूरतमंदों को कृत्रिम अंग प्रदान

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

कोडरमा। जिले में उम्मीद की किरण बनकर रोटरी क्लब कोडरमा ने जरूरतमंदों 65 से अधिक निशक्त कटे हाथ पांव के जरूरतमंद लोगों को कृत्रिम अंग प्रदान किया उनके चेहरे पर मुस्कान और खुशी को लाने का काम किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप विकास आयुक्त ऋतुराज थे जिनके हाथों से लाभुकों को कृत्रिम अंग प्रदान किया गया उप विकास आयुक्त ने रोटरी कोडरमा के इस कार्य की भूरी भूरी प्रशंसा की और कहा कि रोटरी कोडरमा जिले में सेवा समर्पण का अच्छा कार्य कर रही है।

जिला प्रशासन की ओर से भी रोटरी कोडरमा को हम धन्यवाद देते हैं सर्वप्रथम आज कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान से हुई मंच संचालन सचिव प्रवीण बरनवाल ने किया और कहा कि आज रोटरी क्लब कोडरमा के द्वारा जरूरतमंदों के लिए जादू का काम किया गया कटे हाथ पांव के लोग अपने पैरों पर चलकर वापस जा रहे हैं। मुख्य अतिथि एवं मंचासीन सभी लोगों ने दीप प्रज्वलित किया हजारीबाग

रोटरी अध्यक्ष अमित कुमार एवं रोटरी जागृति क्लब की अध्यक्ष मंदिर गुप्ता ने मुख्य अतिथि को संयुक्त रूप से पुष्प गुच्छ भेंट किया, क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन अमित कुमार ने स्वागत भाषण दिया और आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया।

महावीर सेवा सदन कोलकाता से आए डॉक्टर प्रभाकर और उनकी टेक्नीशियन टीम के द्वारा 30 लोगों को कृत्रिम पांव 15 लोगों को कृत्रिम हाथ 15 पोलियो से ग्रसित लोगों को कृत्रिम कैलीपर एवं अन्य कई लोगों का कृत्रिम अंग तैयार किया डॉ प्रभाकर ने महावीर सेवा सदन कोलकाता की ओर से मुख्य अतिथि एवं क्लब के अध्यक्ष को प्रतीक चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम में विशेष सहयोग प्रदान करने के लिए असिस्टेंट गवर्नर संगीता शर्मा एवं मॉडर्न पब्लिक स्कूल प्राचार्य शैलेंद्र सिंह का विशेष ध्यानवाद अध्यक्ष ने प्रेषित किया, समाजसेवी गोपाल भदानी राजेश शर्मा, मॉडर्न पब्लिक स्कूल की शिक्षका तनुश्री सरकार एवं संजीव अग्रवाल को अंग वस्त्र एवं पुष्प गुक्श से सम्मानित कर आभार प्रकट किया गया, एवं अविनाश सेठ चेतन शर्मा चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रदीप हिसारिया का भी उनके सहयोग के लिए आभार प्रकट किया गया, रोटरी क्लब कोडरमा एवं महावीर सेवा सदन कोलकाता हजारीबाग जागृति क्लब को संयुक्त रूप से मुख्य अतिथि उप विकास आयुक्त ने बधाई दी और कहा कि समाज सेवा का आप अच्छा काम कर रहे हैं उप विकास आयुक्त ने आज रोटरी क्लब कोडरमा के द्वारा किए जा रहे परमानेंट प्रोजेक्ट का भी निरीक्षण किया और रोटरी के सदस्यों को समाज सेवा के नेक कार्य के लिए बधाई दी आज 65 लोगों को इसका लाभ मिला कई लाभुकों ने मंच पर आकर अपनी खुशी को व्यक्त किया। क्लब के मीडिया प्रभारी ने कहा कि रोटरी कोडरमा जरूरतमंदों की सेवा के लिए कृत संकल्पित है और भविष्य में भी मानवता की सेवा के कार्य आगे बढ़कर करेगी।

रोटरी अध्यक्ष अमित कुमार एवं सदस्यों के द्वारा महावीर सेवा संस्थान के डॉक्टर एस प्रभाकर मुख्य अतिथि ऋतुराज को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया रोटरी अध्यक्ष अमित कुमार ने रोटरी की आर्मी ग्रुप के सभी सदस्यों को शिविर के अपार सफलता के लिए बधाई दी और कहा कि आप सभी सदस्यों ने दिन-रात मेहनत कर रोटरी के मान सम्मान को आगे बढ़ाया है।

रिक्शा चालक की हत्या जांच में जुटी पुलिस

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

पलामू। एक रिक्शा चालक की उसके घर के समीप हत्या करने का मामला शुक्रवार को प्रकाश में आया है। जख्मी हालत में वह मदद के लिए घर के बाहर चिल्लाता रहा, लेकिन शराबी समझकर किसी ने उसकी मदद नहीं की। सूचना मिलने पर शुक्रवार को पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घटना मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के आबादगंज रेलवे लाइन से सटे इलाके की है। इस संबंध में शहर थाना में अज्ञात पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। रिक्शा चालक की पहचान आबादगंज रेलवे लाइन के पास रहने वाले 35 वर्षीय राकेश कुमार के रूप में की गयी है। पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी है।

थाना प्रभारी इंस्पेक्टर देवव्रत पोद्दार ने बताया कि मृतक के शरीर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। उसके पैर टूटे हुए थे और जांघ में दो छेद मिले। नुकीले हथियार से हमला किया गया था। हमलावरों ने राकेश को मारने के बाद रेलवे पटरी के किनारे बने नाले में फेंक दिया था। घटना रात करीब एक से डेढ़ बजे की है।

राकेश ने मदद के लिए शोर मचाया, लेकिन मुहल्लेवालों ने उसे शराब पीकर हंगामा करने वाला समझ लिया और कोई मदद को नहीं आया। घायल राकेश किसी तरह नाले से बाहर निकला और किसी तरह अपने घर तक पहुंचा, जहां उसने दम तोड़ दिया। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों में उसके घिसटते हुए जाने का फुटेज मिला है। रास्ते में खून के निशान भी मिले हैं। अधिक खून बहने से उसकी मौत होने की बात कही जा रही है।

घटना के समय राकेश की मां कुंभ स्नान के लिए बाहर गई हुई है। गुरुवार को राकेश घर में ताला लगाकर रिक्शा चलाने गया था। पूर्व वार्ड पार्षद के बयान पर पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया है।

लातेहार में 55 एकड़ अवैध अफीम की फसल नष्ट, पुलिस ने चलाया अभियान

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

लातेहार। पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव के निदेर्शानुसार जिले में अवैध अफीम की खेती के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। इसके तहत हेरहंज थाना क्षेत्र के महुआटांड़, खीराखांड और अमानत नदी के किनारे स्थित गैरमजरूआ एवं वन भूमि पर अवैध रूप से उगाई गई अफीम की फसल को नष्ट किया गया। अभियान का नेतृत्व बालूमाथ के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने किया।

अभियान में हेरहंज पुलिस, सैट सशस्त्र बल, सीआरपीएफ G/11 और IRB सशस्त्र बल की संयुक्त टीम शामिल थी। आठ ट्रैक्टर और जेसीबी मशीनों की मदद से लगभग 55 एकड़ में लगी पोस्ता/अफीम की फसल को पूरी तरह से विनष्ट किया गया।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिले में अवैध मादक पदार्थों की खेती को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में अवैध अफीम की खेती करने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और आगे की जांच की जा रही है। पुलिस प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि यदि कहीं भी अवैध अफीम की खेती हो रही हो, तो इसकी जानकारी तुरंत प्रशासन को दें।

आवास बचाओ संघर्ष समिति के अनुरोध पर ईचागढ़ विधायक सविता महतो पहुंचीं आदित्यपुर

हर संभव सहयोग करने का दिलाया भरोसा

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

आदित्यपुर। सरायकेला खरसावां जिले के आदित्यपुर कॉलोनी स्थित आवास बोर्ड के ईडब्ल्यूएस फ्लैट के 216 क्वार्टर के हायर पर्चेज को लेकर आवास बचाओ संघर्ष समिति के अनुरोध पर शुक्रवार को ईचागढ़ विधायक आदित्यपुर पहुंची और प्रभावित लोगों से मुलाकात कर उन्हें हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि वे इसी क्षेत्र से आती हैं उनका मायका इसी इलाके में है।

यहां के लोगों से उनका गहरा नाता है इसलिए वे यहां के लोगों को मालिकाना हक दिलाने का हर संभव प्रयास करेंगी। इससे पूर्व स्थानीय लोगों ने विधायक पुष्प गुच्छ देकर व गर्म जोशी से स्वागत किया। मालूम हो कि ईडब्ल्यूएस फ्लैट में रहने वाले

लोगों को आवास बोर्ड की ओर से खाली करने का नोटिस दिया गया है। इसको लेकर स्थानीय लोगों ने पिछली सरकार में मंत्री रहे हफीजुल हसन से मुलाकात कर इन फ्लेटों में रह रहे लोगों को ही आवंटित किए जाने की मांग की थी जिसमें विधायक सविता महतो ने काफी मदद किया था। तत्कालीन मंत्री हफीजुल हसन ने आवास बोर्ड के एमडी से फ्लैट में रह रहे लोगों को आवंटन देने का निर्देश दिया था। मगर, सरकार बदलने के बाद हफीजुल हसन दूसरे विभाग के मंत्री बनाए गए हैं। इधर आवास बोर्ड ने नोटिस कैंसिल नहीं किया है जिससे फ्लैटों में रह रहे लोगों को फिर से विस्थापित होने का खतरा मंडराने लगा है। इसी को लेकर आवास बचाओ संघर्ष समिति का गठन किया गया है। समिति के सदस्यों ने विधायक से मामले में पहल करते हुए उन्हें फ्लैट आवंटित कराए जाने की मांग की है।

जिस पर विधायक ने भरोसा दिलाया है कि इसको लेकर सरकार के स्तर से वार्ता करेंगे और उन्हें उनका अधिकार दिलाएंगे। इस मौके पर काबलू महतो, मनमोहन सिंह, संतोष सिंह, चमचम मिश्रा, निशु झा, दीनानाथ त्रिपाठी सहित ईडब्ल्यूएस के सैकड़ों लोग मौजूद थे।

मृतक कोल कर्मी के आश्रित को मिला औपबंधिक नियोजन

अलकडीहा : संयुक्त मोर्चा के लंबे संघर्ष के बाद अंततः मृतक कोल कर्मी स्वः कुलदीप साव के पुत्र शत्रुघ्न साव को औपबंधिक नियोजन मिल गया। संयुक्त मोर्चा के बैनर तले शुक्रवार को मोर्चा के नेताओं ने लोदना क्षेत्रीय कार्यालय गेट को घंटों जाम कर आंदोलन किया था। 14फरवरी को प्रबंधन और यूनियन नेताओं के बीच कई बार बैठक हुई लेकिन वार्ता विफल हो गई।

अंत में संयुक्त मोर्चा ने घोषणा कर दिया कि यदि बीसीसीएल प्रबंधन बात नहीं मानती है तो 15 फरवरी से लोदना क्षेत्र का डिस्पैच बंद कर दिया जाएगा, तब प्रबंधन की आंखें खुली और शाम पांच बजे मजदूर संगठनों और बीसीसीएल प्रबंधन के बीच सहमति बनी कि कंपनी के नियमानुसार फैटल एक्सीडेंट का मुआवजा स्वः साव के आश्रितों को मुहैया किया जाएगा और उनके बड़े पुत्र को औपबंधिक नियोजन दिया जाएगा।

प्रबंधन की ओर से एपीएम डीके सिंह, एजीएम परवेज आलम, तारकेश्वर रजक तथा यूनियन के नेताओं में मौके पर जनता मजदूर संघ के संजीत कुमार सिंह, अनिल सिंह, रायबाबू सिंह, गोपाल सिंह, रितेश मिश्रा, जनता मजदूर संघ बच्चा गुट के उमाशंकर शाही, मृणाल कान्त सिंह, राम बाबू सिंह, धन्नजय सिंह, धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ के रामनाथ गोप, बिहार कोलियरी कामगार यूनियन के शिवकुमार सिंह, धर्मेन्द्र राय, के एमपी के बिहारी लाल चौहान, मुन्नीलाल राम राकोम संघ से धर्मेंद्र सिंह आदि उपस्थित थे।

टाटा स्टील फाउंडेशन ने निःशुल्क मोतियाबिंद शिविर लगाया

प्रातः नागपुरी प्रतिनिधि

धनबाद। टाटा स्टील फाउंडेशन ने शंकर नेत्रालय के सहयोग से मालकेरा कम्युनिटी सेंटर में निःशुल्क मोतियाबिंद शिविर आयोजित किया। वित्तीय वर्ष 2025 का यह पहला शिविर दो चरणों में आयोजित किया गया है। पहला चरण (स्क्रीनिंग) 10 से 13 फरवरी तक आयोजित हुआ। दूसरा चरण (शल्य चिकित्सा) 14 से 18 फरवरी 2025 के बीच आयोजित किया जाएगा।

मालकेरा कम्युनिटी सेंटर में निःशुल्क मोतियाबिंद शिविर का उद्घाटन किया गया। बाघमारा विधायक शत्रुघन महतो इस अवसर के मुख्य अतिथि थे। शिविर के स्क्रीनिंग चरण में 770 लोगों की जांच की गई,

जिनमें से 250 मरीजों में शल्य चिकित्सा की आवश्यकता पाई गई। इन सर्जरी का संचालन डॉ. सुजॉय सरकार और डॉ. आहाना सेन (शंकर नेत्रालय) द्वारा 14 से 18 फरवरी के बीच किया जाएगा।

इस अवसर पर विधायक शत्रुघन महतो, जनरल मैनेजर संजय राजोरिया, चीफ (जामाडोबा ग्रुप) नरेंद्र कुमार गुप्ता, चीफ (सिजुआ ग्रुप) विकाश कुमार, चीफ (मेडिकल ऑफिसर, टाटा मेन हॉस्पिटल जामाडोबा) डॉ आलोक कुमार, सीनियर एरिया (मैनेजर, सिक्योरिटी) सुजीत कुमार झा, मैनेजर (सिक्योरिटी, झरिया डिवीजन, टाटा स्टील) विकाश कटारिया, यूनिट लीड (टाटा स्टील फाउंडेशन) राजेश कुमार, मैनेजर (टाटा स्टील फाउंडेशन) सागरिका गुप्ता और मुखिया (मलकेरा) बिनोद रजक सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

टाटा स्टील फाउंडेशन अपने पब्लिक हेल्थ प्रोग्राम के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा पहल के रूप में हर साल शंकर नेत्रालय के सहयोग से निःशुल्क मोतियाबिंद शिविरों का आयोजन करता है। पिछले सात वर्षों में, इस पहल के तहत 10,379 से अधिक मरीजों की जांच की गई, जिनमें से 3,353 व्यक्तियों का सफलतापूर्वक इलाज किया गया है।

इस शिविर का मुख्य उद्देश्य दूरदराज के गांवों में रहने वाले बुजुर्गों को मोतियाबिंद जैसी समस्याओं से राहत दिलाना है। सभी जांच और सर्जरी की सेवाएं पूरी तरह निःशुल्क हैं, जो मोबाइल आई सर्जिकल यूनिट के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह अत्याधुनिक इकाई शंकर नेत्रालय, चेन्नई और आईआईटी, मद्रास के संयुक्त प्रयास से विकसित की गई है।

संक्षिप्त

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कांड्रा। सरायकेला जिले के राजनगर थाना क्षेत्र के तुमूंग पंचायत अंतर्गत बेलडीह गांव में 18 वर्षीय युवक पलटन हेंब्रम ने अपने घर के बाहर जामुन के पेड़ से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना बीती रात की है, लेकिन जब सुबह ग्रामीणों ने युवक का शव लटका देखा, तो पूरे गांव में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। ग्रामीणों के अनुसार, पलटन हेंब्रम हमेशा अपने गले में गमछा लपेटे रहता था। घटना के दौरान उसने इसी गमछे और अपने कपड़े के बेल्ट को जोड़कर फंदा बनाया और जामुन के पेड़ से लटक गया। मृतक के मामा संजय हांसदा के अनुसार, पलटन हेंब्रम मिलनसार और सहयोगी स्वभाव का था. वह हर कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेता था, लेकिन आत्महत्या की वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सरायकेला सदर अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

फाल्गुन महोत्सव का हुआ आगाज

चांडिल। श्री श्याम कला भवन चांडिल के तत्वावधान में फाल्गुन महोत्सव का भव्य आगाज हुआ। श्री श्याम मंदिर में गुरुवार को बाबा श्याम का दिव्य श्रृंगार किया गया, जिसके बाद संकीर्तन का आयोजन हुआ। फाल्गुन माह के पहले दिन भक्तों ने श्रद्धा और उल्लास के साथ श्याम संकीर्तन किया। चढ़वा दे बाबा श्याम, निशान मेरा चढ़वा दे जैसे भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे और जयकारों से माहौल भक्तिमय हो गया। श्री श्याम कला भवन के अध्यक्ष संजय चौधरी ने बताया कि पूरा फाल्गुन माह यह महोत्सव मनाया जाएगा। प्रतिदिन बाबा श्याम का भव्य फूलों से श्रृंगार होगा और रात 8:30 बजे से मंदिर में संकीर्तन होगा। उन्होंने सभी भक्तों से भजनोत्सव में शामिल होने की अपील की। इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्याम भक्तों ने भाग लिया।

प्रशिक्षणार्थियों ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

जमशेदपुर। आदित्यपुर स्थित श्रीनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन के प्रशिक्षणार्थियों ने आज पुलवामा में हुए आतंकी हमले में शहीद हुए वीर जवानों की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। गोलमुरी स्थित शहीद स्मारक पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में कॉलेज प्रबंधन की सदस्य मौमिता महतो, प्रशिक्षु और सहायक प्राध्यापक उपस्थित हुए. सभा में सभी ने देश के अमर शहीदों और उनकी शहादत को नमन किया। इस मौके पर उपस्थित लोगों ने शहीदों के सम्मान में मोमबत्तियां जलाकर और दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर जमशेदपुर के सार्जेंट मेजर रानधो देवगम ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा, हम सभी देशवासी अपने इन अमर शहीदों के बलिदान को कभी नहीं भूल सकते। हमारा देश सदैव ऐसे बलिदानियों का ऋणी रहेगा। महाविद्यालय की प्राचार्या रचना रश्मि ने अपने वक्तव्य में कहा, यह श्रद्धांजलि सभा उन वीर सपूतों के प्रति सम्मान और आभार प्रकट करने का अवसर है।

अंतरप्रांतीय लुटेरा गिरोह का पुलिस ने किया खुलासा

किराए के मकान में रहकर लूटकांडों को देते थे अंजाम

- फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी लगातार जारी

बंगाल, ओडिशा और बिहार पुलिस को भी थी तलाश

एसडीपीओ ने बताया कि उक्त लुटेरा गिरोह के पकड़े गए आरोपियों की तलाश बोकारो के बालीडीह, चंद्रपुरा व चीरा चास पुलिस को तो थी ही, इसके अलावा बिहार, ओडिशा व पश्चिम बंगाल पुलिस भी कर रही थी। बोकारो के पिंड्राजोरा कुरमा निवासी जगदीश मांझी बीते 26 नवंबर 2024 को धनबाद के बाघमारा स्थित बैंक इंडिया शाखा से 28000 रुपए निकासी कर अपने एक रिश्तेदार के साथ घर जा रहे थे। अपराधियों ने उनका बाघमारा से ही पीछा किया और तालगड़िया मोड़ के पास चाय पीने के लिए रुके तो मौका पाकर रुपए से भरा झोला झपटकर भाग गए। इस संबंध में चीराचास थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। थाना प्रभारी चंदन दुबे के नेतृत्व में एक टीम गठित कर इनकी तलाश शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस को सीसीटीवी फुटेज मिला, जिसमें अपराधी दिखे। तलाश की गई, तो इनके चास के सुल्तान नगर में रहने की सूचना मिली। पुलिस ने छापेमारी कर चारों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही 4000 रुपए, तीन मोबाइल व तीन बाइक बरामद किया गया।

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। बोकारो की पुलिस ने अंतरप्रांतीय लुटेरा गिरोह का खुलासा करते हुए इसके चार सदस्यों को दबोचने में कामयाबी पाई है। चारों बदमाश पश्चिम बंगाल के रहनेवाले बताए जा रहे हैं, जो पिछले तीन महीने से चास के सुल्तान नगर में मो. यासीन नामक एक शख्स के घर रहकर लूटकांडों को अंजाम दिया करते थे।

गिरफ्तार अपराधियों में पश्चिम बंगाल के पुरुषोत्तमपुर स्थित मुसखटाल मद्रासी पाड़ा निवासी प्रकाश दास, हुगली जिला के पांडुवा क्षेत्र स्थित शेखपुरा निवासी दीपक राव व विक्रम राव तथा ओडिशा के कोराई थाना क्षेत्र स्थित पूवोकौट निवासी अर्जुन राव शामिल हैं। शुक्रवार को एक प्रेसवार्ता के दौरान इस संबंध में जानकारी देते हुए चास के एसडीपीओ प्रवीण कुमार ने बताया कि सभी अपराधी हुगली के पांडुवा में एक-दूसरे से मिले थे और गैंग बनाकर बैंकों की निगरानी करते थे। बैंक से रुपए निकासी कर निकलने वाले लोगों का पीछा कर उनसे छिनतई करते या डिक्की तोड़कर रुपए निकालकर भाग जाते थे। उनके पास से डिक्की तोड़ने के लिए लोहे का टी आकार का चाभीनुमा औजार व एक विशेष प्रकार की हथौड़ी बरामद की गई है। एसडीपीओ ने बताया कि उनके गिरोह में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम लगातार छापेमारी कर रही है। उक्त आरोपियों की संलिप्तता 4 दिसंबर को बालीडीह व 19 दिसंबर को चंद्रपुरा में हुए झपटमारी कांड में भी थी। उनके पास से बरामद तीनों बाइक चोरी की है। एसडीपीओ ने बताया कि अपराधी बिहार के पटना में बाइक चोरी कर लाए थे और नंबर प्लेट बदलकर चला रहे थे। उन्हीं बाइक से झपटमारी घटना को अंजाम देते थे। इनके खिलाफ बिहार के लखीसराय, बड़हिया, बंगाल के पंडुवा, पुरुलिया, रघुनाथपुर, ओडिशा के मोबरा, शांतिपुर, भदेश्वर थाना में मामला दर्ज है। अपराधी दीपक राय पर 10, प्रकाश दास पर 9, अर्जुन राव व विक्रम राव के खिलाफ 6-6 प्राथमिकी विभिन्न थानों में दर्ज है। छापेमारी में चीराचास थाना प्रभारी के अलावा एसआई राजकपूर सेठ, बालीडीह थाना के एसआई संदीप कुमार, चास मु. थाना के एसआई नीतीश कुमार, एएसआई धीरेन कुमार आदि जवान शामिल थे।

बोकारो में हिन्द मजदूर सभा का महासम्मेलन कल, तैयारी पूरी

- ऐतिहासिक होगा जुटान, श्रमिकहित में बनेगी रणनीति : राजेन्द्र

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। क्रान्तिकारी इस्पात मजदूर संघ से संबद्ध हिन्द मजदूर सभा का 13वां एकदिवसीय द्विवार्षिक महासम्मेलन 16 फरवरी को नगर के सेक्टर-2 स्थित कला केंद्र में होगा।

महासम्मेलन को लेकर मजदूरों में उत्साह है। शुक्रवार को यूनियन के प्रधान कार्यालय सेक्टर-9 में आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान जानकारी देते हुए संघ के महामंत्री सह एनजेसीएस सदस्य राजेंद्र सिंह ने कहा कि हर दो साल में यूनियन का महासम्मेलन होता है। मजदूरों का यह समागम ऐतिहासिक होगा। महासम्मेलन में बतौर यूनियन अध्यक्ष सह पूर्व विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह व बतौर मुख्य अतिथि स्टील, मेटल एंड इंजीनियरिंग वर्कर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय महामंत्री सह एनजेसीएस सदस्य संजय बढ़ावकर शामिल होंगे। सम्मेलन में यूनियन की गतिविधियों व कार्यों की समीक्षा कर चर्चा की जाएगी तथा आगे मजदूरहित में आवश्यक रणनीति तय की जाएगी।

संवाददाता सम्मेलन में आरके सिंह, रमेश राय, शशि भूषण, एससी कुम्भकार, विपिन सिंह, शंभु प्रसाद, दुर्गेश कुमार, विनोद साव, मनोज ठाकुर, राजेश महतो, अंबेडकर, प्रदीप महतो, विजय, सुमन पासवान, मनोज सिंह, संतोष गुप्ता, रविंद्र नाथ दुबे, फुलेश्वर मांझी, लीलू सोरेन, सत्येन्द्र महतो, अमरजीत कुमार, सुबोध मंडल, औरंगजेब, हरिनारायण सिंह, चंद्रप्रकाश आदि मौजूद रहे।

ऑपरेशन के बाद मरीजों को भेजा गया घर

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो थर्मल। डीवीसी कोनार डैम सीएसआर द्वारा नेत्र जांच शिविर के बाद मोतियाबिंद ऑपरेशन के सभी 48 मरीजों में से 38 मरीजों का ऑपरेशन बुधवार को सफलतापूर्वक जय प्रकाश नारायण आई हॉस्पिटल, चौपारण में सम्पन्न किया गया। शुक्रवार को सभी मरीजों को अस्पताल के बस से कोनार डैम लाया गया। कोनार डैम स्थित सामुदायिक भवन से सभी मरीजों को उनके घरों परिजनों के साथ भेजा गया। ऑपरेशन के बाद सभी मरीजों को पुनः जांच के लिए 19 फरवरी को कोनार स्थित डीवीसी हॉस्पिटल बुलाया गया है। जांच के बाद आवश्यक दवाइयां दी जाएंगी। मरीजों और ग्रामीणों ने डीवीसी प्रबंधन और सीएसआर को इस कार्य के लिए आभार व्यक्त किया है। यह जानकारी सीएसआर प्रभारी सुनील कुमार ने दी।

छात्रों और अभिभावकों के लिए इंटरैक्टिव सेशन आयोजित

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

गोमिया (बोकारो)। पिट्स मॉडर्न स्कूल गोमिया में दसवीं कक्षा के छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए एक इंटरएक्टिव सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में अनएकेडमी के पूर्व उपाध्यक्ष और इनोवर्टन के संस्थापक प्रशांत शर्मा ने भाग लिया, जिन्होंने शिक्षण रणनीतियों और छात्र-केंद्रित शिक्षण दृष्टिकोणों पर अमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की।

कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के प्राचार्य बृजमोहन लाल दास ने स्वागत भाषण से किया, जिन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और छात्रों को आईआईटी-जेईई और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के लिए स्कूल की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। अभिभावकों और छात्रों को यह जानकारी दी गई कि विद्यालय अब परीक्षा की तैयारी को सुव्यवस्थित करने के लिए नई शिक्षण पद्धतियां अपना रहा है, ताकि छात्र स्कूल के वातावरण में ही प्रभावी ढंग से तैयारी कर सकें। इसके अलावा, शिक्षकों को इन उन्नत शैक्षणिक तकनीकों के माध्यम से विशेष प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

श्री शर्मा ने विद्यालय के भविष्य के लिए तैयार दृष्टिकोण पर विस्तार से चर्चा की और तनावमुक्त शिक्षण वातावरण स्थापित करने के लिए माता-पिता, शिक्षकों और छात्रों के बीच सामंजस्यपूर्ण संबंधों की आवश्यकता पर बल दिया। दूसरे खंड में उन्होंने विद्यालय के प्राचार्य और संकाय सदस्यों के साथ मिलकर पाठ्यक्रम कवरेज, समय प्रबंधन, परीक्षा रणनीतियाँ और माता-पिता की भूमिका पर सवालों के उत्तर दिए। मौके पर अभिषेक विश्वास, महाप्रबंधक, आई ई पी एल ओरिका, गोमिया और विद्यालय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष अरिंदम दासगुप्ता ने स्कूल-अभिभावक-छात्र संबंध को मजबूत करने और छात्रों को समग्र शिक्षा प्राप्त करने में ऐसे इंटरएक्टिव सत्र के महत्व पर प्रकाश डाला।

पुलवामा के शहीदों को कैंडल जलाकर दी गई श्रद्धांजलि

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो थर्मल। बोकारो थर्मल स्थित झारखंड चौक में शुक्रवार की शाम को करमजीत सिंह बक्सी और पुलवामा अटैक में शहीद हुए जवानों को कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि दी गई।

इसके पूर्व सभी शहीदों के सम्मान में उपस्थित लोगों ने पुलवामा के शहीद अमर रहें, भारत माता की जयश्र और भगत सिंह अमर रहें जैसे गगनभेदी नारे लगाए। इस अवसर पर दो मिनट का मौन भी रखा गया। मौके पर भागीरथ शर्मा, सुषमा कुमारी, सरजू रजक, मो. वाजिद, विजय पटेल, गोविंद, हकीम, सुनील सिंह, दीपमाला कुजूर, गीता देवी, ज्योति देवी, अनिल पासवान, निधि देवी, दुलेश्वर प्रजापति सहित भाटिया एथलेटिक्स अकादमी के एथलीटों और अन्य लोग उपस्थित थे।

कांड्रा लाहकोठी में मना मातृ-पितृ पूजन दिवस

- चंदन-तिलक लगाकर बच्चों ने लिया आशीर्वाद

संस्कृति और परंपरा से जुड़ने की पहल

कांड्रा स्टेशन मास्टर एन.के. पांडेय और स्टेशन प्रबंधक सुकेश कुमार ने कहा कि आधुनिक भौतिकवादी युग में हम अपनी सनातन संस्कृति और मूल्यों से दूर होते जा रहे हैं। ऐसे आयोजनों का उद्देश्य बच्चों के मन में अपने माता-पिता और बड़ों के प्रति सम्मान और श्रद्धा की भावना विकसित करना है।

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

कांड्रा। कांड्रा पंचायत के लाहकोठी बजरंगबली मंदिर के समीप समाजसेवी डॉक्टर जोगेंद्र प्रसाद महतो के नेतृत्व में मातृ-पितृ पूजन दिवस हर्षोल्लास और भक्तिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

समारोह की शुरूआत माता-पिता के स्वागत से हुई, जिसके बाद दीप प्रज्ज्वलित कर विद्यार्थियों ने मधुर स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में बच्चों ने चंदन-तिलक लगाकर और पुष्पमाला अर्पित कर अपने माता-पिता का अभिवादन किया। इस भावुक क्षण को देखकर कई अभिभावकों की आंखें नम हो गईं। बच्चों और अभिभावकों ने मिलकर गीत-संगीत और नृत्य की शानदार प्रस्तुतियां दीं, जिससे माहौल और भी उत्साहपूर्ण हो गया। समाजसेवी डॉक्टर जोगेंद्र प्रसाद महतो ने कहा कि शिक्षा का असली उद्देश्य केवल विद्या प्राप्त करना नहीं, बल्कि संस्कारों को आत्मसात करना भी है। उन्होंने बच्चों को अपने माता-पिता के प्रति सम्मान और कर्तव्य निभाने का संकल्प दिलाया। इस आयोजन को लेकर बच्चे और अभिभावक बेहद उत्साहित नजर आए. पूरे कार्यक्रम की लोगों ने खूब सराहना की और इसे एक महत्वपूर्ण सामाजिक पहल बताया। इस अवसर पर समाजसेवी डॉक्टर जोगेंद्र प्रसाद महतो, कांड्रा स्टेशन मास्टर एन.के. पांडेय, स्टेशन प्रबंधक सुकेश कुमार, गौरी प्रसाद, शिक्षक कालीचरण महतो, हरीश चंद्र विद्या मंदिर के प्रधानाध्यापक जगदुर्लभ महतो, शिक्षक रंजीत श्रीवास्तव, अर्जुन सिंह, बंगाली गिरी, सनिशा कुमारी गुप्ता, क्रांति देवी, नीला मिश्रा और कांड्रा पंचायत के पूर्व उपमुखिया सुबोध सिंह समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

पुलवामा हमले में शहीद हुए अमर जवानों को दी गई श्रद्धांजलि

चांडिल। पुलवामा हमले में शहीद हुए देश के वीर जवानों को श्रद्धांजलि देने के लिए चिलगु स्थित बाबा तिलका मांझी मोड़ पर एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। वर्ष 2019 में 14 फरवरी को हुए आतंकी हमले में शहीद हुए 44 जवानों की छठी बरसी पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका आयोजन चिलगु के समाजसेवी व विवेक ट्रेडर्स के संचालक विवेकानंद गोप ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर किया। इस श्रद्धांजलि सभा में चांडिल क्षेत्र के नेता, समाजसेवी, शिक्षक, डॉक्टर और बुद्धिजीवी बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत बाबा तिलका मांझी की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। इसके बाद वीर सपूतों को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए सभी ने एक मिनट का मौन रखा। इस अवसर पर पुलवामा हमले के शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर सभी ने उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में सैनिकों, पूर्व सैनिकों और समाज सेवा में समर्पित युवाओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। साथ ही, शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों और ईमानदारी से समाज के लिए कार्य कर रहे बच्चों को शॉल और स्मृति चिह्न देकर प्रोत्साहित किया गया। श्रद्धांजलि सभा में पूर्व विधायक प्रत्याशी एवं समाजसेवी खगेन महतो, दयाल चंद्र महतो, संजय चौधरी, देव गोराई, बाबूराम सोरेन, आकाश महतो, आकाश दास, गौरांग दत्ता, मंटू प्रमाणिक, प्रकाश प्रामाणिक, गोपेश महतो, शिवचरण रजवाड़ और गोविंद धीबर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जमशेदपुर में टेक्नो-मैनेजमेंट उत्सव ओजस में टेक्नोलॉजी का प्रदर्शन

जमशेदपुर। एनआईटी जमशेदपुर में वार्षिक टेक्नो-मैनेजमेंट उत्सव, ओजस्स की औपचारिक शुरूआत शुक्रवार को की गई। 14 से 16 फरवरी तक चलने वाले इस महोत्सव में नवीनतम प्रौद्योगिकी, रणनीतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पहले दिन छात्रों ने ओजस में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। एनआईटी जमशेदपुर में आयोजित इस महोत्सव में रोबो वार्स, इलेक्ट्रोस्पेक्शन, हैक डी साइंस और कैनसिस में छात्रों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। इस बीच, उभरते हुए उद्यमी और वित्तीय रणनीतिकारों ने मॉक स्टॉक, क्रिप्टो क्लैश, बिजनेस सिम्युलेशन चैलेंज जैसी रोमांचक प्रबंधन-आधारित प्रतियोगिताओं में अपने कौशल का परीक्षण किया। तकनीकी क्षेत्र से परे ओजस में मनोरंजन कार्यक्रम भी हुए. मसलन बीजीएमआई गेमिंग शो, शतरंज टूनार्मेंट और वैक्स कॉम्ब चुनौती। इसमें भारी भीड़ उमड़ी। इस अवसर पर डॉ. योगेश एन ढोबले (सीएसआईआर में वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक) द्वारा एक प्रेरक व्याख्यान भी दिया गया। उन्होंने सस्टेनेबल इनोवेशन के माध्यम से मैटेरियल साइंस और इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी पर अपने दृष्टिकोण के साथ दर्शकों को मोहित किया, जिससे छात्रों को तकनीक की सीमाओं को एक बेहतर भविष्य के लिए बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। ओजस में शनिवार को राज विक्रमादित्य शामिल होंगे। राज स्ट्राइवर के नाम से जाने जाते है और वे एम यूट्यूबर, कोडिंग मेंटर और प्रतियोगी प्रोग्रामिंग गुरु है। ओजस में वे एक प्रेरक व्याख्यान देंगे। साथ ही आशीष सोलंकी स्टैंड-अप कॉमेडी से शनिवार की रात को छात्रों को गुदगुदायेंगे।

दो-दिवसीय हड़ताल को लेकर बैंककर्मियों ने किया रोषपूर्ण प्रदर्शन

अनावश्यक दखलंदाजी से बैंकों की ग्राहक सेवा में हो रही गिरावट : राघव

प्रातःनागपुरी प्रतिनिधि

बोकारो। आगामी 24-25 मार्च को घोषित दोदिवसीय बैंक हड़ताल की सफलता तथा अपनी मांगों के समर्थन में निर्धारित आंदोलनात्मक कार्यक्रमों के आलोक में शुक्रवार को यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के बैनर तले आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया गया। चास-बोकारो के सभी बैंक कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने सैकड़ों की संख्या में उपस्थित होकर स्थानीय भारतीय स्टेट बैंक सेक्टर 4 सिटी सेंटर के सामने विशाल प्रदर्शन किया।

यह प्रदर्शन मूलतः ग्राहक सेवा में सुधार हेतु सभी संवर्गों में समुचित बहाली, पांच दिवसीय बैंकिंग, इंडियन बैंक एसोसिएशन (सभी बैंकों की शीर्ष प्रबंधन की सम्मिलित आधिकारिक संस्था) के साथ लंबित मुद्दों का शीघ्र निपटारा, बैंक प्रबंधनों द्वारा लगातार द्विपक्षीय समझौता का उल्लंघन आदि मुख्य मांगे शामिल है को लेकर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यूएफबीयू के बोकारो जिला उप संयोजक राघव कुमार सिंह ने कहा इंडियन बैंक एसोसिएशन द्वारा यूएफबीयू के साथ हुई वाताओं में अनेक लंबित मुद्दों को सुलझाने की बात कही गई थी, जिसमें पांच दिवसीय बैंकिंग के साथ-साथ सभी संवर्गों में समुचित बहाली करने की बात की गई थी। मौखिक सहमति के बावजूद भी लंबित मुद्दे पर इंडियन बैंक एसोसिएशन द्वारा किसी प्रकार की सकारात्मक पहल अभी तक नहीं की गई है। साथ ही भारत सरकार अपने वित्तीय सेवा विभाग के माध्यम से अनावश्यक बैंकों में लगातार दखल दे रही है, जिससे जहां एक ओर ग्राहक सेवा में दिन प्रतिदिन ह्रास हो रहा है वहीं बैंक में कार्यरत कर्मचारियों एवं अधिकारियों को असहनीय कार्य बोझ एवं तनाव से ग्रसित होने के लिए विवश किया जा रहा है। यह बर्दाश्त से बाहर है अपने अस्तित्व एवं बैंक के बेहतरी के लिए अंतिम दम तक हम संघर्ष करेंगे। यदि सरकार एवं आईबीए हमारी उपरोक्त मांगों पर जल्द से जल्द सकारात्मक रूख नहीं अपनाती है तो हमें आंदोलन को और तीव्र करना होगा एवं 24 तथा 25 मार्च 2025 को आयोजित दो दिवसीय हड़ताल को पूर्ण सफल करना होगा। प्रदर्शन को राजेश कुमार ओझा, मिथिलेश कुमार, विभाष झा, राजेश श्रीवास्तव, प्रदीप झा, अवधेश प्रसाद, पी के श्रीवास्तव, राजकुमार प्रसाद, रतन राज मुर्मू, पंकज सिंह, दिलीप कुमार, विवेक ठाकुर, अरुण कुमार आदि ने भी संबोधित किया।

एआई क्रांति में अग्रणी बन दुनिया का नेतृत्व करे भारत

ललित गर्ग

भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होते हुए तकनीकी विकास की दृष्टि से भी सफलता के नये झंडे गाड रहा है। एआई को लेकर भारत की सोच सकारात्मक एवं विकासमूलक है इसीलिये प्रधानमंत्री मोदी ने यह सही कहा कि इस तकनीक में दुनिया को बदलने की ताकत है, लेकिन अमेरिका की कुछ बड़ी तकनीकी कंपनियों ने सूचना संसार में अपना एकाधिकार स्थापित कर लिया है।

पेरिस में हुए दो दिवसीय एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) एक्शन समिट ने जहां दुनिया के लिए आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के महत्व को उजागर किया, वहीं यह भी साफ कर दिया कि इस मामले में होड़ के बावजूद सभी देशों का आपसी तालमेल बनाए रखते हुए सावधानी से आगे बढ़ना जरूरी है। एआई से बदलती दुनिया के चमत्कार वरदान से कम नहीं है, लेकिन इससे जुड़ी चुनौतियां एवं खतरे इसे अभिशाप में भी बदल सकते हैं। बहुत आवश्यक है कि इसके उपयोग के संदर्भ में कोई वैश्विक ढांचा एवं नियंत्रण का केन्द्र एवं नीति बने। क्योंकि एआई के दुरुपयोग के खतरे किसी से छिपे नहीं। अभी एआई का उपयोग अपने प्रारंभिक चरण में ही है, लेकिन उससे पैदा होने वाली कई चुनौतियों एवं खतरों ने सिर उठा लिया है। लेकिन इस नई तकनीक से जीवनशैली, शिक्षा, चिकित्सा, युद्ध, सेना, शासन-प्रशासन, चुनाव, व्यापार, विचार आदि में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल रहे हैं। भारत एआई को लेकर बहुत उत्साहित है और दुनिया में एआई का सबसे बड़ा केन्द्र बनने को भी तैयार है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के साथ इस शिखर बैठक की सह-अध्यक्षता की बल्कि अगली शिखर बैठक की मेजबानी करने की पेशकश भी करते हुए बता दिया कि भारत इस पहल को कितनी गंभीरता से लेता है।

भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होते हुए तकनीकी विकास की दृष्टि से भी सफलता के नये झंडे गाड रहा है। एआई को लेकर भारत की सोच सकारात्मक एवं विकासमूलक है इसीलिये प्रधानमंत्री मोदी ने यह सही कहा कि इस तकनीक में दुनिया को बदलने की ताकत है, लेकिन अमेरिका की कुछ बड़ी तकनीकी कंपनियों ने सूचना संसार में अपना एकाधिकार स्थापित कर लिया है। उनके एकाधिकार और उनकी मनमानी से निपटना विश्व के तमाम देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। यदि इसी तरह का एकाधिकार एआई कंपनियों ने भी स्थापित कर लिया तो फिर समस्या गंभीर हो जाएगी। सबसे अधिक समस्या विकासशील और निर्धन देशों को होगी, जो पहले से ही चुनिंदा तकनीकी कंपनियों के वर्चस्व तले दबी हुई है। मोदी ने एआई तकनीक के संतुलित एवं विवेकसम्मत उपयोग एवं विकास की आवश्यकता को भी व्यक्त किया। क्योंकि यह उन्नत तकनीक बनाने वाली कुछ कंपनियां उसे अपने हिसाब से संचालित करती हुई भी दिख रही हैं। इस तकनीक का मनमाना इस्तेमाल न होने पाए, इसके लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को प्रभावी कदम उठाने होंगे। यह एआई एक्शन समिट ऐसे समय हो रही है, जब चीनी कंपनी डीपसीक दुनिया को एक जबर्दस्त झटका दे चुकी है।

भारत एआई की चुनौतियों एवं खतरों को लेकर सतर्क है। क्योंकि एआई द्वारा प्रस्तुत चुनौतियाँ बहुआयामी हैं और लगातार विकसित हो रही हैं। उदाहरण के लिए डीपफेक, जो डिजिटल मीडिया हैं-वीडियो, ऑडियो और चित्र-जिन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके संपादित और हेरफेर किया जाता है, हाइपर-रियलिस्टिक डिजिटल मिथ्याकरण को शामिल करते हैं। इसका संभावित रूप से प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने, सबूत गढ़ने और लोकतांत्रिक संस्थानों में विश्वास को कम करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। जबकि डीपफेक का इस्तेमाल चुनावों जैसे कुछ मामलों में किया गया है, उनका उपयोग विभिन्न अन्य क्षेत्रों में भी तेजी से देखा जा रहा है। डीपफेक के अलावा, एआई से जुड़े अन्य जोखिम भी हैं। इनमें गोपनीयता, पूर्वाग्रह, पारदर्शिता, जवाबदेही और दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए एआई के संभावित दुरुपयोग से संबंधित मुद्दे शामिल हैं। भारत सरकार इन मुद्दों को सलाह और विनियमों के माध्यम से नियोजित एवं नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है जो पारदर्शिता, सामग्री मॉडरेशन, सहमति तंत्र और डीपफेक पहचान पर जोर देते हैं ताकि जिम्मेदार एआई तैनाती सुनिश्चित हो और चुनावी अखंडता की रक्षा हो सके। यह एक सतत प्रयास है और जैसे-जैसे आगे बढ़ेंगे, इन चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक मजबूत तंत्र के विकास के साथ सक्षम होने की अपेक्षा रहेगी। एआई विकसित होता रहेगा, नये-नये करिश्माई एवं चमत्कारी आयाम उससे जुड़ते रहेंगे और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह ऐसे तरीके से हो जो सभी के लिए सुरक्षित, नैतिक और लाभकारी हो। आवश्यक बुनियादी ढांचे, हार्डवेयर और क्लाउड कंप्यूटिंग क्षमताओं के विकास में सहायता के लिए निवेश महत्वपूर्ण है। सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग से आवश्यक पूंजी जुटाई जा सकती है। यह संयुक्त प्रयास एआई नवाचार, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा दे सकेगा और जिससे भारत एआई क्रांति में अग्रणी बन दुनिया का नेतृत्व कर सकेगा।

इसी पहलू को रेखांकित करती है यह पेरिस की तीसरी एआई एक्शन समिट, जिसमें दुनिया भर के 90 देशों और तमाम बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस हमारे भविष्य का अनिवार्य हिस्सा है, लेकिन किसी भी वजह से इसकी ग्रोथ को बेकाबू होने दिया गया तो उसके परिणाम खतरनाक साबित हो सकते हैं। भारत की भूमिका को खास बनाता है इसका असाधारण टैलंट पूल, इसके वे इंजिनियर और वैज्ञानिक जो नाम मात्र की लागत पर बड़े-बड़े अंतरिक्ष अभियान को अंजाम देते रहे हैं। हालांकि अभी तक इस मामले में भारत की पहल बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती। बेहतर होगा कि केंद्र सरकार एक स्वतंत्र मंत्रालय बनाकर इस तकनीक को लेकर अपनी प्राथमिकता तय करे। इनोवेशन में भारत को हर जोखिम को उठाने के लिये स्वयं को सक्षम करना होगा। एआई का समुचित लाभ उठाने के लिए बहुत कुछ करने की जरूरत है। एआई के जरिये वे अनेक काम किए जा सकते हैं, जो अब तक मनुष्य करते रहे हैं, लेकिन यह ध्यान रहे कि उसमें मानवीय संवेदनाएं नहीं होतीं और वह उपलब्ध डाटा के आधार पर ही किसी नतीजे पर पहुंचती है। अब यदि डाटा ही सटीक न हो तो नतीजे भी नुकसान पैदा करने वाले हो सकते हैं। इस पर हैरानी नहीं कि अति उन्नत एआई को मानव सभ्यता के लिए संकट के रूप में भी देखा जा रहा है। इस आशंका को निर्मूल साबित करने वाले उपाय करना समय की मांग हैं और उन पर ज्यादा फोकस करना होगा।

इस तरह की तकनीक तभी लाभकारी सिद्ध होती है, जब उसका उपयोग समझदारी, नैतिकता एवं विवेकपूर्ण होता है। ज्यादा जरूरी है उसके दुरुपयोग की आशंकाओं पर प्रभावी ढंग से लगाम लगाने की स्थितियों एवं तंत्र को विकसित करने की। एआई के मामले में ऐसा इसलिए अनिवार्य रूप से करना होगा, क्योंकि यह मानव जीवन को कहीं गहराई से प्रभावित करने की क्षमता रखती है। एआई एक नई तकनीक है और बहुत से लोग उसके प्रयोग के तौर-तरीकों से अपरिचित हैं। इसीलिए यह आशंका उभरी है कि उसके कारण रोजगार का संकट पैदा हो सकता है। भारत में विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न नौकरियों पर एआई के प्रभाव को समझने के लिए एक व्यापक, डेटा-समर्थित अध्ययन आवश्यक है। आईएमएफ की एक रिपोर्ट ने अनुमान लगाया है कि एआई दुनिया भर में लगभग 40 प्रतिशत नौकरियों को प्रभावित करेगा, कुछ को प्रतिस्थापित करेगा और दूसरों को पूरक करेगा। यह भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एआई अपने उपयोग के विकास के साथ नए प्रकार की नौकरियां भी पैदा करेगा। एआई पहले से ही विनिर्माण से लेकर बैंकिंग, स्वास्थ्य सेवा, कृषि और शिक्षा तक सभी क्षेत्रों में बदलाव ला रहा है। उदाहरण के लिए, शिक्षा क्षेत्र में, एआई व्यक्तिगत पाठ्यक्रम, परीक्षण, सीखने के तरीके और वितरण को सक्षम करके भारत के सीखने के परिदृश्य को बदल रहा है। निःसंदेह यह नई तकनीक अवसर बन रही है, तकनीकी विकास का सूरज बनकर नयी समाज संरचना को बल दे रही है। यह संभावनाभरा है कि पेरिस शिखर सम्मेलन में एआई के क्षेत्र में भारत और प्रमुख देशों के बीच सामंजस्य बढ़ने के संकेत मिले, लेकिन बात तब बनेगी, जब यह मंच एआई के नियमन एवं नियोजित विकास के लिए सहमति कायम करने की बुनियाद बने। एआई की तीव्र प्रगति और व्यापक अनुप्रयोग को देखते हुए, भारत के लिए अपना स्वयं का एआई सुरक्षा संस्थान स्थापित करना अपेक्षित है। ऐसा संस्थान सुरक्षित और नैतिक एआई प्रथाओं को विकसित करने, अनुसंधान करने और एआई के उपयोग में सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर सकता है प्रेषकः

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

जटिल समस्या

शहरी क्षेत्रों में आश्रयविहीन लोगों के लिए आश्रय स्थल बनाए जाने को लेकर दाखिल की गई जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने याचिका से यह निहितार्थ निकलते हुए कहा कि मुफ्त की रेवड़ियों यानी बिजली, पानी, हवा अनाज और पैसा आदि बिना कोई श्रम किए दिए जाने से लोग परजीवी बना रहे हैं। अगर उन्हें बिना काम की यही सब कुछ मुफ्त मिल जाएगा तो वह काम क्यों करेंगे। इस पर प्रति टिप्पणी करते हुए याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि ऐसा नहीं है कि लोग काम नहीं करना चाहते, लेकिन उनके पास काम नहीं है। न्यायपीठ ने प्रशांत भूषण के इस कथन से सहमति व्यक्त नहीं की। इस पूरे प्रकरण में तीन बातें उभर कर आती हैं। गरीबों को बिना किसी श्रम के साथ धन और सुविधाएं उपलब्ध कराना उचित है या अनुचित। क्या इस तरह की योजनाओं से लोग परजीवी बना रहे हैं और सारे काम उपलब्ध होते हुए लोग काम से विमुख हो रहे हैं। और तीसरी बात यह कि क्या उन्हें सचमुच काम उपलब्ध है। जिस देश में विषम आर्थिक प्रगति हो तथा गरीबी और अमीरी की खाई निरंतर चौड़ी हो रही हो और जहां गरीबों के लिए रोजगार का सृजन न हो रहा हो वहां सरकारों के पास एकमात्र यही विकल्प बचता है कि लोग जीवन यापन कर सकें। इसके लिए उन्हें आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करानी चाहिए। नैतिक तौर पर यह गलत नहीं है, अब जहां तक परजीवी बनने का सवाल है यानी मुफ्त का खाने की आदत पड़ने का प्रश्न है तो यहां सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह जिन्हें भी यह सुविधा उपलब्ध करा रही है उनके लिए वह किसी ने किसी काम की शर्त रख सकती है। चाहे वह शर्त कितनी भी छोटी क्यों ना हो। लोगों का यह एहसास अवश्य होना चाहिए कि जो कुछ वह प्राप्त कर रहे हैं उसमें वह अपना योगदान भी कर रहे हैं। भले ही उनको दिया जाने वाला कार्य समाजसेवा जैसा ही क्यों ना हो। ऐसे कामों की सूची में सफाई से लेकर नगर व्यवहार तक को शामिल किया जा सकता है। जहां तक रोजगार उपलब्धता का सवाल है तो यह सर्वविदित तथ्य है कि देश में रोजगार बहुत बड़ी समस्या है जिसका कोई भी समाधान राज्य तंत्र नहीं निकाल पाया है। कुल मिलाकर, ये ऐसी ऐसी जटिल समस्याएं हैं जो बहुस्तरीय हैं और इनका समाधान भी बहुस्तरीय होना चाहिए। अन्यथा इसका हल निकलना संभव नहीं है।

सदन के सामने कतराते हमारे जनप्रतिनिधि

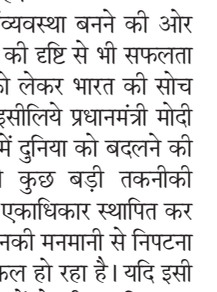

ओमप्रकाश मेहता

आजादी की हीरक जयंति के दौरान देश के इस मसले पर गंभीर चिंतन करना चाहिए कि क्या आजादी के लिए अपनी जान न्यौछावर करने वाले या जानलेवा संघर्ष करने वाले हमारे राष्ट्रभक्त पूर्वजों की मोहक कल्पनाओं पर हम खरे उतर रहे है? या उनके सपनों में रंग भरने का तनिक भी प्रयास कर रहे है? यह एक ऐसा मुद्दा है जो हमें निराश ही करने वाला है, क्योंकि देश व देशवासियों को उनकी पारिवारिक उलझनों में उलझा कर स्वार्थ सिद्ध करने वालों का आज बाहुल्य हो गया है, आज की राजनीति का जनसेवा से दूर का भी सम्बंध नहीं रहा। आज राजनीति ने एक व्यवसाय का रूप धारण कर लिया है, जो कम समय में अधिक लाभदायक सिद्ध हो रही है, इसीलिए आज राजनीति एक महत्वपूर्ण आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है, आज युवा वर्ग का रूझान इसी 'हींग लगे न फिटकरी, रंग चौखा होय' की ओर आधिक है। ....और राजनीति से लोकसेवा की भावना खत्म हो जाने से यह व्यवसाय सभ्य समाज में 'गाली' बनता जा रहा है। इधर उधर की जुगाड़ लगाकर साधारण सरकारी नौकरी पाने वाला एक युवक खून पसीना बहाने के बाद भी पूरे महीनें में इतना नहीं कमा पाता, जितना राजनीति में लिप्त एक युवा एक दिन में अपनी काली कमाई एकत्र कर लेता है।

....और यदि यही राजनीतिक युवा जोड़-तोड़ करके चुनाव जीत कर सांसद या विधायक बन जाता है तो फिर उसकी सात पीढ़ियों को किस भी प्रकार की कोई चिंता करने की जरूरत नहीं, क्योंकि फिर उसका बहुमूल्य समय संसद या विधानसभा के सदनों में कम बाहर की आर्थिक जोड़-तोड़ में ज्यादा खर्च होता है।

आज की यह भी एक महान समस्या सामने आ रही है, जिसके तहत हमारे प्रजातंत्र की संसदीय पद्धति बदनामी के शिखर को छूने की तैयारी कर रही है, आज हमारे जन प्रतिनिधि संसद या विधानसभाओं की सदस्यता या उसके माध्यम से जनसेवा के लिए ग्रहण नहीं करते, बल्कि सदन के बाहर की राजनीतिक 'दादागिरी' के लिए चुनते है, आज इसीलिए हमारी संसदीय प्रणाली अपने मूल उद्देश्यों को हासिल करने में अयोग्य साबित हो रही है, और इसी कारण आज हमारी संसद व विधानसभाओं की निर्धारित दिवसों की संख्या पूरी नही हो पाती, सत्र जितनी अवधि के लिए आहूत किए जाते है, उससे आधी अवधि तक भी चल नही पाते और लोक महत्व के विधेयकों या विषयों पर सदनों में चर्चा ही नहीं हो पाती और मतदाताओं की उम्मीदें अपेक्षाएं धवस्त हो जाती है।

आज की सबसे अहम् समस्या यही है, राज्यों व देश के बजट के आकार में बेतहाशा वृद्धि होती जा रही है और प्रजातंत्र के मंदिरों (संसद विधानसभा) में पूजा की अवधि लगाकर कम होती जा रही है, अर्थात् अब लोकतंत्र के मंदिर सिर्फ दिखावे के लिए ही रह गए है, इनमें विराजित 'देवता' के प्रति न कोई आस्था शेष रही और न ही विश्वास।

आज तो यह आम चलन ही हो गया है कि सत्र बुलाए जाते है लम्बी अवधि के लिए और फिर खत्म हो जाते है अल्पावधि में ही, न सत्र चलाने वालों की अब इनमें कोई दिलचस्पी बची है और न ही सत्र में शामिल होने वालों की।

यद्यपि आज इस महत्वपूर्ण मसले पर गंभीर चिंतन करने का वक्त प्रजातंत्र के किसी भी अंग के पास नही है, किंतु सबसे अहम् चिंताजनक सवाल यह है कि ऐसा कब तक चलेगा? और यदि यही चलता रहा तो हमारे प्रजातंत्र का भविष्य क्या होगा? आज हमारे भारतीयों के खून-पसीनें से कमाई और विभिन्न करों के रूप में सरकार द्वारा वसूली जा रही राशि राजनेताओं की रंग-रैलियों व फालतू कामों पर खर्च की जा रही है और इस पर निगरानी रखने वाला दर्शक दीर्घा में जाकर बैठ गया है, ऐसे में इस देश का क्या होगा? आज यही सबसे बड़ी चिंता का सवाल है, जिसका जवाब किसी के पास भी नही है, चिंतित है तो केवल चिंताग्रस्त परेशान नागरिकों या बुद्धिजीवी?

चिंतन-मनन

भक्तों की सहायता करते हैं ईश्वर

ईश्वर को हम भले ही न देख पाएं लेकिन ईश्वर हर क्षण हमें देख रहा होता है। उसकी दृष्टि हमेशा अपने भक्तों एवं सद्व्यक्तियों पर रहती है। अगर आप गौर करेंगे तो पाएंगे कि जीवन में कभी न कभी कठिन समय में ईश्वर स्वयं आकर आपकी सहायता कर चुके हैं। उस कठिन समय में आपके अंदर भक्ति की भावना उमड़ रही होगी और आप ईश्वर को याद कर रहे होंगे। शास्त्र कहता है कि ईश्वर के लिए संसार का हर जीव उसकी संतान के समान है। जो व्यक्ति उसके बनाये नियमों का पालन करते हुए जीवन यापन करता है ईश्वर उसकी सहायता अवश्य करते हैं। गजराज की कहानी आपने जरूर सुनी या पढ़ी होगी। नदी में गजराज को मगरमच्छ ने पकड़ लिया। इस कठिन समय में गजराज ने भगवान को पुकारा और भगवान विष्णु प्रकट हो गये। भगवान ने अपने चक्र से मगरमच्छ का सिर काट दिया और गजराज के प्राण की रक्षा की। सूरदास जी के जीवन की भी एक ऐसी ही कथा है। सूरदास जी देख नहीं सकते थे। एक बार गलती से एक गड्ढ़े में गिर गये। गड्ढ़े से निकलने का काफी प्रयास करने पर भी वह बाहर निकलने में असफल रहे। इस स्थिति में सूरदास जी ने गोपाल को पुकारा। भगवान श्री कृष्ण बालक रूप में पहुंच गये और सूरदास जी को गड्ढ़े से बाहर निकाला। मीरा के प्राण की रक्षा के लिए भगवान ने मीरा को मारने के लिए भेजे गये विष को प्रभावहीन कर दिया। बघेलखण्ड के बान्धवगढ़ में रहने वाले सेन नामक नाई की भी भगवान ने सहायता की और बघेलखंड का राजा सेन नाई का भक्त बन गया। यह घटना पांच छः सौ साल पुरानी है। सेन नाई राजा की सेवा करता था। इसका काम प्रतिदिन राजा की हजामत बनाना और तेल मालिश करके स्नान कराना था। एक दिन सेन नाई जब राजमहल की ओर चला तब रास्ते में संतों की टोली मिल गयी। नाई उन्हें लेकर घर आ गया और उनकी खूब सेवा की। संतों के साथ बैठकर संत्संग में भाग लिया। राजा के स्नान करने का समय बीता जा रहा था। नाई के नहीं आने से राजा क्रोधित हो रहे थे। इसी समय भगवान स्वयं सेन नाई का वेष धारणकर राजा की सेवा में पहुंच गये।

ई-कॉमर्स कंपनियों का नया खेल

रजनीश कपूर

आज के युग में हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जहां सुविधा ही मुख्य मंत्र है। जहां गति ही सर्वोच्च है। इस नये युग में 'क्विक कॉमर्स' या 'ई-कॉमर्स' की सफलता को इससे बेहतर नहीं समझा जा सकता। आज 'ई-कॉमर्स' ने हमारे खरीदारी करने के तरीके में क्रांति ला दी है। अब कुछ 'ई-कॉमर्स' वाली कंपनियां एक कदम आगे छलांग लगाने जा रहीं हैं जिससे कई मौजूदा और स्थापित उद्योगों को भारी चोट पहुंच सकती है। ग्राहकों को लुभाने की दृष्टि से कुछ 'ई-कॉमर्स' कंपनियां अनुचित व्यापार के तरीकों से मौजूदा उद्योगों के ग्राहकों को छीनने का प्रयास करने जा रही है। इस क्रम में फिलहाल कुछ खाना डिलीवर करने वाली 'ई-कॉमर्स' कंपनियों की सूची है जो अपने मौजूदा रेस्टोरेंट मालिकों के साथ सीधी टक्कर लेने को तैयार है।

कल्पना कीजिए कि आप अपना मनचाहा स्वादिष्ट भोजन खाना चाहते हैं। अभी तक आप मौजूदा डिलीवरी ऐप्स के जरिए अपने पसंदीदा रेस्टोरेंट से वह भोजन मांगा लेते हैं। रेस्टोरेंट की व्यस्तता, आपके घर से उसकी दूरी और आपके द्वारा मंगाए गए भोजन की मात्रा के अनुसार आपको वह भोजन 20-25 मिनट या उससे अधिक में, घर बैठे ही मिल जाता है। इस व्यवस्था में आपको और आपके पसंदीदा रेस्टोरेंट, दोनों को ही फायदा रहता है। आपको आपका मनपसंद भोजन घर बैठे ही मिल जाता है और आपके पसंदीदा रेस्टोरेंट को उसके जमे-जमाए ग्राहकों से धंधा मिल जाता है। इसके लिए यदि आपको और रेस्टोरेंट मलिक को डिलीवरी वाली 'ई-कॉमर्स' कंपनी कुछ कमीशन भी देना पड़े तो वह चुभता नहीं। जब यह व्यवस्था नई-नई शुरू हुई थी तो ग्राहकों, डिलीवरी करने वाले साथियों और रेस्टोरेंट मालिकों को लुभाने की दृष्टि से, ये कंपनियां काफी अच्छे ऑफर्स देते थे। देखते ही देखते इन सभी की संख्या लाखों करोड़ों में पहुंच गई। इसके साथ ही इन डिलीवरी वाली 'ई-कॉमर्स' कंपनियों की क्मिशन भी बढ़ी। सभी एक दूसरे के फायदे का जरिया भी बने। कोरोना काल में तो ये 'ई-कॉमर्स' कंपनियां काफी मददगार भी साबित हुई। परंतु अब कुछ ऐसा सुनने में आया है जिससे कि अधिकतर रेस्टोरेंट मलिक इन डिलीवरी 'ई-कॉमर्स' कंपनियों के खिलाफ अदालत का रु ख भी करने को मजबूर हो रहे हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ डिलीवरी 'ई-कॉमर्स' कंपनियों ने अपने ही ब्रांड के कुछ व्यंजनों को बाजार में उतारने की तैयारी कर ली है। इस नये प्रयोग के तहत जो भी मशहूर व स्वादिष्ट व्यंजन की मांग ग्राहकों से अधिक मिलती थी उन सबसे मिलते-जुलते व्यंजनों को ये कंपनियां अपने ही लेबल और ब्रांड का बता कर बाजार में उतारने जा रही है। ऐसे में अपने ब्रांड के व्यंजनों को ग्राहकों के बीच लोकप्रिय करने की दृष्टि से वह इन व्यंजनों को मात्र दस से पंद्रह मिनट में ही पहुंचाने का दावा करने जा रही है। ये सब व्यंजन 'रेडी-टू-ईट' की श्रेणी में पहले से ही इन कंपनियों के द्वारा इकट्ठा किए जाएंगे और जैसे ही किसी ग्राहक को इससे मिलते जुलते भोजन का ऑर्डर देना होगा तो ये कंपनियां ग्राहकों को मौजूदा रेस्टोरेंट से कम दाम और कम समय में डिलीवर करने की ऑफर देंगी। निश्चित रूप से ज्यादातर ग्राहक सस्ती और जल्दी के चक्कर में पड़ ही जाएंगे। सोचने वाली बात यह है कि यदि आप अपने मनपसंद पराठे खाना चाहें, लेकिन जितना समय आपको उसे बनाने में लगेगा उससे आधे समय में यदि गरमा-गरम पराठा आप तक पहुंच जाए तो आप अपनी जेब ढीली करने में देर नहीं लगाएंगे, परंतु जहां रेस्टोरेंट मलिक इन डिलीवरी 'ई-कॉमर्स' कंपनियों के मौजूदा व्यवस्था से खुश थे वहीं वे इन कंपनियों के नये अवतार में आने की खबर से काफी चिंतित हैं।

भारत की नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन (एनआरएआई) ने डिलीवरी ऐप्स की 'ई-कॉमर्स' कंपनियों के खिलाफ अदालत जाने की पूरी तैयारी कर ली है। वे इसे अनुचित व्यापार प्रथा मानते हैं। एनआरएआई के मुताबिक इन डिलीवरी ऐप्स की 'ई-कॉमर्स' कंपनियों के पास सभी ग्राहकों के विस्तृत जानकारी होती है। जैसे कि उनके नाम, पता, फोन नम्बर इत्यादि। इतना ही नहीं ग्राहकों द्वारा बारझबार या कबझकब कौन सा भोजन मंगाया जाता है इस सबकी भी जानकारी होती है जो वे रेस्टोरेंट से कभी साझा नहीं करते। एनआरएआई के मुताबिक चूंकि रेस्टोरेंट मालिकों के पास उसके डिलीवरी ऐप्स वाले ग्राहकों की सूची नहीं होती, इसलिए उनको यह नहीं पता चलता कि खाना किस ग्राहक ने मंगाया है। ऐसे में यदि ये डिलीवरी ऐप्स वाली 'ई-कॉमर्स' कंपनियां रेस्टोरेंट के ग्राहकों को तोड़ने का काम कर रही है तो यह अनुचित व्यापार प्रथा है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि जब इन डिलीवरी वाली 'ई-कॉमर्स' कंपनियों को किसी अदालत या अन्य कानूनी पटल द्वारा लताड़ा न गया हो, लेकिन इस ताजा मामले में क्या होता है यह तो आने वाला समय ही बताएगा। अलबत्ता, एक बात तो तय है कि व्यापार चाहे रेस्टोरेंट का हो या रोजमर्रा के सामान की खरीदारी का, सभी को एक समान अवसर ही मिलना चाहिए। छल और कपट से किया गया व्यापार ज्यादा दिन तक नहीं चलता।

कब है यशोदा जयंती? जानें शुभ मुहूर्त और महत्व

माान्यता है कि यशोदा जयंती के दिन श्री कृष्ण की मैय्या यशोदा की पूजा करने से न सिर्फ संतान की प्राप्ति होती है बल्कि श्री कृष्ण का आशीर्वाद आर उनका साथ भी व्यक्ति को मिल जाता है।

हिन्दू धर्म में कई ऐसे महत्वपूर्ण पर्व हैं जो संतान प्राप्ति या फिर संतान की उन्नति के लिए मनाये जाते हैं। इन्हीं में से एक है यशोदा जयंती। फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि के दिन यशोदा जयंती मनाई जाती है। मान्यता है कि इस दिन श्री कृष्ण की मैय्या यशोदा की पूजा करने से न सिर्फ संतान की प्राप्ति होती है बल्कि श्री कृष्ण का आशीर्वाद आर उनका साथ भी व्यक्ति को मिल जाता है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य से आइये जानते हैं कि आखिर इस साल कब पड़ रही है यशोदा जयंती, क्या है इस दी पूजा का शुभ मुहूर्त और महत्व।

यशोदा जयंती कब है?

फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि का आरंभ 18 फरवरी, दिन मंगलवार को सुबह 4 बजकर 53 मिनट पर आरंभ होगी। वहीं, इसका समापन 19 फरवरी, दिन बुधवार को सुबह 7 बजकर 32 मिनट पर होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, यशोदा जयंती 18 फरवरी को मनाई जाएगी।

यशोदा जयंती शुभ मुहूर्त

यशोदा जयंती यानी कि 18 फरवरी के दिन सूर्योदय सुबह 7 बजे होगा और सूर्यास्त शाम 6 बजकर 20 मिनट पर होगा। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 बजकर 24 मिनट से शुरू होगा और सुबह 6 बजकर 12 मिनट तक रहेगा। वहीं, इस दिन अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 18 मिनट से दोपहर 1 बजकर 3 मिनट तक रहेगा। इसके अलावा, अमृत काल दोपहर 1 बजकर 4 मिनट से शुरू होकर दोपहर 2 बजकर 52 मिनट तक रहने वाला है।

यशोदा जयंती महत्व

महिलाओं के लिए यशोदा जयंती का दिन और इसका व्रत बहुत ही खास होता है। यह व्रत मां के अपने संतान के प्रति असीम प्यार का प्रतीक माना जाता है। इस दिन महिलाएं अपनी संतान की लंबी उम्र और खुशहाल जीवन के लिए व्रत रखती हैं। साथ ही, इस दिन मां यशोदा के गोद में बैठे बाल रूप भगवान कृष्ण की पूजा भी की जाती है। मान्यता है कि इस पूजा से संतान प्राप्ति की इच्छा शीघ्र पूरी होती है और संतान का भाग्य उज्जवल बनता है। संतान की रक्षा स्वयं श्री कृष्ण करते हैं।

अगर आप भी देते हैं सूर्य को नियमित जल तो जरूर जानें सही नियम, धन लाभ के साथ मिल सकता है दोगुना फल

भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं में सूर्य को विशेष स्थान प्राप्त है। सूर्य को जल अर्पित करने की प्रथा न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, सफलता और समृद्धि लाने में भी सहायक मानी जाती है। प्राचीन ग्रंथों और ज्योतिष शास्त्र में सूर्य को अर्घ्य देने के लिए कुछ विशेष नियमों का उल्लेख किया गया है, जिनका पालन करने से पूजा का प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है।

सूर्य को निश्चित समय और सही तरीके से जल अर्पित करने से सदैव सूर्य देव की कृपा दृष्टि बनी रहती है। जल अर्पित करने से न केवल मानसिक शांति और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है, बल्कि यह स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति को भी बेहतर बनाता है। सुबह के समय सूर्य की किरणों का संपर्क शरीर के लिए अत्यंत लाभकारी होता है। यह परंपरा केवल धार्मिक कर्मकांड तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें एक आध्यात्मिक महत्व भी छिपा हुआ है। यदि आप भी रोजाना सूर्य को अर्घ्य देते हैं या इस पूजा को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहते हैं, तो इसके सही नियम और विधि को जानना आवश्यक है।

जब भी आप सूर्य को जल अर्पित करें, इस बात का ध्यान रखें कि आपका सिर झुका हुआ होना चाहिए और आप सीधे सूर्य की ओर न देखें। यह शास्त्रों में इसलिए कहा गया है क्योंकि सूर्य की सीधी किरणें आंखों पर बुरा प्रभाव डाल सकती हैं। जब आप सिर झुका कर सूर्य को जल चढ़ाते हैं, तो यह न केवल आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है, बल्कि यह आपके मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन को भी बनाए रखता है। इस प्रकार सूर्य को जल अर्पित करना सूर्य देव को सम्मान देने का एक तरीका माना जाता है।

दाहिने पैर की एड़ी को हवा में रखना है जरूरी

सूर्य को जल अर्पित करते समय दाहिने पैर की एड़ी को हवा में रखना बेहद महत्वपूर्ण है। शास्त्रों के अनुसार, ऐसा करने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है और यह आपके जीवन में खुशहाली लेकर आता है। यह नियम सूर्य पूजा को आध्यात्मिक दृष्टि से और भी प्रभावी बनाता है। जब भी सूर्य को जल अर्पित करें ध्यान में इस बात को रखें कि आपका दाहिना पैर जमीन को न छुएं।

सूर्य को जल देते समय तांबे के लोटे का करें इस्तेमाल

सूर्य को जल अर्पित करते समय तांबे के लोटे का उपयोग करना चाहिए। शास्त्रों में तांबे को पवित्र धातु माना गया है और इसका उपयोग पूजा के दौरान सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाने में मदद करता है। तांबे के लोटे से अर्पित किया गया जल न केवल पूजा को पूर्णता प्रदान करता है, बल्कि यह आपकी मनोकामनाओं की पूर्ति में भी सहायक होता है।

गायत्री मंत्र या ओम सूर्याय नमः मंत्र का जाप करें

जब आप सूर्य को जल अर्पित करते हैं, तो गायत्री मंत्र का जाप करना शुभ फल देता है। सूर्य को जल देते समय कम से कम 10 बार गायत्री मंत्र या ओम सूर्याय नमः मंत्र का उच्चारण जरूर करें। ऐसा करने से सूर्य देव की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं। यह मंत्र उच्चारण आपके मन को शांति और आत्मिक बल प्रदान करता है।

नियमित सूर्य को अर्घ्य देने के फायदे

सूर्य को जल अर्पित करना न केवल धार्मिक कर्म है, बल्कि यह कई स्वास्थ्य और मानसिक लाभ भी प्रदान करता है। सूर्य को जल चढ़ाने से व्यक्ति की आर्थिक स्थिति में सुधार होता है। यह नियम विशेष रूप से उन लोगों के लिए प्रभावी है जो अपने व्यवसाय में सफलता पाना चाहते हैं। यदि आपको नौकरी या व्यापार में किसी भी तरह का नुकसान हो रहा है तो सूर्य को जल अर्पित करते समय जल में एक चुटकी हल्दी मिलाएं। इस उपाय से आपको नौकरी-पेशे में लाभ होगा कर आपके ग्रहों की स्थिति भी बेहतर होगी।

सूर्य को जल चढ़ाने से मानसिक शांति मिलती है

यदि आप सूर्य की नियमित पूजा करते हैं और पूजा के दौरान सूर्य के मंत्रों का जाप करते हैं तो आपको मानसिक शांति और स्थिरता मिलती है। आपके लिए यह ध्यान और योग के समान लाभकारी माना जाता है। सूर्य को जल चढ़ाने से आत्मविश्वास और ऊर्जा में बढ़ोतरी होती है। यह व्यक्ति को जीवन की कठिनाइयों का सामना करने के लिए प्रेरित करता है।

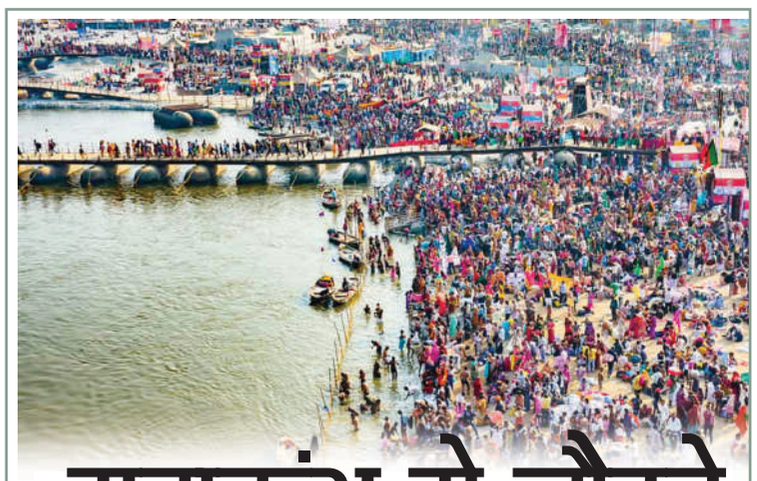

महाकुंभ से लौटते समय न जाएं इन जगहों पर, जानें कारण

महाकुंभ प्रयागराज का समापन बस नजदीक ही है। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के साथ महाकुंभ समाप्त हो जाएगा। जहां एक ओर महाकुंभ से अब धीरे-धीरे अखाड़ों एवं साधु-संतों का प्रस्थान होने लगा है वहीं, दूसरी ओर लोग लगातार महाकुंभ पहुंच रहे हैं ताकि संगम में स्नान कर पुण्य की प्राप्ति कर सकें। ऐसे में ज्योतिषाचार्य ने बताया कि महाकुंभ से लौटते समय कुछ स्थानों पर जाने से बचना चाहिए। आइये जानते हैं इस बारे में विस्तार से।

महाकुंभ में स्नान ध्यान करने के बाद यह कोशिश करें कि सीधा अपने घर ही जाएं। यानी कि अगर आप महाकुंभ में आये थे और आपने दर्शन कर लिए, स्नान कर लिया, साधु-संतों का आशीर्वाद ले लिया तो अब वहां से लौटते हुए सीधे अपने घर पहले पहुंचें फिर चाहे वो उसी शहर में हो या किसी अन्य शहर में। ऐसा इसलिए क्योंकि महाकुंभ से लौटते समय आपके भीतर वह ऊर्जा विद्यमान होगी जो आपको वहां से प्राप्त हुई होगी। अगर आप सीधे अपने घर जाते हैं तो वह ऊर्जा आपके घर में प्रवेश कर सकारात्मकता का संचार करेगी और नकारात्मक ऊर्जा दूर करेगी लेकिन जगह-जगह घूमने से दिव्य ऊर्जा समाप्त होगी।

महाकुंभ से लौटते समय भूल से भी किसी ऐसे स्थान पर न जहां गंदगी हो जैसे कि खाने-पीने की कोई जगह जहां स्वच्छता न हो या रहने का कोई स्थान जहां साफ़-सफाई न हो। ऐसा इसलिए क्योंकि गंदगी भरे स्थान पर नकारात्मकता ज्यादा प्रवाहित होती है और उसका प्रभाव भी देखने को मिलने लग जाता है। महाकुंभ से लौटते समय किसी अंधकार के स्थान पर भी न जाएं, ऐसा माना जाता है कि अंधकार का स्थान राहु का होता है और राहु के दुष्प्रभाव से कुंभ से अर्जित की हुई सकारात्मक ऊर्जा नष्ट हो जाती है। इसके अलावा, महाकुंभ से लौटते समय किसी मंदिर जाना अच्छा और बहुत शुभ माना जाता है।

संगम के लेटे हुए हनुमान मंदिर से घर क्यों लाते हैं तुलसी?

144 वर्षों पर लगने वाला महाकुंभ इस साल प्रयागराज में 13 जनवरी से लेकर 26 फरवरी तक आयोजित हो रहा है। इस आयोजन में देश-विदेश से आए करोड़ों लोगों का जमावड़ा देखने को मिल रहा है। महाकुंभ में स्नान करने के बाद संगम क्षेत्र में स्थित लेटे हुए हनुमान जी का दर्शन कर वहां का प्रसाद और तुलसी लेकर अपने घर जाते हैं। बता दें काशी का संकटमोचन मंदिर हो या प्रयाग का लेटे हुए हनुमान जी का मंदिर, हर स्थान पर बजरंगबली को तुलसी से तैयार माला और भोग लगाया जाता है। साथ ही विशेष अवसरों जैसे हनुमान जयंती और मंगलवार को तुलसी की माला चढ़ाई जाती है। अब ऐसे में क्या आपने सोचा है कि आखिर हनुमान जी को तुलसी की पत्ती क्यों चढ़ाई जाती है और इसे घर क्यों लाई जाती है।

तुलसी को क्यों लाते हैं घर?

हनुमान जयंती हो या फिर मंगलवार जैसे विशेष अवसर पर तुलसी की माला चढ़ाई जाती है। बता दें इसका कनेक्शन रामायण से है। इसको लेकर ऐसी मान्यता है कि हनुमान जी को तुलसी चढ़ाने से हर संकट से मुक्ति मिलती है। वहीं अगर आप तुलसी की पत्ती अपने घर लाती हैं, तो इससे घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। ऐसा कहा जाता है कि अगर आप मंगलवार को हनुमान जी को तुलसी की माला चढ़ाते हैं और वहां से तुलसी का पत्र लेकर आते हैं, तो ऐसा करने से धन लाभ के योग बनते हैं और मन से भय व चिंता समाप्त होते हैं।

हनुमान जी को क्यों चढ़ाई जाती है तुलसी?

जैसा कि हम सभी जानते है कि हनुमान जी भगवान राम के परम भक्त है और वह माता सीता को अपनी मां मानते थे। हनुमान जी को जब किसी प्रकार की चिंता या परेशानी होती थी, तो वह श्री राम और माता सीता से सभी समस्याओं को साझा करते थे। एक बार ऐसा हुआ कि माता सीता वाल्मीकि ऋषि के लिए अपने हाथों से भोजन बना रही थीं। उसी समय पवन पुत्र पहुंचे और बोले कि मां मुझे भूख लगी है। इस पर माता सीता ने उन्हें खाना परोसा। कुछ ही देर में हनुमान जी ने भोजन चट कर दिया। अपितु उनकी भूख नहीं मिटी। इसके बाद सीता माता ने रामजी के कहने पर उन्हें तुलसी पत्र दिया। इसे खाते ही हनुमान जी की भूख तुरंत शांत हो गई। तब से हनुमान जी को भोग में तुलसी भोग और माता स्वरूप चढ़ाने की परंपरा चली आ रही है।

फाल्गुन माह में कैसे करें तुलसी पूजा?

शास्त्रों में यह बताया गया है कि घर में तुलसी का पौधा रखना एवं रोजाना तुलसी की पूजा करना बहुत शुभ होता है। वहीं, ग्रंथों में इसका भी उल्लेख मिलता है कि तुलसी की पूजा हर माह में अलग-अलग प्रकार से की जाती है और उसका प्रभाव भी अलग ही दिखाई पड़ता है। किसी कड़ी में आज हम ज्योतिषाचार्य से यह जानेंगे कि फाल्गुन माह में कैसे करें तुलसी की पूजा और क्या हैं इससे मिलने वाले लाभ एवं नियम।

फाल्गुन माह में कैसे करें तुलसी पूजा?

फाल्गुन माह में महाशिवरात्रि एवं होली जैसे महा पर्व आते हैं। जहां एक ओर महाशिवरात्रि का नाता दूध से है तो वहीं, होली का नाता रंगों से है। दोनों ही पर्वों में भगवान को एक तरफ दूध चढ़ाया जाता है तो दूसरी तरफ गुलाल अर्पित किया जाता है। ऐसे में तुलसी पूजा के लिए भी फाल्गुन माह में दो ही सामग्री का इस्तेमाल किया जाता है, एक दूध और दूसरा गुलाल। फाल्गुन माह में पूजा के दौरान रोजाना तुलसी में दूध और गुलाल चढ़ाने का विधान है। इसके अलावा, अन्य कोई वस्तु उपयोग नहीं होती है। फाल्गुन माह के शुरू होने से लेकर उसके समापन तक रोजाना तुलसी के पौधे में सबसे पहले जल अर्पित करें और फिर उसके बाद एक कटोरी में दूध और एक कटोरी में गुलाल डालें। तुलसी माता को जल चढ़ाने के बाद उनके किसी भी एक मंत्र का जाप करें।

तुलसी माता के मंत्रों का जाप करते हुए उन्हें दूध और गुलाल अर्पित करें। इसके बाद, तुलसी चालीसा का पाठ करें या फिर तुलसी के समक्ष खड़े होकर विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ भी कर सकते हैं। माता तुलसी को मिष्ठान का थाली में भोग लगाएं। इसके बाद आखिर में तुलसी माता की आरती गाएं और भोग को प्रसाद के रूप में परिवार के लोगों के बीच बाटें। अगर आप नौकरी या अन्य किसी कारण से पूजा विधि को फॉलो नहीं कर सकते हैं तो तुलसी की माला से रोजाना जाप करें। तुलसी माला से किया गया जाप तुलसी पूजन के समान ही माना जाता है और इससे जीवन में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। घर में सकारात्मकता का संचार होता हिया उर नकारात्मक ऊर्जा का नाश होने लगता है।

संक्षिप्त खबरें

महाकुंभ जा रही कार डंफर से टकरायी, दो की मौत

कृष्णाब्रह्म (बक्सर)। कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र से दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आयी है। प्रयागराज स्नान करने जा रहे लोगों की कार की टक्कर एक खड़ी डंफर से हो गयी। जिसमें दो लोगों की मौत हो गयी। जबकि चार लोग घायल हो गये। सभी घायलों का इलाज सदर अस्पताल में कराया गया। यह घटना गुरुवार की मध्य रात्रि के बाद पटना बक्सर एनएच-922 कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के कठार खुर्द गांव के समीप की है। बताया जा रहा है कि किशनगंज से कार सवार लोग कुंभ स्थान करने जा रहे थे।

ट्रेन की चपेट में आने से मदरसे के मौलवी की मौत

बलुआ बाजार (सुपौल)। भीमपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत भीमपुर पंचायत के वार्ड नंबर 09 लालपुर नगर उप शाखा नहर स्थित रेलवे ट्रैक के खंभा नंबर 128 के समीप शुक्रवार की दोपहर मदरसा में पढ़ाने वाले एक मौलवी की ट्रेन हादसे मौत हो गयी। मृतक की पहचान छातापुर थाना क्षेत्र के रामपुर वार्ड नंबर 08 निवासी रफीक आलम के पुत्र मोहम्मद शाहिद के रूप में हुई है। घटना के बाद उक्त स्थल पर आसपास से लोगों की भीड़ जमा हो गयी। घटना के सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर जांच में जुट गयी। शव के शिनाख्त होने के बाद घटनास्थल पर मृतक के परिजन भी पहुंचे।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म में उम्रकैद की सजा

मधेपुरा। एडीजे-छह सह पॉक्सो के विशेष न्यायाधीश अभिषेक कुणाल की कोर्ट ने एक अभियुक्त को आजीवन कारावास सहित एक लाख रुपये का अर्थदंड लगाया। इस मामले में नाबालिग लड़की को जबरन भगा ले जाने व दुष्कर्म के एक मामले की अंतिम सुनवाई की। अभियुक्त रामकुमार गुप्ता को दोषी ठहराते आजीवन कारावास की सजा सुनायी है।

नेपाल का गांजा तस्कर फरार, चौकीदार सस्पेंड

घोड़ासहन (पूर्वी)। एसएसबी व स्थानीय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में सीमावर्ती झरौखर गांव से गुरुवार को 43 किलो गांजा व टाटा सफारी के साथ पकड़ा गया नेपाली तस्कर झरौखर पुलिस कस्टडी से फरार हो गया। घटना शुक्रवार की सुबह की है। वहां बिना हथकड़ी लगाये शौच करने के दौरान चौकीदार को चकमा देकर वह फरार हो गया। फरार तस्कर की पहचान नेपाल के रौतहट जिले के मौलापुर थाने के पीपरिया गांव निवासी लक्ष्मीनारायण साह के रूप में हुई है। घटना के बाद पुलिस फरार तस्कर की गिरफ्तारी के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में कई जगह छापेमारी की।

पुलिस गाड़ी से छलांग लगा शराब तस्कर भागा

अरेराज (पूर्वी)। थाना क्षेत्र के बहादुरपुर नहर के पास से गिरफ्तार शराब तस्कर सूरज कुमार पुलिस कस्टडी से फरार हो गया। वह कोटवा थाने के करिरया गांव का है। अरेराज पुलिस ने गुरुवार को सुबह उसे गिरफ्तार किया था। पुलिस सूरज को गिरफ्तार कर गाड़ी में बैठा थाना लेकर आ रही थी। इस दौरान जाम में पुलिस की गाड़ी फंस गयी। इसका फायदा उठा तस्कर ने हथकड़ी से कलाई सरका ली। उसके बाद पुलिस गाड़ी से छलांग लगा भाग निकला। कस्टडी से सूरज के भाग निकलने के बाद पुलिस के हाथ-पांव फूलने लगे। इलाके की नाकेबंदी कर पुलिस ने ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू की।

मुख्यमंत्री ने जहानाबाद को 241 करोड़ और अरवल को 111 करोड़ की दी सौगात

- मुख्यमंत्री ने जहानाबाद में 88 व अरवल में 144 योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के दौरान शुक्रवार को जहानाबाद जिले को 241 करोड़ और अरवल जिले को 111 करोड़ रुपये की सौगत दी। इस दौरान उन्होंने जहानाबाद में 88 और अरवल में 144 योजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। जहानाबाद जिले में काको प्रखंड के धरहरा ग्राम स्थित राजकीय अन्य पिछड़ा वर्ग आवासीय बालिका 10+2 उच्च विद्यालय परिसर से 241.20 करोड़ रुपये की कुल 88 विकासात्मक योजनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 154.72 करोड़ रुपये की 55 योजनाओं का उद्घाटन और 86.48 करोड़ रुपये की 33 योजनाओं का शिलान्यास शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने जहानाबाद में विभिन्न विकासात्मक योजनाओं का जायजा लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 46.35 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से राजकीय अन्य पिछड़ा वर्ग आवासीय बालिका 10+2 उच्च विद्यालय, धरहरा का शिलापट्ट अनावरण एवं फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री ने विद्यालय के प्रशासनिक एवं शैक्षणिक भवन के विभिन्न भागों का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने बिहार लघु उद्यमी योजना के तहत लाभांवित को 1 करोड़ 36 लाख रुपये का सांकेतिक चेक प्रदान किया।

मुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूह की जीविका दीदियों द्वारा जीविकोपार्जन के लिए की जा रही विभिन्न गतिविधियों एवं उत्पादों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने सतत् जीविकोपार्जन योजना के तहत 811 स्वयं सहायता समूह को 4 करोड़ रुपये का सांकेतिक चेक प्रदान किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने जीविका दीदियों के स्टॉल पर लगाए

गए विभिन्न उत्पादों को देखा और जीविका दीदियों से बातचीत की।

मुख्यमंत्री ने जहानाबाद शहर के राजा बाजार स्थित अंडर पास के करीब प्रस्तावित आरओबी का स्थल निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को एनएच-33 को एनएच-83 से जोड़ने वाले आरओबी के निर्माण कार्य के संबंध में जानकारी दी।

वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अरवल जिले को 110686.77 लाख रुपये की सौगात दी। उन्होंने कुल 144 विकासात्मक योजनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। प्रगति यात्रा के दौरान आज मुख्यमंत्री ने अरवल जिला के करपी प्रखंड स्थित ग्राम महावीरगंज में 380.37 लाख रुपये की लागत से स्लूईस गेट एवं पईन के जीर्णोद्धार कार्य का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री ने महावीरगंज स्लूईस गेट एवं पईन के जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां स्लूईस गेट और पईन के जीर्णोद्धार का कार्य काफी अच्छे ढंग से करा दिया गया है। इस काम के हो जाने से स्थानीय किसानों को पटवन में काफी सहूलियत मिलेगी तथा पैदावार भी बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री ने जल-जीवन-हरियाली योजना के अंतर्गत कराए गए बेलखारा आहर-पईन सिंचाई योजना के जीर्णोद्धार कार्य तथा छठ घाट का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि बेलखारा आहर-पईन की उड़ाही कराई गई है। इस आहर की लंबाई 1800 मीटर है, जिसकी सिंचाई क्षमता 300 हेक्टेयर है। बेलखारा आहर-पईन सिंचाई योजना से यहां के तीन गांव बेलखारा, राधे बिगहा और शेखपुरा के लोग लाभान्वित होंगे। निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां काफी सुंदर छठ घाट बन गया है, इससे छठ महापर्व के दौरान व्रतियों के साथ-साथ स्थानीय लोगों को भी काफी सुविधा होगी। आहर की उड़ाही हो जाने से स्थानीय किसान लाभान्वित होंगे।

एनएच-31 पर दो बाइकों की टक्कर में दो लोगों की मौत

कोढ़ा (कटिहार)। कोढ़ा थाना क्षेत्र के एनएच-31 फुलवरिया चौक के समीप शुक्रवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गयी। मृतकों की पहचान प्रधान मंडल (49) और राजेंद्र मंडल (48), घोघा थाना, जिला भागलपुर के रूप में पहचान हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेंद्र मंडल अपने पुत्र अखिलेश कुमार मंडल के जमानत की प्रक्रिया के लिए कटिहार कोर्ट जा रहे थे। उनके साथ कमलेश कुमार मंडल और अकलेश मंडल भी अलग-अलग बाइकों पर सवार थे। वे फुलवरिया चौक के पास पहुंचे थे कि एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। बाइक सवार दोनों सड़क से दूर गड्ढे में जाकर गिरे। हादसा इतना भयानक था कि प्रधान मंडल और राजेंद्र मंडल की मौके पर ही मौत गयी। सूचना मिलते ही कोढ़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए कटिहार सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटना करने वाले अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

पीएम की सभा में आयेंगे तीन लाख किसान

भागलपुर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह भूमि राजस्व मंत्री डॉ दिलीप जायसवाल ने कहा कि 24 फरवरी को भागलपुर के हवाई अड्डा में होने वाले पीएम नरेंद्र मोदी की किसान सभा अब तक की सभी सभाओं के रिकार्ड को तोड़ देगी। सभा में 13 जिलों से तीन लाख किसान पहुंचेंगे। इसके लिए पांच लाख आमंत्रण पत्र की छपाई हुई है। एनडीए कार्यकर्ता एक-एक किसानों के घर पहुंचकर आमंत्रण पत्र देंगे। यह काम आठ दिनों में पूरा किया जायेगा। शुक्रवार को टाउन हॉल में 11 जिलों के 937 भाजपा पदाधिकारियों की समीक्षा बैठक के बाद डॉ जायसवाल प्रेस को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि डेढ़ लाख आमंत्रण

पत्र भागलपुर व नवगछिया, 50 हजार, बांका व बचे आमंत्रण पत्र अन्य जिलों को बांटने के लिए दिया गया है। शनिवार से आमंत्रण पत्र बांटने का काम शुरू हो जायेगा। लालू प्रसाद के बयान पर कि बिहार में भाजपा को आने नहीं देंगे, इस पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अब वो जंगलराज का सपना छोड़ दें। इन सब मामले को छोड़ एनडीए काफी आगे निकल चुका है। वह बिहार का सपना देखना छोड़ दे क्योंकि दिल्ली से केजरीवाल जो झूठ के गुरु हैं उसे जनता ने चलता कर दिया, बिहार में उनके शिष्य तेजस्वी का क्या हाल होगा।

बेतिया से चार का अपहरण, प्राथमिकी दर्ज

बेतिया (पश्चिम चंपारण)। पुलिस जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से दो किशोरियों समेत चार महिलाओं के अपहरण कर लिये जाने की सूचना है। इनमें एक शादीशुदा महिला भी शामिल है। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के एक गांव से एक किशोरी का अपहरण कतिपय तत्वों ने कर लिया है। इस मामले में लड़की की मां ने मुफस्सिल थाने में अपने गांव की ही रहने वाले रवि कुमार (22) के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करायी है। थानाध्यक्ष अभिराम सिंह ने बताया कि लड़की की मां की शिकायत पर उसके गांव के रहने वाले रवि कुमार के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गयी है। अपहरण में प्रयुक्त बाइक का पता लगा लिया गया है। इस क्रम में एक वर्ष के बेटे व छह साल की बेटी को टीका लगवाने के लिए कालीबाग थाना के एक मोहल्ले से अपने घर से निकली महिला बच्चों समेत गायब हो गयी है। इस मामले में महिला के पति ने अज्ञात अपराधी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करायी है। कालीबाग थानाध्यक्ष विवेक कुमार बालेन्दू ने बताया कि महिला के पति ने एक मोबाइल नंबर के धारक पर संदेह व्यक्त किया है। प्राथमिकी में महिला के पति ने बताया है कि 30 जनवरी को सुबह 10 बजे उसकी पत्नी अपने बेटे व बेटी को लेकर घर से निकली। घर पर मौजूद भौजाई को बताया कि वह बच्चे को टीका दिलवाने जा रही है। वह वापस नहीं लौटी। उसका मोबाइल फोन भी स्वीच ऑफ बता रहा था। घर में रखे 35 हजार रुपये का आभूषण भी गायब है। इधर, योगापट्टी थाना क्षेत्र के एक गांव में अपनी सहेली के साथ शौच के लिए सरेह में गयी नाबालिग लड़की का अपहरण कर लिया गया है।

इस मामले में लड़की के पिता ने प्राथमिकी दर्ज करायी है। प्राथमिकी में लड़की के पिता ने बताया है कि उनकी बेटी अपनी सहेली के साथ शौच के लिए सरेह में गयी। वहां से उसकी दोस्त ने उसे किसी अज्ञात व्यक्ति के साथ भगा दिया। लड़की घर नहीं आयी तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। वे लोग लड़की के दोस्त के घर गए और जानकारी लेने का प्रयास किया तो लड़की के परिजनों ने उनके साथ गाली-गलौज की और धमकी दी। इधर जगदीशपुर थाना क्षेत्र के एक गांव से नाबालिग बच्ची का अपहरण कर लिया गया है।

पेज एक का शेष

सीबीएसई 10वीं-12वीं...

नियमों का पालनः छात्रों को एडमिट कार्ड पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ना और उनका पालन करना चाहिए। उन्हें सीबीएसई सर्कुलर में बताए गए गलत तरीकों से संबंधित बदले हुए नियमों को भी पढ़ लेना चाहिए।

सोशल मीडिया के लिए नियमः छात्रों को व्हाट्सएप, टेलीग्राम, यूट्यूब और एक्स जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर परीक्षाओं से संबंधित अफवाहें फैलाने या कोई भी सामग्री शेयर करने से बचना चाहिए।

झारखंड में फिर...

हालांकि दिन चढ़ने के साथ ही मौसम साफ हो जाएगा। दोपहर में धूप रहने की वजह से अन्य दिनों की तरह ही हल्की गर्मी का एहसास होगा। वैसे इन दिनों तापमान दिन में बढ़ा रहता है। लेकिन रात में तापमान दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक गिर जा रहा है। लेकिन शाम होते ही तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है।

रविवार से तापमान में बढ़ोतरी : मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि रविवार से तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी हो सकती है। 17 से 19 फरवरी तक आंशिक रूप से बादल छाये रहेंगे। 20 और 21 फरवरी को झारखंड के कुछ जिलों में बारिश भी हो सकती है। राज्य का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना जतायी गयी है। लगातार हो रहे बदलाव के कारण डॉक्टरों ने लोगों को सावधानी बरतने की अपील की है।

आतंकवाद के खिलाफ...

मामले में पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने कहा कि पाकिस्तान अपने बलिदानों को स्वीकार किए बिना इस तरह की टिप्पणियों को शामिल करने से हैरान है।

तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पित करने की मंजूरी : इससे पहले दिन में, भारत ने एक बड़ी कूटनीतिक जीत हासिल की, जब ट्रंप ने 26-11 के आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को न्याय का सामना करने के लिए प्रत्यर्पित करने पर सहमति व्यक्त की, जो भारत की लंबे समय से मांग रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से पीएम मोदी की मौजूदगी में इस निर्णय की घोषणा की थी। ट्रंप ने कहा, 'मेरे प्रशासन ने दुनिया के सबसे बुरे लोगों में से एक तहव्वुर राणा को भारत में न्याय का सामना करने के लिए प्रत्यर्पित करने को मंजूरी दे दी है।

पीएम मोदी ने ट्रंप को दिया धन्यवाद : पाकिस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक राणा को लॉस एंजिल्स में एक हिरासत केंद्र में रखा गया है। वहीं राणा के प्रत्यर्पण के लिए ट्रंप को धन्यवाद देते हुए, पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि सीमा पार आतंकवाद को खत्म करने के लिए एकजुट कार्रवाई आवश्यक है। दोनों नेताओं के संयुक्त बयान में अल-कायदा, इस्लामिक स्टेट, जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी समूहों को सबसे बड़ा खतरा बताया गया। बता दें कि, राष्ट्रपति ट्रंप ने पहले ही झटका देते हुए पाकिस्तान में परियोजनाओं के लिए 845 मिलियन अमेरिकी डॉलर की फंडिंग पहले ही निलंबित कर दी है।

स्वदेश लौटे..

वहीं दिल्ली में बीजेपी सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 19 या 20 फरवरी को होने की संभावना है और नयी सरकार अन्य चीजों के अलावा स्वच्छ पेयजल आपूर्ति, बेहतर नागरिक बुनियादी ढांचे को प्राथमिकता देगी।

18-19 फरवरी को हो सकता है शपथ ग्रहण समारोह : बीजेपी के नवनिर्वाचित विधायक और पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी विदेश यात्रा से वापस आ रहे हैं और जल्द ही भाजपा विधायक दल की बैठक के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने कहा, 'नयी सरकार 19-20 फरवरी के आसपास काम करना शुरू कर देगी।' सिरसा ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भाजपा विधायक दल की बैठक 18-19 फरवरी के आसपास होगी। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि शपथ ग्रहण समारोह के बाद 20 फरवरी तक नई सरकार का गठन हो जाएगा।'

बीआईटी मेसरा...

वह संस्थान के ऑडिटोरियम में आयोजित रिसर्च एग्जिबिशन कम डिस्प्ले का उद्घाटन भी करेंगी। समारोह में हिस्सा लेने के बाद राष्ट्रपति सीधे एयरपोर्ट के लिए रवाना हो जाएंगी।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने राष्ट्रपति के रांची आगमन पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "जोहार! माननीय राष्ट्रपति महोदया, झारखंड की पावन धरती पर आपका हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन।" राज्यपाल ने राष्ट्रपति के राजभवन पहुंचने के बाद एक अन्य पोस्ट में लिखा, "राजभवन में आपका हार्दिक स्वागत है। आपके आगमन से समस्त राजभवन परिवार में हर्ष का वातावरण है।"

राष्ट्रपति भवन के ऑफिशियल एक्स हैंडल पर भी रांची पहुंचने के बाद उनके औपचारिक स्वागत की तस्वीर साझा की गई। झारखंड सरकार की ओर से राष्ट्रपति की अगवानी करने वाली मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने लिखा, "राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का भगवान बिरसा मुंडा की पावन धरती पर स्वागत है। सहृदय जोहार।"

सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने भी राष्ट्रपति के झारखंड आगमन पर उनका अभिनंदन किया। पार्टी के महासचिव और केंद्रीय प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा, "राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का झारखंड को हमेशा संवैधानिक संरक्षण प्राप्त हुआ है। राज्यपाल के रूप में उनका कार्यकाल अविस्मरणीय रहा है। उन्होंने झारखंड के आदिवासियों का संरक्षण करने वाले सीएनटी एक्ट में संशोधन को अस्वीकार किया था। इसके लिए पूरा राज्य उनका हमेशा आभारी है।"

रांची प्रवास को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम : राष्ट्रपति के रांची प्रवास को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। 5 आईपीएस, 20 डीएसपी, 60 इंस्पेक्टर और 250 सब इंस्पेक्टर सहित पूरे शहर में 3,500 से अधिक अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है।

बड़े सपने देखें...

तकनीकी प्रगति और मानवीय मूल्यों की अहमियत पर दिया जोर : उन्होंने कहा कि महिलाओं के छोटे कदम भी भारत और दुनिया के विकास में बड़ा योगदान देंगे। इसके साथ ही, राष्ट्रपति ने तकनीकी प्रगति और मानवीय मूल्यों की अहमियत पर जोर दिया और कहा कि करुणा, प्रेम और एकता को बढ़ावा देने के लिए महिलाओं का नेतृत्व महत्वपूर्ण है।

मानसिक स्वास्थ्य को लेकर भी महिलाओं को किया सतर्क : उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य को लेकर भी महिलाओं को सतर्क किया और कहा कि यह किसी भी महिला के जीवन के लिए बुनियादी आवश्यकता है। इस कार्यक्रम में कर्नाटक के राजस्व मंत्री कृष्णा बैरे गौड़ा, मुख्य सचिव डॉ. शालिनी रजनीश, एयर मार्शल नागेश कपूर और कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

हाईकोर्ट ने दी...

पुलिस ने दी थी ये दलील : रैली के आयोजकों ने राज्य पुलिस द्वारा अनुमति देने से इनकार करने के बाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। पुलिस ने कहा था कि राज्य में माध्यमिक परीक्षा चल रही है और उस दौरान लाउडस्पीकर के इस्तेमाल से परीक्षार्थियों को परेशानी होगी।

कोर्ट ने क्या कहा? : न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा की पीठ ने रैली को सशर्त अनुमति देते हुए कहा कि आयोजकों को उपस्थित भीड़ की संख्या और लाउडस्पीकर की आवाज पर नजर रखनी चाहिए। जहां याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि रैली स्थल के नजदीक कोई स्कूल नहीं है, वहीं पीठ ने कहा कि प्रस्तावित रैली के दिन रविवार को कोई परीक्षा नहीं है। रैली के आयोजनकर्ताओं ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर रैली की मंजूरी देने की मांग की थी। याचिकाकर्ता ने दलील दी कि रैली स्थल के पास कोई स्कूल नहीं है, साथ ही जिस दिन रैली है, उस दिन रविवार है और कोई परीक्षा भी नहीं है। ऐसे में पुलिस की आपत्ति गलत है।

अपराधियों के चुंगल से...

यहां वे शौच करने के लिए रूके। इसी बीच कार पर सवार होकर तीन युवक आये और उन्हें मारते हुए कार में बैठाकर कहीं ले गये। उनका हाथ पैर रस्सी से बंधा हुआ था।

होटल के व्यवसाय से जुड़े हैं लाल रणविजय नाथ : बता दें कि, लाल रणविजय नाथ होटल के व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। साथ ही विश्व हिंदू परिषद के पिठोरिया प्रखंड के अध्यक्ष भी हैं। धनबाद जीआरपी ने अपहृत लाल रणविजय नाथ के बरामद होने की सूचना ठाकुरगांव थाने की पुलिस को दे दी है।

ठाकुरगांव थाने में दर्ज करायी है गायब होने की सूचना : अपहृत लाल रणविजय नाथ शहदेव के बड़े भाई लाल मृत्युंजय नाथ शहदेव ने बताया कि गुरुवार को उनके भाई दिन के लगभग 11.30 बजे घर से निकले थे। इसके बाद वह शाम तक वापस नहीं लौटे। उनका मोबाइल भी बंद आने लगा। गुरुवार की रात उन्होंने ठाकुरगांव थाने में भाई के गायब होने की लिखित शिकायत की थी। उनकी शिकायत पर शुक्रवार को थाने में मामला दर्ज किया गया। बता दें कि कि शुक्रवार को दिन के लगभग 11 बजे धनबाद जीआरपी ने फोन कर परिजनों को लाल रणविजय नाथ की बरादगी की जानकारी दी। इसके बाद सभी धनबाद के एसएनएमएमसीएच पहुंचे।

पहाड़ीनुमा जगह से भाग रणविजय ने बचायी जान : एसएनएमएमसीएच में भर्ती लाल रणविजय नाथ ने बताया कि रात में जब उनको होश आया, तो उन्होंने खुद को पहाड़ीनुमा जगह पर पाया। शौच का बहाना बनाते हुए उन्होंने अपराधियों से हाथ और पांव खोलने को कहा। इसके बाद शौच के लिए वह झाड़ियों की ओर गए और मौका देख भाग निकले।

अमेरिका से डिपोर्ट...

इसी कड़ी में अवैध अप्रवासियों की पहली खेप अमेरिका से भारत 5 फरवरी को आई थी। अमेरिकी सैन्य विमान में 104 अवैध भारतीय प्रवासियों को बेड़ियों से जकड़ कर लाया गया था। उनके हाथों में हथकड़ी लगी थी। वापस भेजे गए लोगों में 33-33 हरियाणा और गुजरात के नागरिक थे। 30 पंजाब से थे, जबकि महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश से 3-3 यात्री और चंडीगढ़ के 2 यात्री शामिल थे। यात्रियों में 79 पुरुष और 25 महिलाएं शामिल थीं, जबकि बाकी बच्चे थे। क्या एक बार फिर बेडियों से जकड़ कर भेजे जाएंगे भारतीय : पहली खेप में भेजे गए अवैध अप्रवासियों को बेड़ियों में जकड़ कर डिपोर्ट किया गया था। अमेरिका की ऐसी हरकत का भारत में जोरदार विरोध हुआ था। ऐसे में एक बार फिर सवाल उठ रहा है कि क्या इस बार भी अवैध अप्रवासियों को बेड़ियों से जकड़ कर भेजा जाएगा। बीते दिनों विदेश सचिव विक्रम मिस्री विदेश मंत्री एस जयशंकर का सदन में दिए एक बयान का हवाला देते कहा था कि भारत अमेरिकी अधिकारियों से यह साफ-साफ कह चुका है कि भेजे जाने वाले प्रवासियों के साथ कोई दुर्व्यवहार नहीं होना चाहिए। अगर ऐसा होता है, तो हम मुद्दे को बड़े स्तर पर उठाते रहेंगे। 298 लोगों का साझा किया गया है विवरण : इसी दौरान विदेश सचिव ने कहा था कि अमेरिका से भेजे जाने के लिए 487 भारतीय नागरिकों को चिह्नित किया गया है। 298 लोगों का विवरण भारत के साथ साझा किया गया है। विदेश सचिव ने बताया था कि अमेरिका की ओर से साझा की गई जानकारी का सत्यापन किया जा रहा है। इसके अलावा भारत फर्जी दाखिले के जरिए नागरिकों को अवैध रूप से अमेरिका में प्रवेश करने में मदद करने वाले एजेंटों और मददगारों के खिलाफ भी कार्रवाई कर रहा है।

कांग्रेस में बड़ा...

कांग्रेस ने पार्टी नेता राजीव शुक्ला, मोहन प्रकाश, देवेंद्र यादव, अजय कुमार, दीपक बाबरिया और भारत सिंह सोलंकी को प्रदेश प्रभारी के दायित्व से मुक्त कर दिया है। राजीव शुक्ला हिमाचल प्रदेश, मोहन प्रकाश बिहार, देवेंद्र यादव पंजाब, अजय कुमार ओडिशा, बाबरिया हरियाणा, सोलंकी जम्मू-कश्मीर के प्रभारी का उत्तरदायित्व निभा रहे थे।

2036 ओलंपिक की...

देश में अब एक खेल पारिस्थितिकी तंत्र है। यह खेल सहित हर पहलू में आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर उषा ने कहा, सफर यहीं खत्म नहीं होता, यह भारतीय खेलों के लिए सिर्फ शुरुआत है।

एसएससीबी तालिका में शीर्ष पर रहा : राष्ट्रीय खेलों की शुरुआत 28 जनवरी को हुई थी जिसमें सेना खेल संवर्धन बोर्ड (एसएससीबी) कुल 121 पदक (68 स्वर्ण, 26 रजत, 27 कांस्य) के साथ पिछले छह राष्ट्रीय खेल में पांचवीं बार पदक तालिका में शीर्ष पर रहा। महाराष्ट्र ने 198 (54 स्वर्ण, 71 रजत, 73 कांस्य) के साथ सेना से अधिक पदक जीते लेकिन कम स्वर्ण पदक जीतने के कारण वह दूसरे स्थान पर रहा। यहां तक कि हरियाणा को 153 (48 स्वर्ण, 47 रजत, 58 कांस्य) के साथ सेना से अधिक पदक मिले, लेकिन उसे तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। मेजबान उत्तराखंड 24 स्वर्ण, 35 रजत और 44 कांस्य सहित कुल 103 पदकों के साथ सातवें स्थान पर रहा।

कांग्रेस कोटे से...

7 गारंटी को पूरा करने की दिशा में काम करने के निर्देश : जगदीश साहू ने कहा कि अभी हाल ही में चारों मंत्रियों की दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के साथ बैठक हुई थी। जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी मंत्रियों को यह निर्देश दिया था कि वह चुनाव के समय जनता को दी गई सात गारंटियों को धरातल पर उतारने के लिए गंभीर प्रयास करें।

जनता के बीच जाकर फीडबैक लेगी कांग्रेस : जगदीश साहू ने कहा कि पार्टी ने एक ओर जहां आम जनता की सुविधा के लिए मंत्रियों को जनता दरबार लगाकर जन शिकायतों को तत्काल सुलझाने का निर्देश दिया है। वहीं चारों मंत्रियों के बीच छह-छह जिले का प्रभार सौंपने की योजना है। उन्होंने बताया कि प्रदेश कमेटी की ओर से भी पदाधिकारियों को जनता के बीच भेजा जाएगा।

कामकाज की समीक्षा एक स्वाभाविक प्रक्रिया : झारखंड कांग्रेस द्वारा अपने मंत्रियों के कामकाज की सोशल ऑडिट और समीक्षा को सामान्य प्रक्रिया बताते हुए कांग्रेस के प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि जनता ने बेशुमार आशीर्वाद देकर हमें दोबारा सत्ता सौंपी है। हमने जनता से कई चुनावी वादे भी किये थे, ऐसे में जनता के प्रति हमारी जिम्मेदारी है, इसलिए कांग्रेस कोटे के मंत्रियों और विधायकों के कामकाज समीक्षा भी जरूरी है।

सरकार में कांग्रेस कोटे से चार मंत्री : झारखंड में हेमंत सोरेन सरकार में कांग्रेस कोटे से चार मंत्री हैं। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह और कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की कांग्रेस कोटे से मंत्री हैं।

नए मुख्य चुनाव...

उनके नेतृत्व में चुनाव आयोग ने 2024 में लोकसभा चुनाव संपन्न हुआ। इसके अलावा कई राज्यों में विधानसभा चुनाव संपन्न कराए गए। जिसमें, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, हरियाणा, कर्नाटक, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, झारखंड और इसी साल हुए दिल्ली विधानसभा का चुनाव भी शामिल है।

ज्ञानेश कुमार का नाम रेस में सबसे आगे : 17 फरवरी को होने वाली चयन समिति की बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त पर फैसला हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मुख्य चुनाव आयुक्त की रेस में ज्ञानेश कुमार का नाम सामने आ रहा है। बताया जा रहा है कि वो रेस में सबसे आगे हैं। बता दें, चयन समिति मुख्य चुनाव आयुक्त के लिए पांच उम्मीदवारों के नाम भेजेगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कमेटी ने 480 से ज्यादा उम्मीदवारों में से पांच नामों का चयन किया है।

पारस हॉस्पिटल में निःशुल्क कैंसर जांच मेगा कैंप 16 एवं 23 फरवरी को

रांची। विश्व कैंसर दिवस पर पारस हॉस्पिटल, एचइसी में निःशुल्क कैंसर जांच मेगा कैंप का आयोजन 16 एवं 23 फरवरी को किया जा रहा है। कैंप सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक लगेगा। कैंप में कैंसर विशेषज्ञों से निःशुल्क परामर्श मिलेगा। सामान्य स्वास्थ्य जांच जैसे ब्लड शुगर आदि की जांच भी निःशुल्क होगी। स्वास्थ्य पैकेज पर भी विशेष छूट दी जायेगी। इस कैंप में डॉक्टरों की अनुशंसा पर कैंसर जांच पर 50 प्रतिशत की छूट भी दी जायेगी। यह जानकारी पारस हॉस्पिटल एचईसी के डॉ गुंजेश कुमार सिंह, डॉ मदन प्रसाद गुप्ता, डॉ सुरेश मुथूस्वामी, जोनल हेड श्रीकांत सुबुद्धि और मार्केटिंग हेड मानस लाभ ने शुक्रवार को पारस हॉस्पिटल में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि कैंसर का इलाज संभव है। इससे डरने नहीं बल्कि लड़ने की जरूरत है। कैंसर के इलाज के लिए अब एडवांस तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, ताकि मरीज का इलाज जल्द से जल्द से हो। कैंसर की जांच अगर समय पर कर लिया जाएं, तो इलाज आसानी से होता है। इसलिए पारस हॉस्पिटल निःशुल्क कैंसर जांच मेगा कैंप लगा रहा है।

पटना : वैलेंटाइन डे के दिन शिव भवानी सेना के कार्यकर्ताओं को पार्क में पहुंचा देख भाग निकले लड़के-लड़कियां

पटना । बिहार की राजधानी पटना में वैलेंटाइन डे पर लड़के और लड़कियां एक पार्क में पहुंचे थे। तभी वहां लठ लेकर घूम रहे भवानी सेना के सदस्यों को देखने पर लड़के-लड़कियां भाग निकले। दरअसल, हिंदू संगठन शिव भवानी सेना के कार्यकर्ताओं ने शहर के विभिन्न पार्कों में लाठी-डंडों के साथ गश्त शुरू की थी। इसी कड़ी में कार्यकर्ता पार्क में भी पहुंचे थे। रिपोर्ट के अनुसार, शिव भवानी सेना के कार्यकर्ता स्वामी सहजानंद सरस्वती पार्क में पूरी टीम के साथ लाठी लेकर पहुंचे। इस पार्क में कुछ लड़कियां और लड़के बैठे हुए थे। जब लड़कियों ने भवानी सेना के लोगों को लाठी लेकर आते देखा तब तुरंत उठकर मौके से भाग निकली। शिव भवानी सेना के सदस्य लव सिंह ने कहा कि वैलेंटाइन डे हिंदू संस्कृति के खिलाफ है। आज के दिन हम अपने शहीदों को याद करें, न कि पश्चिमी सभ्यता का अनुसरण करें। जो भी पार्कों में अश्लीलता फैलाएगा, उससे लाठी-डंडों से निपटा जाएगा। गौरतलब है कि बीते दिनों पटना की सड़कों पर संगठन ने कई पोस्टर लगाए थे, जिसमें वैलेंटाइन डे के बहिष्कार की अपील की थी। संगठन के द्वारा पोस्टर में लिखा था कि जहां मिलेंगे बाबू सोना, तोड़ देंगे कोना-कोना। पोस्टरों में अपील की गई थी कि वैलेंटाइन डे मनाने की बजाय पुलवामा हमले में शहीद हुए वीर जवानों को सम्मान देना चाहिए।

सांसर अंसारी के बिगड़े बोल कहा: ऐसे तो हाउसफुल हो जायेगा स्वर्ग व नर्क खाली

गाजीपुर। सांसद अफजाल अंसारी ने महाकुंभ स्नान को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि पूरे देश में कुंभ स्नान की होड़ लगी हुई है। लोग मानकर चल रहे हैं कि इसमें स्नान करने से उन्हे बैकुंठ मिलेगा। अगर ऐसा है तो स्वर्ग भी हाउसफुल हो जाएगा और नर्क खाली रहेगा। रविदास जयंती के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सपा सांसद ने कहा कि महाकुंभ में स्नान करने की होड़ मची हुई है। ऐसा लग रहा है जैसे सभी लोग स्वर्ग में ही चले जाएंगे, जो हाउसफुल हो जाएगा। वहीं नरक बिल्कुल खाली रह जाएगा। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के चलते सड़कों पर चलना दूभर हो गया है। ट्रेनों में युवाओं द्वारा खिड़कियों के शीशे तोड़ दिए जा रहे हैं, पुलिस असहाय नजर आ रही है। इस दौरान सांसद ने मौनी अमावस्या पर मची भगदड़ का जिक्र करते हुए भी कहा कि लोग कुचल कर मर जा रहे हैं। गौरतलब है कि पूर्वांचल के बाहुबली मुख्तार अंसारी के बड़े भाई सांसद अफजाल अंसारी ने लगभग 2 महीने पहले भी इसी तरह का एक विवादित बयान दिया। कहा था कि महाकुंभ में पूरी एक मालगाड़ी गांजा खप जाएगा। साधु-संत केवल गांजा पीते हैं। उनके इस विवादित बोल को लेकर गाजीपुर पुलिस द्वारा एक मुकदमा भी दर्ज कराया गया है। वहीं अब महाकुंभ पर उनके इस कटाक्ष की भी चर्चा होने लगी है। महाकुंभ मेले में संगम में स्नान करने वाले साधु-संतों, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों और आम स्नानार्थियों की संख्या 45 करोड़ से पार हो गई है। माघ पूर्णिमा के मौके पर 2 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। आधिकारिक बयान के अनुसार महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने वालों की संख्या 46 करोड़ 25 लाख से अधिक हो चुकी है जबकि महाकुंभ के समापन को अभी एक पखवारा शेष है।

धारावी पुनर्विकास परियोजना के तहत 1.5 लाख मकानों का पुनर्वास करने की योजना

मुंबई। धारावी पुनर्विकास परियोजना (डीआरपी) ने आधुनिकीकरण की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम उठाया है। इस परियोजना के तहत 1.5 लाख मकानों का पुनर्वास करने की योजना है, जो धारावी के निवासियों के लिए नये आवास, ढांचे और आर्थिक अवसरों का संशोधित प्रावधान करता है। इस परियोजना को जल्द ही मेंटेन करने के लिए धारावी में टाउनशिप की योजना है, जो चौड़ी सड़कें, हरित स्थान, जल और सीवेज प्रणाली के साथ सुदृढ़ सुविधाओं को शामिल करेगा। पिछले वर्ष दिसंबर में धारावी पुनर्विकास परियोजना प्राइवेट लिमिटेड (डीआरपीपीएल) ने नाम बदलकर नवभारत मेगा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड (एनएमडीपीएल) रख लिया, जो कंपनी के आधुनिक, समावेशी और जीवंत समुदाय के निर्माण के वादे के अनुरूप है। अन्य झुग्गी पुनर्वास परियोजनाओं के विपरीत, निवासियों को ऊंची झुग्गियों में नहीं रखा जाएगा, बल्कि अच्छी तरह से नियोजित टाउनशिप में रखा जाएगा, जिसमें चौड़ी सड़कें, हरित स्थान और उचित जल और सीवेज प्रणाली जैसी उपयुक्त सुविधाएं होंगी। इन टाउनशिप में मल्टी-मॉडल परिवहन केंद्र होंगे। प्रवक्ता के अनुसार, टाउनशिप में स्कूल, स्वास्थ्य सुविधाएं, खेल के मैदान, सामुदायिक केंद्र और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स शामिल होंगे। प्रवक्ता ने कहा ?कि इस पुनर्विकास के साथ-साथ बुनियादी ढांचे से न केवल धारावी वासियों के जीवन में सुधार होगा, बल्कि पड़ोस और मुंबई वासियों के बुनियादी ढांचे और जीवन स्तर में भी सुधार होगा। एनएमडीपीएल एक विशेष प्रयोजन से स्थापित कंपनी (एसपीवी) है, जिसे महाराष्ट्र सरकार और अदाणी समूह के बीच एक संयुक्त उद्यम के रूप में बनाया गया है।

केरल : मंदिर में आतिशबाजी से बिदके हाथियों ने लगायी दौड़ तीन की मौत, 20 घायल

तिरुवनन्तपुरम। केरल के कोयिलैंडी के पास मानकुलंगरा मंदिर में गुरुवार शाम को एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां उत्सव के दौरान आतिशबाजी हो रही थी, तभी दो हाथी बिचक गए और उन्होंने दौड़ लगा दी। इससे पूरे क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई। भगदड़ के दौरान हाथ एक दीवार से टकरा गया जिससे दीवार भरभराकर गिर गई। इसमें कई लोग मलबे में दब गए। जिससे दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई और 20 लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, दीवार गिरने से दो महिलाओं और एक पुरुष की मौत हो गई। लगभग 20 लोग मामूली रूप से घायल भी हुए। इस घटना पर मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने दुख व्यक्त किया है।

दिल्ली में आप की हार के बाद पंजाब में सीएम मान ने कर दी सौगातों की बौछार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में दिल्ली चुनाव में आम आदमी पार्टी को करारी हार मिली है और सत्ता गंवा दी। कहीं ऐसा ही पंजाब में न हो जाए इसके लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सौगातों की बौछार कर दी है। पंजाब कैबिनेट ने सरकारी और निजी सेक्टर में 60 हजार नौकरियां देने की योजना तैयार की है। इसके अलावा कर्मचारियों के करीब 14,000 करोड़ रुपये के एरियर को मंजूरी दे दी है। कमजोर आर्थिक वर्ग के लोगों को भी लुभाने के लिए पंजाब सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत ईडब्ल्यूएस वालों को शहरी क्षेत्रों में घर दिए जाएंगे। माना जा रहा है कि दिल्ली में मिडिल क्लास और लोअर मिडिल क्लास के रूठने के चलते आम आदमी पार्टी को झटका लगा है।

दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के सभी 91 विधायकों की मीटिंग हुई थी। इसके बाद भगवंत मान ने पंजाब को मॉडल स्टेट बनाने का ऐलान किया था। राज्य में विधानसभा चुनाव अभी दो साल दूर हैं, लेकिन सरकार के फैसले बता रहे हैं कि वह तैयारी के मोड में आ गई है। खासतौर पर दिल्ली में लगे झटके ने उसे सतर्क किया है। दिल्ली को आम आदमी पार्टी के गढ़ के तौर पर देखा जा रहा था। गोवा, गुजरात, पंजाब समेत कई राज्यों में अरविंद केजरीवाल चुनावों में दिल्ली मॉडल लागू करने की बात करते थे। अब दिल्ली में ही हार से करारा झटका लगा है। ऐसे में अब आम आदमी पार्टी की दिल्ली की बजाय पंजाब मॉडल के नाम पर नैरेटिव खड़ा करना चाहती है।

इसके अलावा 6 लाख सरकारी कर्मचारी और पेंशनरों और कमजोर आर्थिक वर्ग के लोगों को भी साधने में मदद मिलेगी। कैबिनेट ने एनआरआई मामलों के निपटारे के लिए फास्ट ट्रैक अदालतों के गठन का भी ऐलान किया है। पंजाब में ऐसे लोगों की संख्या बहुत ज्यादा है, जो एनआरआई या फिर उनके परिजन बाहर बसे हुए हैं। आम आदमी पार्टी को यह वर्ग समर्थन देता रहा है। इसी वर्ग की मदद के लिए जालंधर, कपूरथला, नवांशहर, लुधियाना और मोगा में फास्ट ट्रैक कोर्ट्स के गठन का फैसला हुआ है। भगवंत मान सरकार ने जिन 60 हजार पदों पर भर्ती का फैसला लिया है। उनमें से 2000 पद शिक्षा विभाग के होंगे। सरकार के प्रवक्ता ने कैबिनेट मीटिंग के बाद इन योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी है।

हालांकि अब भी पंजाब सरकार के सामने संकट की स्थिति रहेगी। इसकी वजह यह है कि राज्य सरकार कर्ज में दबी है और उसके लिए लुभावनी स्कीमों को एक हद से ज्यादा लागू कर पाना मुश्किल होगा। इसके अलावा पार्टी की बड़ी चिंता यह है कि दिल्ली में फ्रीबीज वाला मॉडल फेल रहा है। ऐसे में सिर्फ फ्री के नाम पर भी चुनाव जीतना मुश्किल होगा। यही वजह है कि सरकार कर्मचारियों, पेंशनरों और कमजोर आर्थिक वर्गों को साधने की कोशिश में है।

दक्षिण कोरिया में होटल के निर्माणाधीन हिस्से में आग लगी, छह की मौत

सियोल। दक्षिण कोरिया में आज एक पांच सितारा होटल के निर्माणाधीन हिस्से में अचानक आग लग जाने से छह लोगों की मौत हो गई। जान बचाकर भागे कम से कम 14 लोगों को छत पर हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू किया गया। दमकल विभाग के कर्मचारियों ने आग की लपटों में घिरे करीब 100 लोगों को बचा लिया। 25 लोगों को अस्पताल भेजा गया है। द कोरिया टाइम्स के अनुसार, यह हादसा दक्षिण-पूर्वी शहर बुसान के गिजांग काउंटी में हुआ। बुसान दक्षिण कोरिया का सबसे बड़ा बंदरगाह नगर है। बुसान मेट्रोपॉलिटन सिटी फायर एंड डिजास्टर मुख्यालय के अनुसार, सुबह लगभग 10:51 बजे आग लगने की सूचना मिली। लगभग 20 मिनट बाद दमकल अधिकारियों और कर्मचारियों ने हेलीकॉप्टरों और अन्य संसाधनों का उपयोग करके आग बुझानी शुरू की। आग बुझाने के बाद अचेत मिले छह लोगों को बाहर लाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। होटल की निर्माण तीन इमारतों में से एक की पहली मंजिल में आग लगी। कुछ ही देर में लपटों ने ऊपर की मंजिल को घेर लिया।

बुसान मेट्रोपॉलिटन सिटी फायर एंड डिजास्टर मुख्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि आग की विभीषिका को देखते 120 से अधिक दमकल गाड़ियों और 350 अग्निशमनकर्मियों को भेजा गया। रोजगार और श्रममंत्री किम मून-सू ने अधिकारियों को हादसे की जांच करने के आदेश दिए हैं। जांच अधिकारी यह भी देखेंगे कि कहीं औद्योगिक सुरक्षा कानून का उल्लंघन तो नहीं हुआ।

मोदी सरकार पर दबाव बनाने के लिए महापंचायत में हरियाणा, हिमाचल, पंजाब और उत्तराखंड के किसान हुए शामिल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। खनौरी और शंभू बॉर्डर पर किसान बीते एक साल से आंदोलन कर रहे हैं। किसान संगठनों के साथ केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों की बैठक हुई है। यह मीटिंग किसान आंदोलन 2.0 के एक साल पूरा होने पर आयोजित की गई थी। माना जा रहा है कि मोदी सरकार पर मीटिंग से पहले दबाव बनाने के लिए हजारों किसानों ने बैठक से पहले एकजुट हुए। इस महापंचायत में पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के हजारों किसानों ने हिस्सा लिया।

इस महापंचायत से पहले 11 तारीख को राजस्थान के रतनपुरा और फिर 12 तारीख को खनौरी बॉर्डर पर आयोजन हुआ था। महापंचायत में किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने कहा कि अब तक आंदोलन में बीते एक साल में 43 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा 450 किसान जख्मी हो चुके हैं। इसमें 35 किसान बुरी तरह से घायल हैं। बीते साल किसान आंदोलन के दौरान शुभकरण सिंह की मौत हो गई थी। इस बीच किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने अपने अनशन के 80वें दिन के मौके पर कहा कि मैं अपने संकल्प पर अडिग हूं।

सूत्रों का कहना है कि संयुक्त किसान मोर्चा के कुल 14 प्रतिनिधि केंद्र सरकार के साथ मीटिंग में हिस्सा लेने वाले है। इस मीटिंग में एमएसपी की लीगल गारंटी सहित कई मसले उठाए जा सकते हैं। किसान संगठनों ने लंबी लिस्ट तैयार की है। अब देखना होगा कि किन मसलों पर सहमति बनती है। किसान संगठनों का मुख्य जोर एमएसपी और स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने पर है। एक अहम डिमांड है कि किसानों के सारे कर्ज माफ कर दिए जाएं। इस मांग को लेकर केंद्र सरकार कुछ आंशिक ऐलान कर सकती है। जैसे छोटे किसानों को कर्ज से राहत दे दी जाए।

शब-ए-बरात पर नहीं खुली जामिया मस्जिद मीरवाइज भी नजरबंद, भड़के सीएम उमर

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाने के बाद से जामिया मस्जिद में शब-ए-बरात की नमाज पर प्रतिबंध लगाया गया था। श्रीनगर की ऐतिहासिक जामिया मस्जिद में लगातार छठे साल भी शब-ए-बरात के मौके पर सामूहिक नमाज की इजाजत नहीं दी गई। वहीं पुलिस ने मीरवाइज उमर फारूक को नजरबंद कर दिया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी पुलिस की इस कार्रवाई को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि अब भी लोग कानून व्यवस्था और प्रशासन पर यकीन नहीं कर सकते।

उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, इतने पवित्र मौके पर ऐतिहासिक जामिया मस्जिद को सील कर देना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे लोगों के विश्वास को धक्का लगा है। श्रीनगर की पुलिस को कोई बेहतर रास्ता निकालना चाहिए था। उन्हें लगता है कि जब तक सख्ती नहीं होगी तब तक शांति नहीं हो सकती। हालांकि श्रीनगर के लोग बेहतर के हकदार हैं।

पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि यह खबर सुनकर हैरान हूं कि जामा मस्जिद को बंद कर दिया गया। वहीं आम जनता को यहां जाने से ही रोक दिया गया। उन्होंने उपराज्यपाल और उमर अब्दुल्ला से सवाल किया कि क्या इस बारे में कोई जवाब दिया जाएगा। उन्होंने पुलिस के इस कदम को असंवैधानिक बताया है। वहीं अंजुमन औकाफ जामिया मस्जिद की तरफ से कहा गया कि मीरवाइज फारूक को गुरुवार सुबह ही उनके आवास में ही कैद कर दिया गया। ऐसे में वे नमाज अदा करने मस्जिद भी नहीं जा पाए। वहीं मस्जिद प्रबंधन का कहना है कि पुलिस ने उन्हें जानकारी दी थी की रात में शब-ए-बरात के मौके पर नमाज की अनुमति नहीं दी जाएगी। आम तौर पर मीरवाइज की अगुआई में ही जामिया मस्जिद में नमाज होती थी। बता दें कि बीते पांच सालों में भी जामिया मस्जिद में शब-ए-बरात की नमाज की अनुमति नहीं दी गई है। 2019 में अनुच्छेद 370 खत्म किए जाने के बाद से ही इस पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। अंजुमन औकाफ की तरफ से कहा गया कि बड़ी संख्या में लोग ऐतिहासिक और पवित्र मस्जिद में नमाज अदा करना चाहते थे। लेकिन पुलिस प्रशासन ने जबरन मस्जिद को बंद करवा दिया और मीरवाइज को नजरबंद कर दिया। लोगों के मौलिक धार्मिक अधिकार का हनन हो रहा है। जम्मू-कश्मीर के लोगों को बड़ा धक्का लगा है।

कटरा-बनिहाल खंड में शुरू होगा ट्रेनों का परिचालन, 17 को पीएम दिखायेंगे हरी झंडी

कटरा। उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) का कटड़ा-बनिहाल खंड परिचालन के लिए खुलने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 17 फरवरी को इस खंड पर ट्रेन के परिचालन को हरी झंडी दिखाना परियोजना के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। 111 किमी लंबा कटड़ा-बनिहाल रेल खंड कई मायनों में खास है। चिनाब पुल इंजीनियरिंग का एक अद्भुत नमूना है और यह खंड का एक प्रमुख आकर्षण होगा। अंजी खड्ड पर बना देश का पहला रेलवे केबल स्टे पुल- अपनी तरह का पहला पुल है और यह भारतीय रेलवे के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। वहीं प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं और अधिकारी यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि ट्रेन परिचालन की औपचारिक शुरूआत से पहले सभी जरूरी काम पूरे हो जाएं। यूएसबीआरएल परियोजना जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए एक बड़ा वरदान साबित होगी और इससे क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी।

वक्फ संशोधन बिल से आम मुसलमानों को कोई खतरा नहीं-मौलाना शहाबुद्दीन रजवी

बरेली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने शुक्रवार को कहा कि संसद में वक्फ संशोधन बिल पर बनी संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने अपनी रिपोर्ट पेश कर दी है, जिससे काफी चर्चा हो रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि इस बिल से आम मुसलमानों, मस्जिदों, मदरसों और दरगाहों को कोई खतरा नहीं है। उन्होंने मुसलमानों से अपील की कि वे किसी भी तरह की अफवाहों और गलत जानकारी से भ्रमित न हों।

पत्रकारों से बातचीत में मौलाना रजवी ने कहा कि इस बिल से केवल उन लोगों को डरने की जरूरत है, जिन्होंने बुजुर्गों की वक्फ की गई जमीनों और जायदादों पर अवैध कब्जा कर रखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई भू-माफिया वक्फ की जमीनों को खुर्द-बुर्द कर रहे हैं और इस कारण आम मुसलमान भी परेशान हैं। मौलाना ने वक्फ बोर्ड के अध्यक्षों और सदस्यों पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये लोग मनमाने तरीके से वक्फ की जमीनों को भू-माफियाओं को बेचने का काम कर रहे हैं। वक्फ बोर्ड के जिम्मेदारों ने करोड़ों की जमीनें औने-पौने दामों पर बेच दी हैं। उन्होंने कहा कि इस संशोधन बिल के लागू होने से इस तरह के भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी।

मौलाना ने कहा कि हमारे बुजुर्गों ने अपनी जमीनें और जायदादें इसलिए वक्फ की थीं ताकि उससे मिलने वाली आमदनी गरीब और कमजोर मुसलमानों की मदद के लिए खर्च हो। लेकिन वक्फ बोर्ड के भ्रष्टाचार के कारण यह मकसद पूरा नहीं हो सका। उन्होंने भारत सरकार से मांग की कि इस बिल को जल्द से जल्द संसद में पारित कर लागू किया जाए। मौलाना ने कहा कि इस बिल का विरोध केवल वे लोग कर रहे हैं जिन्होंने वक्फ की जमीनों पर आलीशान इमारतें बना रखी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन लोगों की आमदनी गरीब मुसलमानों की मदद में खर्च होने के बजाय उनके निजी खजाने में जा रही है। उन्होंने मुसलमानों से अपील की कि वे इस बिल के खिलाफ दुष्प्रचार से बचें और सच को समझें।

लालू पर केंद्रीय मंत्री मांझी ने कसा तंज, कहा : अगर जलन हो रही है, तो खादी मॉल से खरीद लें बढ़िया लोशन

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में फिर बयानबाजी का दौर शुरु हो गया है। इस बार केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के प्रमुख जीतन राम मांझी ने आरजेडी सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव पर तीखा हमला बोला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट के द्वारा केंद्रीय मंत्री मांझी ने लालू यादव को उनके राजनीतिक अतीत की याद दिलाकर चुटकी लेकर कहा कि अगर उन्हें बीजेपी की लगातार जीत से जलन हो रही है तब 'ईर्ष्या कम करने का बढ़िया लोशन खादी मॉल में उपलब्ध है।

मांझी ने पोस्ट में लिखा, आदरणीय लालू यादव जी, वैसे आप कोई भविष्य वक्ता नहीं ही हैं। लेकिन एक जानकारी रख लिजिए। वर्ष 2005 में आपके सामने ही बिहार में भाजपा एनडीए की गठबंधन की सरकार बनी। साल 2010 में आपके सामने ही आपका सुपड़ा साफ फिर भाजपा गठबंधन वाली एनडीए सरकार बनी। वर्ष 2014 में लालू जी आपके सामने ही केन्द्र में भाजपा एनडीए सरकार बनी और आजतक बिहार और केंद्र में भाजपा एनडीए की ही सरकार है और आगे बिहार और केंद्र में एनडीए की सरकार रहने वाले है। वैसे यदि इससे जलन हो रही हो, हमारे खादी मॉल में जलन में काम करने वाला अच्छा लोशन मिलता है आप उपयोग करें।

केंद्रीय मांझी की प्रतिक्रिया लालू यादव के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था 'दिल्ली चुनाव के नतीजों का बिहार पर कोई असर नहीं होगा। बीजेपी के सरकार बनाने के दावे पर उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि 'ऐसे ही भाजपा सरकार बना लेगी? हमलोग के यहां रहते हुए? जनता अब बीजेपी वालों को अच्छे से जान चुकी है।

दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ई-वेस्ट उत्पादक बना भारत

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत का ई-वेस्ट एक बड़ा आर्थिक अवसर दे रहा है। एक रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि मेटल एक्सट्रैक्शन के जरिए रिकवर किए जाने वाले मटीरियल में 6 बिलियन डॉलर की अनुमानित आर्थिक क्षमता का है। शुक्रवार को एक रिपोर्ट के हवाले से बताया गया है कि भारत अब चीन और अमेरिका के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ई-वेस्ट उत्पादक बन गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश का ई-वेस्ट वित्त वर्ष 2014 में 2 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) से दोगुना होकर वित्त वर्ष 2024 में 3.8 एमएमटी हो गया है, जो शहरीकरण और बढ़ती आय के कारण हुआ है। मुख्य रूप से घरों और व्यवसायों द्वारा उत्पन्न कंज्यूमर सेगमेंट ने वित्त वर्ष 2024 में कुल ई-वेस्ट का करीब 70 फीसदी योगदान दिया।

ई-वेस्ट उत्पादन में एक बड़ा ट्रेंड मटीरियल की तीव्रता में बदलाव है, जबकि उपकरण अधिक कॉम्पैक्ट और हल्के होते जा रहे हैं। त्यागे गए सामानों की मात्रा बढ़ रही है, जिससे कुशल रीसाइक्लिंग रणनीतियों की जरुरत होती है। रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स के पार्टनर जसबीर एस जुनेजा ने कहा कि आने वाले सालों में ई-वेस्ट की मात्रा बढ़ने की उम्मीद है। ई-वेस्ट में मेटल का बढ़ता मूल्य भारत के लिए रिकवरी दक्षता बढ़ाने और खुद को सस्टेनेबल मेटल एक्सट्रैक्शन में लीडर के रूप में स्थापित करने का एक बड़ा अवसर देता है।

वर्तमान में भारत में कंज्यूमर ई-वेस्ट का केवल 16 फीसदी फॉर्मल रिसाइक्लर द्वारा प्रोसेस किया जाता है। वित्त वर्ष 2035 तक फॉर्मल रिसाइकलिंग सेक्टर में 17 फीसदी सीएजीआर वृद्धि के अनुमानों के बावजूद इसके द्वारा भारत के ई-वेस्ट का केवल 40 फीसदी ही हैंडल करने की उम्मीद है। इस सेक्टर को अनौपचारिक प्लेयर्स से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है, जो कम अनुपालन लागत और व्यापक संग्रह नेटवर्क का लाभ उठाते हैं।

ईपीआर तब से उत्पादकों के लिए परिभाषित संग्रह लक्ष्यों के साथ एक अनिवार्य प्रणाली में विकसित हुआ है। हालांकि कम न्यूनतम ईपीआर शुल्क और अपर्याप्त औपचारिक रीसाइक्लिंग क्षमता के कारण अंतराल बने हुए हैं। फॉर्मल रीसाइक्लिंग नेटवर्क को मजबूत करना मेटल रिकवरी रेट में सुधार और रिटर्न को बढ़ाने करने की कुंजी है। इससे भारत की मेटल आयात मांग में 1.7 बिलियन डॉलर तक की कमी आ सकती है, जबकि हाई-वैल्यू रिसाइकल्ड मेटल की निरंतर सप्लाई सुनिश्चित हो सकती है।

विश्वकप 2023 के बाद कैसा है भारतीय क्रिकेटरों का प्रदर्शन, कौन है टॉप पर ?

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड को घरेलू मैदान पर 3-0 से हराने के बाद टीम इंडिया एक बार फिर से चैंपियंस ट्रॉफी में खिताबी दावेदारी ठोकने के लिए तैयार है। चैंपियंस ट्रॉफी में दो चिर प्रतिद्वंदियों भारत और पाकिस्तान के बीच सबसे बड़ा मैच 23 फरवरी को खेला जाएगा। भारत अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ करेगा और उसका आखिरी लीग मैच 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ होगा। टीम इंडिया वनडे विश्व कप 2023 फाइनल में मिली दिल तोड़ने वाली हार के बाद वापसी के लिए तैयार है। विश्व कप के बाद से टीम इंडिया के लिए नामी प्लेयरों ने बढ़िया प्रदर्शन किया है जोकि इस बार संभवत~ चैंपियंस ट्रॉफी में भी जलवा दिखाते नजर आएंगे।

मोहम्मद शमी की वापसी – शमी ने आखिरकार चोट से वापसी कर ली है। वह 2023 वनडे विश्व कप के बाद से ही टीम इंडिया से बाहर थे। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ दो वनडे मैचों में 2 विकेट लिए। शमी की मौजूदगी मात्र से युवा तेज गेंदबाजी प्रतिभा पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। रोहित की कप्तानी में भारत ने 2023 में विश्व कप के बाद से बहुत अधिक आक्रामक ब्रांड क्रिकेट खेला है। यदि खिलाड़ियों में कोई कमज़ोरी रही हो तो उन्होंने उसे सुधारा है या ऐसा करने के लिए सक्रिय प्रयास किए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ हालिया एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान श्रेयस को शॉर्ट-पिच गेंदों पर छक्के मारते देखा गया। इंग्लैंड के खिलाफ अपने अर्धशतक के दौरान विराट ने कुछ बेहतरीन बैकफुट शॉट्स, कट और स्वीप लगाई जिससे ... खुश दिखे। उनका मानना है कि इससे टीम इंडिया को चैंपियंस ट्रॉफी में फायदा हो सकता है।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारत की टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद। शमी, अर्शदीप सिंह, रवींद्र जड़ेजा, वरुण चक्रवर्ती।
गैर-यात्रा विकल्प – यशस्वी जयसवाल, मोहम्मद सिराज और शिवम दुबे। जरूरत पड़ने पर तीनों खिलाड़ी दुबई जाएंगे।

2023 वनडे विश्व कप के बाद से भारत के टॉप स्कोरर

शुभमन गिल
(6 मैचों में 52.66 की औसत से 316 रन, 92.12 की स्ट्राइक रेट, एक शतक और दो अर्द्धशतक के साथ)
रोहित शर्मा
(6 मैचों में 46.50 की औसत से 279 रन, 132.85 की स्ट्राइक रेट, एक शतक और दो अर्द्धशतक के साथ)
श्रेयस अय्यर
(7 मैचों में 38.71 की औसत से 271 रन, 117.31 की स्ट्राइक रेट, तीन अर्द्धशतक)
अक्षर पटेल
(9 मैचों में 27.57 की औसत से 193 रन, एक अर्धशतक के साथ)
केएल राहुल
(8 मैचों में 22.85 की औसत से 160 रन, एक अर्धशतक के साथ)

सर्वोच्च विकेट लेने वाले खिलाड़ी

अर्शदीप सिंह -(6 मैचों में 16.64 की औसत से 14 विकेट)
अक्षर -(9 मैचों में 34.25 की औसत से 8 विकेट)
वाशिंगटन सुंदर -(5 मैचों में 23.25 की औसत से 8 विकेट)
कुलदीप यादव -(7 मैचों में 34.85 की औसत से 7 विकेट)
आवेश खान- (3 मैचों में 19.16 की औसत से 6 विकेट)

विमेंस प्रीमियर लीग के 18वें सीजन का हुआ आगाज

वडोदरा /नई दिल्ली (एजेंसी)। विमेंस प्रीमियर लीग के 18वें सीजन की शुरुआत शुक्रवार 14 फरवरी से हो गया। टूर्नामेंट का आगाज रॉयल चैलेंजर्स बेंगुलुरु और गुजरात जायंट्स के भिड़ंत से हुई।

दिल्ली कैपिटल्स – मेग लैनिंग (कप्तान), एलिस कैप्सी, सारा ब्राइस, एनाबेल सदरलैंड, मिन्नू मणि, शैफाली वर्मा, अरुंधति रेड्डी, एन चरानी, ??शिखा पांडे, जेमिमा रोड्रिग्स, नंदिनी कश्यप, स्नेहा दीप्ति, जेस जोनासेन, निकी प्रसाद, तानिया भाटिया, मार्चिज़ैन कैप, राधा यादव, तितास साधु।

गुजरात टाइटंस – एश्ले गार्डनर (कप्तान), हरलीन देओल। प्रकाशिका नाइक, बेथ मूनी, काशवी गौतम, प्रिया मिश्रा, भारती फुलमाली, लौरा वोल्वार्ड्ट, सयाली साचरे, डेनिएल गिब्सन, मन्नत कश्यप, शबनम शकील, दयालन हेमलता, मेघना सिंह, सिमरन शेख, डींड्रा डॉटिन, फोएबे लिचफील्ड, तनुजा कंवर।

मुंबई इंडियंस – हरमनप्रीत कौर (कप्तान), अक्षिता माहेश्वरी, परुनिका सिसोदिया, अमनदीप कौर, हेले मैथ्यूज, सैका इशाक, अमनजोत कौर, जिन्तिमनी कलिता, सजीवन सजना, अमेलिया केर, कीर्तना बालाकृष्णन, संस्कृति गुप्ता, क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लार्क, शबनीम इस्माइल, जी कमलिनी, नताली साइवर-ब्रंट, यास्तिका भाटिया।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु – स्मृति मंधाना (कप्तान), नुजहत परवीन, जोशिता वीजे, ऋचा घोष, डैनी व्याट, कनिका आहूजा, सब्बीनेनी मेघना, एकता बिष्ट, केट क्रॉस, श्रेयंका पाटिल, एलिसे पेरी, प्रेमा रावत, जॉर्जिया वेयरहैम, राघवी बिस्ट, सोफी डिवाइन, जाग्रवी पवार, रेणुका सिंह, सोफी मोलिनेक्स।

यूपी वारियर्स – दीप्ति शर्मा (कप्तान), अलाना किंग, गौहर सुल्ताना, साइमा ठाकोर, एलिसा हीली, ग्रेस हैरिस, श्वेता सहरावत, अंजलि सरवानी, किरण नवगिरे, सोफी एक्लेस्टोन। अरुशी गोयल, क्रांति गौड़, ताहलिया मैकग्राथ, चमारी अथापथु, पूनम खेमनार, उमा छेत्री, राजेश्वरी गायकवाड़, वृंदा दिनेश।

इंग्लैंड को क्लीन स्वीप करने के बाद वनडे ट्रॉफी ले जाना भूले विराट-रोहित-राहुल

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत ने इंग्लैंड को वनडे सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप करते हुए चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए अपने इरादे स्पष्ट कर दिए। लेकिन वनडे सीरीज जीतने के बाद विराट कोहली, रोहित शर्मा और केएल राहुल ट्रॉफी ले जाना ही भूल गए जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। रोहित की अगुवाई में टीम ने अहमदाबाद में तीसरे और अंतिम मैच में 142 रनों की जीत हासिल करके बुधवार को इंग्लैंड के खिलाफ क्लीन स्वीप पूरा किया। जब लड़के टीम की जीत का जश्न मना रहे थे, तो एक वीडियो में रोहित, राहुल और कोहली ट्रॉफी के पास से गुजरते हुए दिखाई दिए, लेकिन उन्हें बाद में एहसास हुआ कि इसे लेकर भी जाना है। एक प्रशंसक ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'ट्रॉफी ही भूल गए।' अब यह वीडियो वायरल हो गया है। टीम इंडिया ने 3 मैचों की सीरीज में इंग्लैंड पर पूरी तरह से दबदबा बनाया और तीनों विभागों में बेहतर टीम बनकर उभरी। रोहित ने मैच के बाद कहा, टीम में थोड़ी बहुत आजादी है कि आप मैदान पर जाकर अपनी पसंद का खेल खेल सकते हैं। विश्व कप (2023) इसका एक बेहतरीन उदाहरण है।

'भारत कुछ भी नहीं था...'

सरफराज ने चैम्पियंस ट्रॉफी 2017 में पाकिस्तान की जीत पर दिया बयान

नईदिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने भारत को क्रिकेट में सबसे बड़ा झटका तब दिया जब उन्होंने 2017 में द ओवल में खिताबी मुकाबले में मेन इन ब्लू को 339 रनों का बचाव करते हुए 180 रनों के भारी अंतर से हराया। 1992 में 50 ओवर के विश्व कप की जीत और 2009 में टी20 विश्व कप की जीत के बाद यह पाकिस्तान का व्हाइट-बॉल क्रिकेट में तीसरा बड़ा खिताब था। उस समय टीम की कप्तानी करने वाले सरफराज अहमद ने उन दिनों को याद करते हुए बताया कि कैसे शोएब मलिक और मोहम्मद हफीज जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के मार्गदर्शन में टीम फिर से संगठित हुई, उन्हें लगता है कि मौजूदा पाकिस्तानी टीम को भी इसकी जरूरत है।

आईसीसी के हवाले से पूर्व कप्तान ने कहा, %इसके बाद (ग्रुप स्टेज में भारत से हार के बाद), हमारी टीम की मीटिंग बहुत अच्छी रही और हमारे कुछ वरिष्ठ खिलाड़ियों शोएब मलिक, मोहम्मद हफीज सभी ने अपनी बात रखी। आपको अपने आस-पास ऐसे लोगों की जरूरत होती है। हमने उस दिन से अपनी मानसिकता बदल दी। यह कड़वाहट हमारे लिए बहुत अच्छी रही, हमने टीम में कुछ बदलाव किए और इससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ग्रुप स्टेज मैच में डेब्यू करने वाले फखर जमान के शामिल होने से शीर्ष पर मजबूती और दमखम आया। वहीं जुनैद खान और रुम्मन रईस जैसे खिलाड़ियों ने पाकिस्तान को नई गेंद से नियंत्रण और विकेट दिलाए जैसा कि उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में दिखाया जिसमें पाकिस्तान ने आठ विकेट से जीत दर्ज की। सरफराज ने कहा, %हमने सेमीफाइनल में इंग्लैंड के साथ खेला और हमारे गेंदबाज शानदार थे। फिर फाइनल में भारत था। मुझे पूरा भरोसा था कि हमारा स्तर बहुत ऊंचा है और फाइनल से पहले खिलाड़ियों को मेरा संदेश था कि वे शांत रहें।

पाकिस्तान ने फाइनल में अपने पड़ोसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया जिसमें फखर जमान ने शानदार शतक बनाकर उन्हें एक मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। इसके बाद मोहम्मद आमिर ने भारतीय शीर्ष क्रम को ध्वस्त करके ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

सरफराज ने मुकाबले से पहले टीम की मानसिकता पर चर्चा करते हुए कहा, हमें पता था कि हमने कुछ बेहतरीन टीमों को हराया है, इसलिए भारत ऐसा कुछ नहीं था जिसे हमने नहीं देखा था। मैंने खिलाड़ियों से कहा कि वे शांत रहें, परिणाम को भूल जाएं और अपना 100 प्रतिशत दें। बाकी इतिहास है। जब आखिरी विकेट गिरा और हम जीत गए, तो उस भावना को शब्दों में बयां करना असंभव है। जब मैंने आखिरी कैच लिया, तो मैं गली में था। और मैं बस भाग गया। मैंने शोएब मलिक को देखा और उनकी बाहों में दौड़ गया, मैं उनके ऊपर कूद गया और उन्हें गले लगा लिया। फिर पूरी टीम इसमें शामिल हो गई। यह अवर्णनीय था।

पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी 2025 अभियान की शुरुआत 19 फरवरी को कराची में न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगा और 23 फरवरी को दुबई में भारत के खिलाफ मुकाबला करेगा। टूर्नामेंट के शुरुआती चरण के लिए आठ टीमों को दो समूहों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक टीम तीन ग्रुप-स्टेज मैच खेलेगी, जिसमें प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। ग्रुप ए में बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड शामिल हैं, जबकि ग्रुप बी में अफगानिस्तान, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की टीम

मोहम्मद रिजवान (कप्तान), बाबर आज़म, फखर जमान, कामरान गुलाम, सऊद शकील, तैयब ताहिर, फहीम अशरफ, खुशदिल शाह, सलमान अली आगा, उस्मान खान, अबरार अहमद, हारिस रऊफ, मोहम्मद हसनैन, नसीम शाह, शाहीन शाह अफरीदी।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान के मैच

पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड - 19 फरवरी, कराची
पाकिस्तान बनाम भारत - 23 फरवरी, दुबई
पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश - 27 फरवरी, रावलपिंडी

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले न्यूजीलैंड को लगा झटका

बड़ा खिलाड़ी हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी से ठीक पहले न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है और बेन सियर्स हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ टूर्नामेंट के पहले मैच में खेलने से पहले दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जैकब डफी को 15 खिलाड़ियों की टीम में शामिल करके उनके स्थान पर एक और खिलाड़ी को शामिल किया।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने पुष्टि की है कि बुधवार को कराची में टीम के पहले प्रशिक्षण के दौरान सियर्स को बाएं हैमस्ट्रिंग में दर्द महसूस हुआ। उन्होंने स्कैन कराया जिसमें पता चला कि उनकी हैमस्ट्रिंग में मामूली चोट है, जिसके लिए कम से कम दो सप्ताह तक पुनर्वास की आवश्यकता होगी। पुनर्वास समय-सीमा का मतलब है कि सियर्स संभवतः 2 मार्च को दुबई में भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड के अंतिम ग्रुप ए मैच के लिए समय पर ठीक हो जाएंगे।

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने एक बयान में कहा, हम सभी बेन के लिए वास्तव में दुखी हैं। इतनी देर से किसी बड़े आयोजन से बाहर होना हमेशा कठिन होता है, और बेन के मामले में यह विशेष रूप से कठिन है, क्योंकि यह उनका पहला बड़ा ढ्ढष्ट आयोजन होता।

चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए न्यूजीलैंड टीम

मिशेल सेंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, टॉम लैथम, डेरिल मिशेल, विल ओरुरके, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, केन विलियमसन, विल यंग, जैकब डफी।

मैकुलम ने इंग्लैंड के प्रशिक्षण की कमी पर आलोचना को किया खारिज

भारत से 3-0 से हार के बाद उठे थे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। लगातार एकतरफा श्रृंखला में हार के बाद इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने इस बात को खारिज कर दिया कि उनके खिलाड़ी भारत के व्हाइट-बॉल दौरे के लिए तैयारी को गंभीरता से नहीं ले रहे थे, उन्होंने कहा कि यह 'तथ्यात्मक रूप से गलत' है। टेस्ट प्रारूप में अपने धमाकेदार प्रदर्शन के विपरीत, 'बैजबॉल' सीमित ओवरों के खेल में अपनी पहली उपस्थिति में कमजोर रहा। चैंपियंस ट्रॉफी के साथ इंग्लैंड टी20आई चरण में 4-1 से हारने के बाद वनडे में 3-0 से हार गया।

इंग्लैंड की हार का तरीका तब चर्चा का विषय बन गया जब खिलाड़ियों ने

प्रशिक्षण की कमी के लिए खुद को उजागर किया। दोनों पक्षों के बीच तीसरे वनडे के लिए कमेंटेटर रवि शास्त्री और केविन पीटरसन के बीच बातचीत के दौरान यह दावा किया गया कि जो रूट के अलावा, अंग्रेजी खिलाड़ियों ने वनडे सीरीज के लिए नेट्स का रुख नहीं किया। इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने नागपुर में सीरीज के पहले मैच से पहले ट्रेनिंग की, लेकिन अगले दो वनडे मैचों के लिए अभ्यास नहीं किया।

मैकुलम ने कहा, सबसे पहले, यह तथ्यात्मक रूप से गलत है कि हम ट्रेनिंग नहीं करते हैं। हमने पूरे मैच में काफी ट्रेनिंग की है और खिलाड़ी काफी क्रिकेट खेलकर आए हैं। मुझे लगता है कि यह एक आसान बात है कि जब नतीजे सही नहीं होते हैं तो खिलाड़ी पर्याप्त ट्रेनिंग नहीं करते हैं। लेकिन हमारे पास एक शैली और एक तरीका है जिस पर हम विश्वास करते हैं। हमारे पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो चोटों से जूझ रहे हैं और यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि हमारे पास मैदान पर पर्याप्त खिलाड़ी हों, यह जानते हुए कि हमें एक या दो सप्ताह में एक बड़ा काम करना है। आखिरकार जो कहा गया है वह तथ्यात्मक रूप से गलत है और हम जिस पर विश्वास करते हैं उस पर कायम रहेंगे।

अहमदाबाद में तीसरे वनडे में 142 रन से हार के बाद इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने भी इस धारणा को खारिज कर दिया कि इंग्लैंड के खराब नतीजों का कारण अभ्यास की कमी है। बटलर ने कहा, हमारा दौरा काफी लंबा रहा, कुछ दिन लंबी यात्रा पर गए।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 6.9 मिलियन डॉलर पुरस्कार राशि की घोषणा, विजेता को मिलेंगे इतने मिलियन डॉलर

दुबई (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 19 फरवरी से पाकिस्तान में शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए पुरस्कार राशि की घोषणा की है जिसमें विजेता को 2.24 मिलियन अमेरिकी डॉलर की भारी राशि मिलेगी। आठ टीमों के इस शानदार आयोजन के इस संस्करण के कुल पुरस्कार पूल में 2017 के संस्करण की कुल पुरस्कार राशि 4.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर से 53 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि की करते हुए 6.9 मिलियन डॉलर कर दिया गया है।

आईसीसी ने एक बयान में कहा, '2017 के बाद पहली बार आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी की वापसी से आठ टीमों के टूर्नामेंट के विजेता को 2.24 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिलेंगे' उप-विजेता को 1.12 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिलेंगे जबकि हारने वाले प्रत्येक सेमीफाइनलिस्ट को 560,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे।

आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी में हर मैच मायने रखता है और प्रत्येक ग्रुप मैच जीत पर विजेता टीम के लिए 34,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक की होती है। पांचवें या छठे स्थान पर रहने वाली टीमों में से प्रत्येक को 3,50,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे, जबकि सातवें और आठवें स्थान पर रहने वाली टीमों को 1,40,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। इसके अलावा आईसीसी ने कहा कि टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए सभी आठ टीमों को 1,25,000 अमेरिकी डॉलर का आश्वासन दिया गया है।

आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है, जो एक ऐसे टूर्नामेंट को पुनर्जीवित करती है जो वनडे प्रतिभा के शिखर को उजागर करता है, जहां हर मैच महत्वपूर्ण होता है। पर्याप्त पुरस्कार राशि आईसीसी की खेल में निवेश करने और हमारे आयोजनों की वैश्विक प्रतिष्ठा बनाए रखने की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। आईसीसी के अध्यक्ष जय शाह ने कहा, वित्तीय प्रोत्साहन से परे, यह टूर्नामेंट कड़ी प्रतिस्पर्धा को प्रज्वलित करता है, दुनिया भर के प्रशंसकों को आकर्षित करता है, और भविष्य की पीढ़ियों के लिए क्रिकेट के विकास और दीर्घकालिक स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

यह पहली बार है जब पाकिस्तान 1996 के बाद से आईसीसी इवेंट की मेजबानी करेगा। 2025 संस्करण में 8 टीमें हैं जिन्हें चार के दो समूहों में विभाजित किया गया है जिसमें प्रत्येक समूह से शीर्ष दो सेमीफाइनल में पहुंचेंगे। शीर्ष आठ टीमों की प्रतियोगिता में पाकिस्तान और,श्व में 19 दिनों में 15 मैच खेले जाएंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए इनाम राशि

विजेता – 2.24 मिलियन अमेरिकी डॉलर
उप-विजेता – 1.12 मिलियन अमेरिकी डॉलर
प्रत्येक सेमीफाइनलिस्ट - 560,000 अमेरिकी डॉलर
ग्रुप मैच जीतने वाले को - 34,000 अमेरिकी डॉलर
पांचवें या छठे स्थान पर रहने वाली टीमें - प्रत्येक को 3,50,000 अमेरिकी डॉलर
सातवें और आठवें स्थान पर रहने वाली टीमें - 1,40,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे।
सभी 8 टीमों को 1,25,000 अमेरिकी डॉलर का आश्वासन

शाहीन ने ब्रीट्ज़के के साथ तीखी नोकझोंक पर चुप्पी तोड़ी, विकेट लेने के लिए बल्लेबाज को चिढ़ाया था

कराची (पाकिस्तान)(एजेंसी)। शाहीन अफरीदी ने बुधवार को पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच वनडे त्रिकोणीय श्रृंखला के मैच के दौरान मैथ्यू ब्रीट्जके के साथ अपनी तीखी नोकझोंक पर चुप्पी तोड़ी। यह घटना पहली पारी के 28वें ओवर में हुई जब शाहीन जानबूझकर बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीट्जके के रास्ते में आ गए, जो एक रन के लिए दौड़े। शाहीन की हरकत की वजह से अनुचित शारीरिक संपर्क हुआ, जिसके कारण तीखी नोकझोंक हुई।

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज ने स्वीकार किया कि उन्होंने ब्रीट्जके को परेशान करने और उनका विकेट लेने के प्रयास में दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज को चिढ़ाया था। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तनाव मैदान तक ही सीमित था क्योंकि मैच के बाद दोनों खिलाड़ी मिले और हाथ मिलाया। शाहीन ने एक इंटरव्यू में कहा, पहली बार, मैथ्यू ने कुछ नहीं कहा। मैं विकेट लेने के लिए उसे चिढ़ाता रहा। मैदान पर जो कुछ भी हुआ, वह वहीं रहा। मैथ्यू और मैं मिले, हाथ मिलाया और अच्छे दोस्त बन गए।

शाहीन की हरकत के बाद उन पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। उन्हें खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.12 का उल्लंघन करते पाया गया, जो किसी खिलाड़ी, खिलाड़ी सहायक कर्मियों, अंपायर, मैच रेफरी या किसी अन्य व्यक्ति (दर्शक सहित) के साथ किसी अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान अनुचित शारीरिक संपर्क से संबंधित है।

ब्रीट्ज़के के साथ अपनी तीखी बहस के अलावा, शाहीन ने हाल ही में चल रही त्रिकोणीय श्रृंखला में एक पारी के डेथ ओवरों में पाकिस्तान की चल रही परेशानियों के बारे में बात की। न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला के पहले मैच में शाहीन और नसीम शाह को डेथ ओवरों को खत्म करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। ग्लेन फिलिप्स ने पूरी ताकत से खेलते हुए पाकिस्तान के शीर्ष गेंदबाजों की धुनाई की और आखिरी चार ओवरों में 71 रन लुटाए।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों की भी यही कहानी रही। नसीम, ??मोहम्मद हसनैन और खुशदिल शाह को आखिरी चार ओवरों को पूरा करने के लिए कहा गया। तीनों ने मिलकर 46 रन दिए जिससे दक्षिण अफ्रीका 352/5 का विशाल स्कोर बनाने में सफल रहा।

भारत-अमेरिका का 500 अरब डॉलर का व्यापार करने का लक्ष्य

- इस वर्ष समझौते पर बातचीत की घोषणा

वाशिंगटन ।

भारत और अमेरिका ने 2030 तक वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने की घोषणा की है। इस उद्देश्य को पाने के लिए दोनों देशों ने पहले चरण के रूप में पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते को पूरा करने का समझौता किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर जवाबी शुल्क लगाने के लिए चेतावनी दी है। व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मेजबानी के दौरान दोनों नेताओं ने शुल्क से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की और 21वीं सदी के लिए यूएस-इंडिया कॉम्पैक्ट शुरू करने का निर्धारित किया। इससे भारत को अमेरिका से अधिक तेल और गैस आयात करने में सुविधा होगी और द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि होगी। मोदी ने घोषणा की कि वे ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तेल और गैस व्यापार को मजबूत करेंगे।

दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए आपसी प्रतिबद्धता जाहिर की और मिशन 500 को शुरू करने की घोषणा की। भारतीय और अमेरिकी कंपनियों के लिए नए निवेश के अवसरों को बढ़ाने का भी संकल्प जताया गया है। इस समझौते से दोनों देशों के बीच एक नया दौर आरंभ हुआ है जिससे दोनों की आर्थिक संबंधों में मजबूती आएगी।

अमेरिका के जवाबी शुल्क से भारत-अमेरिका के बीच व्यापार में अनिश्चितता उत्पन्न होगी

नई दिल्ली ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा कदम उठाते हुए जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की है, जिससे भारत और अमेरिका के बीच व्यापार संबंधों में अनिश्चितता उत्पन्न हो गई है। इस घोषणा के बाद विशेषज्ञों का मानना है कि इससे दोनों देशों के बीच व्यापार के क्षेत्र में संतुलन खराब हो सकता है। जीटीआरआई के एक अधिकारी के अनुसार दोनों देशों को व्यापार समझौते के लिए सावधानी से कदम उठाने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि इस विचार को विस्तारित करने के लिए विस्तारित बातचीत की आवश्यकता है। भारतीय निर्यात संगठनों का महासंघ (फियो) के महानिदेशक ने भारत को घरेलू उद्योगों की सुरक्षा और अमेरिका के साथ निर्यात बढ़ाने के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि प्रमुख क्षेत्रों के लिए छूट पर बातचीत करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यापार संबंधों में अनिश्चितता उत्पन्न होने की चेतावनी दी और कहा कि इससे अमेरिका अपने सीमा शुल्कों पर ध्यान देगा। इस घोषणा के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति और भारतीय प्रधानमंत्री के बीच संवाद जारी है और संभावना है कि वे जल्द ही एक बड़े व्यापार समझौते पर सहमति कर सकते हैं। अमेरिका और भारत के बीच व्यापार संबंधों में जो भारी बदलाव हो सकते हैं, उसकी वर्तमान स्थिति में सबको सावधान रहना आवश्यक है।

सरकार ने एनएफआरए के चेयरपर्सन और सदस्यों के पदों के लिए आमंत्रित किये आवेदन

- लेखा परीक्षा, वित्त या विधि में कम से कम 25 वर्ष का अनुभव जरुरी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) के चेयरपर्सन और सदस्यों के पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह प्राधिकरण देश में वित्तीय रिपोर्टिंग और लेखा परीक्षा मानकों की देखरेख करने वाली एक स्वतंत्र नियामक संस्था है।

आवेदन के अनुसार चेयरपर्सन पद के लिए आवेदक को प्रतिष्ठित, योग्य और ईमानदार होना चाहिए और उसके पास लेखा, लेखा परीक्षा, वित्त या विधि में कम से कम 25 वर्ष का अनुभव होना चाहिए। पूर्णकालिक सदस्यों के पद के आवेदक के पास इन क्षेत्रों में कम से कम 20 वर्ष का अनुभव होना चाहिए। एनएफआरए के नियमों के अनुसार, चेयरपर्सन को बिना मकान और कार 5.62 लाख रुपये का समेकित मासिक वेतन मिलेगा, जो सरकार के सचिव के वेतन के बराबर होगा।

पूर्णकालिक सदस्यों को या तो पांच लाख रुपये का समेकित मासिक वेतन मिलेगा या उन्हें अतिरिक्त सचिव के वेतन की स्थिति होगी। विज्ञप्ति में यह भी कहा गया है कि सरकारी पेंशन पाने वाले व्यक्तियों के वेतन में सकल पेंशन राशि से कटौती की जाएगी।

चेयरपर्सन और सदस्यों के पदों के लिए अलग-अलग आवेदन प्रस्तुत किए जाने चाहिए।आवेदकों को नियुक्ति से पहले सरकार को एक हलफनामा प्रस्तुत करना होगा, जिसमें यह पुष्टि की जाएगी कि उनकी नियुक्ति से किसी भी हितों का टकराव या स्वतंत्रता का अभाव नहीं है।

विभाग ने यह भी निर्देश दिया है कि नियुक्त व्यक्ति अपने कार्यकाल के दौरान और पद छोड़ने के बाद दो वर्षों तक किसी भी लेखापरीक्षा कंपनी के साथ संबंधित कंपनियों में शामिल नहीं हो सकता। चेयरपर्सन और पूर्णकालिक सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्ष या उनके 65 वर्ष के होने तक होगा। एक और कार्यकाल के लिए पुनर्नियुक्ति की संभावना भी है। इन पदों के लिए आवेदन कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के समक्ष तीन मार्च तक प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

रिलायंस के वायकॉम 18 और स्टार इंडिया से बनी जियो स्टार ने लांच किया जिया स्टार

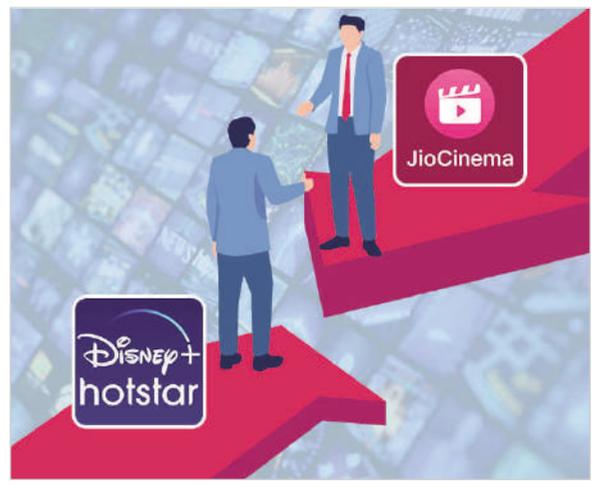

नई दिल्ली।

रिलायंस के वायकॉम 18 और स्टार इं डिया के जुटने से बनी जियो स्टार ने जियो स्टार लॉन्च किया है। इस नए प्लेटफॉर्म का उद्देश्य भारतीयों को प्रीमियम एंटरटेनमेंट को एक ही स्थान पर प्रदान करना है। जियो स्टार का कंटेंट में एंटरटेनमेंट, लाइव स्पोर्ट्स कवरेज, और 50 करोड़ से अधिक यूजर्स को विभिन्न सब्सक्रिप्शन प्लान्स प्रदान किए जाएंगे। इसकी भरपूर मात्रा में हिंदी, इंग्लिश और 19 से अधिक भाषाओं में कंटेंट उपलब्ध होगा। जियो स्टार पर मुख्य खिलाड़ी माने जाने वाले खिलाड़ी, अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट्स और ग्रासरूट क्रिकेट का सबसे नवीनतम कवरेज भी होगा। जियो स्टार एक मंच होगा, जहां सभी उपयोगकर्ताओं के लिए एक साझा एंटरटेनमेंट अनुभव मिलेगा।

यह प्लेटफॉर्म विभिन्न चैनलों और वेब सीरीज़ के साथ सरकारी और अन्य खेलों का पूर्ण कवरेज प्रदान करेगा। जियो स्टार की शुरुआती सब्सक्रिप्शन की कीमत 149 रुपये से शुरू होगी। साथ ही जियो सिनेमा और डिजनी के साथ हॉटस्टार के मौजूदा सब्सक्राइबर्स बिना किसी परेशानी के जियोस्टार पर ट्रांजिशन कर सकेंगे। जियो स्टार चालू होने से हॉटस्टार और जियोसिनेमा के उपभोक्ताओं को एक नया एंटरटेनमेंट अनुभव मिलेगा।

सर्राफा बाजार में तेजी, 1 लाख के पार पहुंची चांदी

नई दिल्ली। वैलेंटाइन डे के दिन घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोना के साथ ही चांदी की कीमत में भी आज जबरदस्त उछाल आया है। आज की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 87,160 रुपये से लेकर 87,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 79,900 रुपये से लेकर 80,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में आज जोरदार तेजी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1 लाख रुपये का स्तर पार करके 1,00,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 87,160 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,900 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,160 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 87,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,310 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 87,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 79,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

अडानी ग्रुप ने श्रीलंका में 3800 करोड़ के विंड पावर प्रोजेक्ट से हाथ खींचा

मुंबई ।

अडानी ग्रुप ने श्रीलंका में आयोजित होने वाले 3800 करोड़ रुपए के विंड पावर प्रोजेक्ट से हाथ खींच लिया है। अडानी ग्रुप ने अपने पत्र में सरकार के साथ किसी अनबन की अदालत के आलम बताया है। पहले श्रीलंका सरकार और ग्रुप के बीच बिजली खरीद समझौते में इकरार था, लेकिन उसे रद्द कर दिया गया था। अब कंपनी ने उस प्रोजेक्ट से हटने का निर्णय लिया है। यहां यह भी उज्वलता मिलती है कि अडानी ग्रुप भविष्य में भी श्रीलंका सरकार के साथ भारतीय उद्यमिता क्षेत्र में विकास के लिए काम करने को तैयार है। इस नए संबंध के साथ, ग्रुप का उद्देश्य है कि वह इस सूचना के अनुसार नराजगी को दूर करेगा और समर्थन के साथ यह फैसला लिया जाएगा। अडानी ग्रुप का ध्यान रखते हुए, यह निर्णय उच्च स्तर की व्यवस्था, स्विच मैनेजमेंट और उत्कृष्ट समर्थन के साथ लिया गया है। यह प्रोजेक्ट को छोड़ने का निर्णय ग्रुप के लिए जोरदार संकेत है कि वह उद्यमिता क्षेत्र में दृढ़ मजबूती के साथ आगे बढ़ने को देख रहा है।

करोड़ों रुपया प्रतिमाह किराया देता है, गूगल

मुंबई । मुंबई में बहुराष्ट्रीय कंपनियां सबसे ज्यादा किराया अदा करती हैं। मुंबई के पाश इलाकों में उनके कार्यालय होते हैं। करोड़ों रुपए प्रति माह कार्यालय का किराया होता है। गूगल ने बीकेसी में 1। 11 वर्ग फुट स्पेस कार्यालय के लिए किराए पर लिया है। प्रतिमाह इसका किराया 4.80 करोड रुपए है। बीकेसी में रिलायंस जिओ, नेटफ्लिक्स, फेसबुक, अमेजिंग, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, ब्लैक स्टोन फाइजर जैसी बड़ी-बड़ी कंपनियों ने कार्यालय के लिए स्पेस किराए पर लिए हैं। बीकेसी और मुंबई के पाश इलाकों में कार्यालय का किराया 320 रूपये वर्ग फीट से लेकर 738 रूपये वर्ग फीट तक है। भारत में सबसे ज्यादा एक ही स्थान का किराया देने वाली कंपनी गूगल है। एप्पल इंडिया ने हाल ही में 738 रूपये वर्ग फीट परपास इलाके में कार्यालय के लिए जगह किराए में ली है।

आरबीआई ने आरबीएल बैंक के सुब्रमण्यकुमार का कार्यकाल तीन साल बढ़ाया

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने आरबीएल बैंक के एमडी और सीईओ के तौर पर आर सुब्रमण्यकुमार का कार्यकाल तीन साल के लिए बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। आरबीएल बैंक ने कहा कि आरबीआई ने 13 फरवरी 2025 के अपने पत्र के जरिए से आर सुब्रमण्यकुमार को आरबीएल बैंक एमडी और सीईओ के रूप में 23 जून, 2025 से 22 जून, 2028 तक तीन साल की अतिरिक्त अवधि के लिए दोबारा नियुक्त कर दिया है। बैंक ने कहा कि वह तय समयसीमा के अंदर पुनर्नियुक्ति के लिए बैंक के शेयरधारकों से अनुमोदन प्राप्त करेगा। सुब्रमण्यकुमार 23 जून 2022 से बैंक के एमडी व सीईओ हैं।

31 मार्च ईद-उल-फितर को बैंकों में छुट्टी रद्द

- 31 मार्च को सरकार के वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख होने से आरबीआई ने लिया फैसला

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों की छुट्टी रद्द करने का फैसला किया है, जिसके अनुसार 31 मार्च 2025 को ईद-उल-फितर की छुट्टी नहीं होगी। इस निर्णय का मकसद सरकारी लेन-देन को सही समय पर पूरा करना है ताकि वित्तीय वर्ष 2024-25 की रिपोर्टिंग सुचारू बने। सभी बैंकों को निर्देश दिया गया है कि उन्हें इस दिन कामकाज जारी रखना है और सभी सरकारी लेन-देन को वित्तीय वर्ष में ही दर्ज करना है। 31 मार्च को सरकार के वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख होती है, और इस दिन सभी सरकारी करों का भुगतान होता है, जैसे आयकर, जीएसटी, कस्टम और एक्साइज ड्यूटी। इसके साथ ही, पेंशन भुगतान, सरकारी सब्सिडी ट्रांसफर, और सरकारी वेतन का डिटेल्स का काम भी इस दिन जारी रहेगा। यह निर्णय पूरे देश में बैंक बंद रहने को आने वाली ईद-उल-फितर के चलते आत्मसात करेगा। अब सभी बैंक 31 मार्च को खुले रहेंगे और सरकारी लेन-देन को सुचारू बनाए रखेंगे। रिजर्व बैंक के निर्देश आम जनता के लिए भी एक स्थायी सुविधा प्रदान करेंगे।

डब्ल्यूपीआई और सीपीआई में गिरावट

- खाद्य वस्तुओं की कीमतों में इजाफा

नई दिल्ली ।

भारत का थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) जनवरी 2025 में 2.31 प्रतिशत हो गया है, जो दिसंबर 2024 के 2.37 प्रतिशत से घटकर आया है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने खाद्य और कपड़ा उत्पादों की कीमतों में वृद्धि को मुख्य कारण बताया है। जनवरी 2025 में डब्ल्यूपीआई खाद्य सूचकांक में 7.47 प्रतिशत की बढ़ोतरी आई है, जबकि सीपीआई आधारित खुदरा मुद्रास्फीति जनवरी में 4.31 प्रतिशत पर आ गई है। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी की वजह से सीपीआई में गिरावट आयी है। मुद्रास्फीति के चलते ईंधन की कीमतों में भी गिरावट देखी गई है, जिससे सीपीआई में गिरावट आई है। इस गिरावट के बाद यह उम्मीद जताई जा रही है कि भारतीय रिजर्व बैंक अपनी मौद्रिक नीति समिति की आगामी बैठक में अप्रैल में रेपो दर में और कटौती कर सकता है। खाद्य मुद्रास्फीति जनवरी में घटकर 6.02 प्रतिशत हो गई जबकि दिसंबर में यह 8.39 प्रतिशत थी। इसका मुख्य कारण सब्जियों की कीमतों में गिरावट रही जो दिसंबर में 26.6 प्रतिशत से घटकर जनवरी में 11.35 प्रतिशत रह गई। हालांकि मुद्रास्फीति के आंकड़े सकारात्मक रहे लेकिन औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि धीमी हो गई है। दिसंबर 2024 में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक 3.21 प्रतिशत बढ़ा जो कि चार महीने का निचला स्तर है। नवंबर 2024 में यह 4.96 प्रतिशत था। इस गिरावट का मुख्य कारण विनिर्माण क्षेत्र में मंदी रही। इसके अलावा, औद्योगिक उत्पादन में धीमी वृद्धि के कारण विनिर्माण क्षेत्र में मंदी दिखाई दे रही है। इससे साफ होता है कि अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति के बावजूद औद्योगिक उत्पादन में चुनौतियां हैं।

528 बड़े शेयरों में 421 शेयरों में 71 फीसदी तक की गिरावट

मुंबई ।

शेयर बाजार में पिछले 4 महीने से लगातार गिरावट बनी हुई है। कारोबारी सप्ताह के अंतिम दिवस शुक्रवार को बाजार में गिरावट देखने को मिली। बाजार में 600 अंक से ज्यादा गिरावट के बाद 200 अंकों की गिरावट के साथ बाजार बंद हुआ। पिछले 4 महीने में बीएसई के लार्ज, मिड और स्मॉल इंडेक्स में लगातार गिरावट देखने को मिली है। अभी तक 17.5 फ़ीसदी की गिरावट आ चुकी है। जिसमें निवेशकों को लाखों करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। बड़े प्रमुख शेयरों में 71त्न फ़ीसदी तक की गिरावट देखने को मिली है। 412 शेयरों मे उच्चतम स्तर से 20 फ़ीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। लगभग डेढ़ दर्जन अच्छी कंपनियों के शेयर में 50 से 71 फीसदी तक की गिरावट देखने को मिली है। रिलायंस इंडस्ट्रीज भी इससे अछूती नहीं रही है। इसके शेयर में भी लगभग 25 फ़ीसदी की गिरावट देखने को मिली है।

बारी रिंयूबल टेक में 71 फ़ीसदी, मैंगलोर रिफाइनरी 60 फ़ीसदी, रेमंड 59 फ़ीसदी वर्लपूल आफ इंडिया 59 फ़ीसदी, ओला

इलेक्ट्रिकल 59 फ़ीसदी,अदानी ग्रीन एनर्जी 58 फ़ीसदी, जुपिटर वैगन्स 57 फीसदी,कोचीन शिपयार्ड 56 फ़ीसदी, वोडाफोन आइडिया 56 फ़ीसदी, टीटागढ़ रेल सिस्टम 56 फ़ीसदी, एमआरपीएल 60 फ़ीसदी, इरकॉन इंटरनेशनल 52 फ़ीसदी, हुडको 45.6 फ़ीसदी, आरवीएनएल 41.4 फ़ीसदी गिरावट पर कारोबार कर रहे हैं।

शेयर बाजार में लगातार गिरावट का दौर होने से अब निवेशक भी शेयर बाजार से किसी भी तरह से बाहर निकलना चाहते हैं। निवेशकों में हाहाकार बचा हुआ है। शेयर बाजार के जानकारों का कहना है। वैश्विक आर्थिक मंदी और अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आने के बाद जिस तरह की स्थितियां देखने को मिल रही हैं। उससे शेयर बाजार में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अस्थिरता का वातावरण बना हुआ है। सबसे ज्यादा असर भारत पर हो रहा है। जल्द ही शेयर बाजार 75 हजार से नीचे आने की संभावना निवेशकों के बीच में बनने लगी है। जिसके कारण शेयर बाजार मैं घबराहट बनी हुई है।

दुनिया के अमीरों की लिस्ट में लंबे समय से पहले नंबर पर बरकरार हैं एलन मस्क

- मस्क ने इस साल जितना गंवाया है, उतना ही जकरबर्ग की झोली में आया

नई दिल्ली ।

एलन मस्क दुनिया के अमीरों की लिस्ट में लंबे समय से पहले नंबर पर बने हुए हैं। वैसे इस साल उनकी नेटवर्थ में 48 अरब डॉलर की गिरावट आई है और वह सबसे ज्यादा नेटवर्थ गंवाने वाले रईस हैं। यानी इस साल उन्होंने रोजाना 1 अरब डॉलर से ज्यादा रकम गंवाई है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 384 अरब डॉलर रह गई है। टेस्ला, स्पेसएक्स और एक्स जैसी कई कंपनियां चला रहे मस्क की नजर अब चैटजीपीटी की पेरेंट कंपनी ओपनएआई पर है। उन्होंने इसे 97.4 अरब डॉलर में खरीदने की पेशकश की है। लेकिन ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने उनकी इस पेशकश की ठुकरा दिया है।दूसरी ओर फेसबुक के फाउंडर मार्क जकरबर्ग की नेटवर्थ में इस साल 48.1 अरब डॉलर की तेजी आई है। यानी मस्क ने इस साल जितना गंवाया है, उतना ही जकरबर्ग की झोली में आया है। जकरबर्ग की नेटवर्थ 255 अरब डॉलर पहुंच चुकी है। हालांकि अभी वह मस्क से 129 अरब डॉलर पीछे हैं। जकरबर्ग के बाद सबसे ज्यादा कमाई फ्रांसीसी कारोबारी बर्नार्ड आरनॉल्ट ने की है। उनकी झोली में इस साल 14.2 अरब डॉलर आए हैं और वह 190 अरब डॉलर के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 5वें नंबर पर हैं। दुनिया के सबसे अमीर परिवार से ताल्लुक रखने वाले वॉल्टन भाई-बहनों की नेटवर्थ में भी इस साल काफी तेजी आई है।

जिम वॉल्टन ने 13.6 अरब डॉलर, उनकी बहन एलिस वॉल्टन ने 13.3 अरब डॉलर और भाई रॉब वॉल्टन ने 13.2 अरब डॉलर कमाए हैं। स्पेन के अरबपति एमेंशियो ओर्टेगा ने 9.57 अरब डॉलर और जेफ बेजोस ने 9.55 अरब डॉलर कमाए हैं।

वहीं सबसे ज्यादा नेटवर्थ गंवाने के मामले में गौतम अडानी दूसरे नंबर पर हैं। उनकी नेटवर्थ में इस साल 8.20 अरब डॉलर की गिरावट आई है जबकि मुकेश अंबानी ने 4.49 अरब डॉलर गंवाए हैं।

वर्ष 2024-25 के लिए ईपीएफओ द्वारा पीएफ ब्याज दर का निर्धारण जल्द

नई दिल्ली । भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने जारी किया है कि वे जल्द ही 2024-25 के लिए पीएफ पर ब्याज दर तय करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, इस दौरान ब्याज दर 8 फीसदी से ऊपर बनी रह सकती है। पिछले साल ब्याज दर 8.25 फीसदी थी और इस बार भी वही स्तर बनाए रखने की संभावना है। ईपीएफओ के अनुसार सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की बैठक 28 फरवरी को होगी, जिसमें ब्याज दर पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। इससे पहले इन्वेस्टमेंट और अकाउंट्स कमिटी ईपीएफओ की इस साल की आय और व्यय का विश्लेषण करेगी। सूत्रों का कहना है कि ईपीएफओ की इस साल की आय अच्छी रही है, लेकिन क्लेम सेटलमेंट भी बढ़ गई है। इस मामले में, ब्याज दर 8.25 फीसदी के करीब होने की संभावना है। इपीएफओ के वर्तमान स्थिति के अनुसार, करीब 7 करोड़ सदस्य हैं। इस साल अब तक 5.08 करोड़ क्लेम निपटाए जा चुके हैं, जिनकी कुल राशि 2.05 लाख करोड़ रुपए है। पिछले साल यह आंकड़ा 4.45 करोड़ क्लेम का था, जिनकी कुल राशि 1.82 लाख करोड़ रुपए थी। पीएफ ब्याज दर का निर्धारण ईपीएफओ की सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज द्वारा किया जाता है और फिर इसे वित्त मंत्रालय की स्वीकृति के लिए भेजा जाता है। आगे बढ़ने पर, यह ब्याज दर सदस्यों के खातों में जमा हो जाती है। 28 फरवरी को सीबीटी की बैठक में मान्यता मिलने के बाद, ब्याज दर पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

मेहुल चोकसी की 13 संपत्तियां नीलाम करेगा बैंक, कोर्ट से मिली मंजूरी

मुंबई । मुंबई की स्पेशल कोर्ट ने भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी की कंपनी, गीतांजलि जेम्स लिमिटेड की 13 संपत्तियों की नीलामी की अनुमति दे दी। इसमें मुंबई के खासकर्ता इलाके में उनके फ्लैट्स, कमर्शियल यूनिट्स, और दुकान भी शामिल हैं। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) से संबंधित मामलों की सुनवाई कर रहे स्पेशल कोर्ट के जस्टिस ने याचिका को स्वीकार करते हुए बताया कि संपत्तियों को बिना मेनटेनेंस के खाली रखने से उनकी मूल्य कम हो सकती है। नीलामी से मिले पैसों से सभी खर्चों को घटाकर वैल्यूएशन/ऑक्शन के लिए फंड जमा किया जाएगा। ईडी के स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर ने शुक्रवार को कहा कि एजेंसी को नीरव मोदी और मेहुल चोकसी के द्वारा किए गए फर्जी दावों के अभियोग पर कोई आपत्ति नहीं है। यह फ्रॉड भारतीय बैंकों के विदेशी शाखाओं के पक्ष में जारी किए गए फर्जी दस्तावेजों के आधार पर हुआ था। कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स (सीओसी) ने अप्रैल, 2019 में एक प्रस्ताव के जरिए लिक्विडेशन प्रक्रिया शुरू की थी और लिक्विडेटर के रूप में शांतनु रे को नियुक्त किया गया था। स्पेशल कोर्ट ने पिछले साल सितंबर में लिक्विडेटर को गीतांजलि जेम्स की संपत्तियों का वैल्यूएशन करने की अनुमति दी थी और अब उन्होंने असुरक्षित संपत्तियों की नीलामी के लिए कोर्ट का समर्थन प्राप्त किया है।

शिबराईत में लागाउ अपन हांथ में मेंहदी अपन पिया कर नाम से,दिखब परी लखे

संतोष महली

रांची। 26 मार्च के शिबराईत कर पावन परब मानाल जाइ। इ एगो इसन परब हके जेकर में शादी शुदा नारी अपन पति कर लेगिन उपासे रहैना।इ परब के कुंवारी छोंड़ी मने भी बेस दुलहा मिलेले करैना,इ उपास में सर सिंगार कर भी बहुते महत्व है,नारी मने इ दिन सोलह सिंगार कइर तेइयार होवैना,इसन में अगर राउरे मने भी शिबराईत में चमके चाहिला तो निचे है चाईर पांच गो मेहंदी कर डिजाइन।

फुल जइसन मेंहदी डिजाइन

फुल जइसन मेंहदी डिजाइन तो बहुते पुरना है मुदा इ कतनो पुरना होवल कर बाद भी चलती में ही रहेला।अगर राउरे मन के सिम्पल साधारन डिजाइन लगुवाएक है तो राउरे मन ले इ डिजाइन बहुते सुंदर है।

बारीक रेखा वाला डिजाइन (मिनिमल)

आईज काईल कवलेज आउर ओफिस जाय वाला छोंड़ी या जनी मन ले इ बारीक रेखा वाला मेंहदी डिजाइन तो बहुते बेस है,काले की उ मने तो भइर हांथ लागाय नी सकैना नी,सेले निचे देवल वेस्टर्न आ उ ट ि फ ट डिजाइन एकदम बेस लागी।

अरेबिक मेंहदी डिजाइन

अरेबिक मेंहदी डिजाइन एखन कर समइ में तो इकर बगरे चलती है,इके देईख इसन लागेला की इ डिजाइन के लागाना बहुते मसकिल है मुदा इसन भी नखे,लगवइया बहुते आसानी से लागाय लेवैना।

फुल हांथ मेंहदी डिजाइन

अगर राउरे मन कर नावां-नावां शादी होइ हे तो फुल हांथ मेंहदी डिजाइन राउरे मन कर हांथ में बेस सोभी,इ डिजाइन राउरे मन के नावां दुलहिन वाला अनुभव कराइ,साथे साथ राउरे मन अपन पिया कर भी नाम लिखु आउर उनके खोजे कहु इकर से राउरे मन कर पेयार आउर बढ़ी, सादा सुहागन रहु।

नागपुरी कविता

मांय

संतोष महली

तोंय होते तो
जमीन आसमान एक कइर देते,
बदलल मोसम कर हावा से
जर बोखार में
गरम पानी कइर फुइक देते।
तोंय होते तो
जमीन आसमान एक कइर देते।
कोरा बेतरा कइर
भगत,डाक्टर जगे लेके जाते,
लारूपातू बोले नी पारतों,सेखन
तोहें हमर बिमारी के बाताते।
तोंय होते तो
जमीन आसमान एक कइर देते।
चुल हा माटी,हरदी मारचाई
से निंगइछ देते,
घरक पुरखा,गांवा देवंता के सुमरते
देवी मड़प में जाय अपन पाया गछते।
तोंय होते तो
जमीन आसमान एक कइर देते।
सवो नाखरा के सहते
हुमकी लाग तक तो
ठइक–ठइक खियाते,
केउ हांसियो देतैं उ बेरा तो
बड़ो मन के सुनाय देते।
तोंय होते तो
जमीन आसमान एक कइर देते,
बदलल मोसम कर हावा से
जर बोखार में
गरम पानी कइर फुइक देते।
तोंय होते तो
जमीन आसमान एक कइर देते।

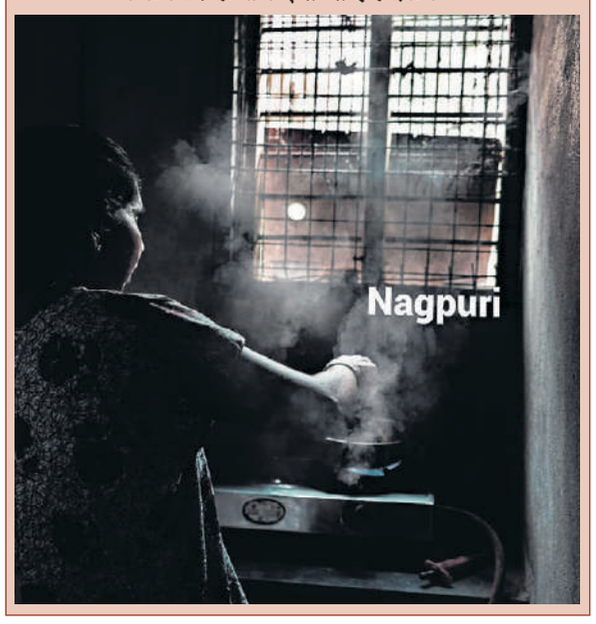

नागपुरी लेख

नावां महिमान

रामदेव बड़ाईक

भला! का ले होई एतई सोचेक लाइग हंय, मंईंयां कर ससुर हर कमियां अदमी हेकंय.., कोनो कामे में जुन बाझल होबंय आउर निहीं तो.., ऊ धेयान से बिसइर गेलंय होई.., से तहें जुन उनकर एखन तक ना फोन आलक आउर ना ऊ पोंहचलंय, बाबू कर आयो हर मोर ज गोंदरालक!!

मोय कहलों ..नी आवे पारथंय तो एक कटिक खभइर तो कइर देतंय, मोके तो,एहे बात में मोर समधी साहेब से कखनो - कखनो अनइत खीस बरेला ! ओह! रे...., उनकर जइसन बिज़ी अदमी.., ऊ बिज़ी का के रहबंय, उनके घमंड आहे घमंड !!

दय तो.. का ले एतई खिसियाथंय भाला ! समधी जोरे.., सुभ काम लगिन घर से निकसथंय तो, चुपे - मटे रहले का होई!!

एखन बड़ गो दिन हय आउर आपन घरक गाड़ी.., एतना नी खसताले.., बाबू कर आयो हर मोके कहत हे..।

मोय कहलों ... तोंय का के जानबे..., हामरे कर #समधी साहेब कर तो मोके कटिको भरोसा नी बुझाएल!

मोके कोनो ज जायेक- आवेक रहेला होल उनके नी लेजलोहों नी बनेला आउर बेरा सिरे जुन कोनो ज गेले - पोंहचले बेस होवेला!!

हं.., हं.., से तो राउरे बेसे कहथी.. मुदा का करब.., रहु कटिक देरी आधेक घांटा उनके पठराइयें लेऊ, समधी साहेब के छोइड़ के हों चइल जाब से हों तो.., बेस बात निहीं..! छोइड़ के चइल तो जाब मुदा पाछे से समधी साहेब तो हामरे से सउब दिन बास्ते नाराज होई जाबयँ आउर हामरे ले तो बनल डहर हों बिगइड़ जई । का ले कि दुइयो बटक अगुवा हों हामरेकर #समधीये साहेब हेकंय!!

मोके नी सहालक तो मोय समधी साहेब के फोन लगालों.. फोन एके धांव में लाइग गेलक। हं.. हेलो.., राउरे कहां आही समधी साहेब राउरे कर इंतिज़ार में हामरे दुइयो झन में, मुहां ठुठी हों होई गेलक। राउर #समधीन तो मोर से मुंह फुलाय लेलक हय आउर मोके तो कोनो ओर ना छोर नी भेंटाथे.. , राउरे के हों घर आवब कइह रहों मुदा राउरे हों एखन तक नी पोंहचली..?

मोय डहरे में हों समधी साहेब, आपने मन देरी करत ही..! मोय तो एक घंटा ले बागरा होई गेलक राउरे मनक गाड़ी आब आवी - तब आवी सेकहें देखथों...!! एतना बात होलक तले तो उनकर फोन चुप होई गेलक।

सेहे ले तो मोय कहोंना मोर समधी के - बिज़ी रहंयन बेस बात हय मुदा घमंड जे करंयना से बेस बात निहीं ।

मोय तो सउब कोई के एहे बात कहमूं ... जिनगी में दुई गो अदमी.. एगो #बिज़ी आउर दोसर गो #घमंडी से दोस्ती नी करेक चाही।

बिज़ी अदमी आपन मरजी से तो बातो - चीत करंयना मुदा घमंडी अदमी आपन मतलब रहेला तबहें इयाइद करंयना !!

बाबू कर आयो हर मोके कहथे.. -

ओह! रे...., ई अदमी.. एखन होल देरी नी होवथे... ईनके....!!

ई अदमी मोर 'समधी' कर सिकाइते करते रहबंय का..?

नावां काम ले #नावां महिमान' जाथंय..! सुगुम मटे जाबंय का..!!

गार्ड ऑफ चेंज समारोह अब नव प्रारूप में होवी

नई दिल्ली। गार्ड ऑफ चेंज समारोह 22 फरवरी, 2025 से नवा प्रारूप में आयोजित करल जाई। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू 16 फरवरी के उद्घाटन सो कर साछी बनबयं। समारोह में बैठेक कर छमता में बिरधि होवी।

गार्ड ऑफ चेंज समारोह कर नवा प्रारूप में अदमीमन राष्ट्रपति भवन कर पृष्ठभूमि में एगो गतिसील दृस आउर संगीत परदरसन देइख सकयंना। समारोह में राष्ट्रपति कर अंगरछक दल कर सैनिक आउर घोड़ा आउर सेरेमोनियल गार्ड बटालियन कर सैनिक औपचारिक सैन्य अभ्यास कर परदरसन करबयं। इकर में सेरेमोनियल मिलिट्री ब्रास बैंड भी सामिल होवी।

नागपुरी कविता

छ्ऊवा कांदत हे

राकेश महतो

गेले परदेस दादा घुइर आव नी,
छ्ऊवा कांदत हे।
ए दादा छोइड़ आव नी,
छ्ऊवा कांदत हे।
आसरा देखते आइयो अंगना में,
बाबा अंगना में कांदत हे।
गेले परदेस दादा घुइर आव नी,
छ्ऊवा कांदत हे।।
देखत हों रीत दुनिया कर गीत,
छन भैइर में बदैइल जात हे।
घर दूरा करैंय टूरा होइके परदेसी,
ए दादा झारखण्डी मूल–आदिबासी।
गेले परदेस दादा घुइर आव नी,
छ्ऊवा कांदत हे।।
बदैइल देले मित कैइर के,
दूसर संग प्रीत।
मांय कर अंचरा सूना बाप कर अंगना,
तोर बिन कैइसे रही तोर जनाना।
नी चाही काचा–पैइसा,
संग रहले जीयब अच्छा।
गेले परदेस दादा घुइर आव नी,
ए दादा छोइड़ आव नी छ्ऊवा कांदत हे।।

भगवान भरोसे गांव...

पिछले अंक का शेषांश

दुलारी आपन पोटली के देखाय के कहथंय, ए बेटा मोय , इ कागद कर चलते सगर दिन कुइद भुललों मुदा एखनो ले मोर काम अधूरा आहे।

गोपाल कहलक, तोहरे चिंता मईत करा काकी काईल मोय तोहर जोरे जाबूं आउर तोहरे कर काम के करुवाय देबूं । बेचरंगी दुलारी बुढ़िया कर आँईख में तनिक राहत कर झलक दिसलक।

दोसरा दिन, गोपाल दुलारी के लेई के ब्लॉक कार्यालय पोंहचलक। हूंवा कर बाबू तिवारी जी पहिले से खीसयाल रहंय। ऊ तो बुढ़िया के कहथंय.. ये सब क्या लेकर आई हो? सभी फॉर्म गलत भरा गया है नया आवेदन जमा करो।

गोपाल कहलक, सर, इन्हें समझ नहीं आता है, आप बस बता दीजिए की क्या करना है, हम ठीक कर देंगे।

तिवारी जी तो लापरवाह भरल राग में कहलंय, अरे भाई, हमारे पास इन सबके लिए समय नहीं है। और हाँ, आवेदन के साथ 100 रुपये फीस भी देना होगा ।

दुलारी डरे-डरे कहलंय, बाबू हामरे गरीब आदमी मन, एतना फीस कहां से लानब? तो पेंशन लेने का सपना मत देखो, तिवारी जी ताना माईर के कहलंय।

अपमान कर जहर पीके भी दुलारी हार नी मानलंय गोपाल उके हौसला देई के कहलक, काकी, सउब अदमी इसन नखयं हामरे कोसीस करब आउर तोहर हक लेई के रहब।

ऊ राईत दुलारी भगवान से प्रार्थना करलंय हे भगवान, मोर बूढ़ा कर आखरी इछा पूरा करेक में मोर मदद करू। ई मोर बिरधा पेनसन खाली मोर हक ना लागे, मोर जरूरत हेके मोय हार नी मानबूं।

दोसर दिन, ऊ फिर तेयार होलंय उनकर लड़ाई आब खाली पेनसन पावेक कर नी रईह गेलक, आपन खुद कर इज्जत आउर पहचान के बचाएक कर. हों बईन गेलक।

एहे बीच एगो नावाँ नियम आए गेलक, जेमनकर बैंक में खाता नी खुईल हे ऊमन के पइसा नी मिली। दुलारी इकर से पहले कहियो बैंक कर दुरा नी देईख रहंय । उनकर ले ई ठाँव कोनो बुझवईल से कम नी रहे। गोपाल उनके समझालक, काकी, पेनसन कर पइसा इसने नी आवी, बैंक में तो तोहके खाता खोलेक पड़ी, तब जाएके तोखें बिरधा पेनसन मिली।

अगला दिन, दुलारी आउर गोपाल गाँव से पांच किलोमीटर दूर बैंक गेलयं। बैंक कर दुरा ठिन से लंबा लाइन देईख के दोसरे लाईग गेलक।

कहथंय.. बाप रे बाप एतना आदमी मनकर भीड़! मोर पारी कतीखन आवी? गोपाल से पूछलंय।

गोपाल दिलासा देलक, सबर करा, काकी। बैंक में सउबकर काम कले-कले होवेला।

जे पहर दुलारी बुढ़िया कर पारी आलक, काउंटर में बइसल क्लर्क मिश्रा जी बेगर देखले कहलंय, खाता खोलने के लिए आपके पास आधार कार्ड, पैन कार्ड, और दो पासपोर्ट साइज फोटो होने चाहिए। साथ में एक वर्तमान पता का प्रमाण भी।

दुलारी बुढ़िया आपन पोटली खोललंय आउर आधार कार्ड आउर राशन कार्ड के देखालंय।पैन कार्ड कहाँ है? मिश्रा जी पूछलंय।

दुलारी बुढ़िया हिचकिचाय के कहलंय, पेन के मोय का करबू राईख के, लिखेक तो जानबे नी करोना, बाबू ?

सुईन के क्लर्क छिड़चिड़ाय गेलक।

अगर पैन कार्ड नहीं है, तो खाता नहीं खुलेगा। पहले पैन कार्ड बनवाओ।

गोपाल दुलारी के समझालंय, काकी, पैन कार्ड कर बिना खाता नी खुली। प्रज्ञा केंद्र जाएक होई। हुआं इकर ले ऑनलाइन आवेदन करेक होवी।

दुलारी बुढ़िया के समझ में तो कोनो नी आलक मुदा ऊ प्रज्ञा केंद्र चइल गेलंय । प्रज्ञा केंद्र कर भीड़ देईख के उनकर गोड़ ठिठईक गेलक। लाइन लागल अदमी मन गुल ग़बड़ करत रहयं, आउर करमचारी मनक चेहरा में चिड़चिड़ाहट साफा साफा झलकत रहे।

उनकर पारी आलक, तो केंद्र कर करमचारी कहलंय , पैन कार्ड के लिए आवेदन करने में 200 रुपये लगेंगे।

साथ में मोबाइल नंबर चाहिए, जिस पर ओटीपी आएगा।

दुलारी अकबाकाए के पूछलक, मोबाइल नंबर? मोर ठिन तो मोबाइल नखे बाबू.. । तो केकरो नंबर के देई दे, करमचारी जवाब देलक।

गोपाल बाबू आपन नंबर के देलंय आउर फीस कर पइसा हों देलंय।

काकी, एक महीना दिन लागी पैन कार्ड बइन के आवेक में। तब तक इंतजार करेक होवी, गोपाल कहलंय।

करीब महीना दिन बितल बाद, पैन कार्ड बईन के आलक। गोपाल दुलारी के बैंक लेई के गेलक।

इ बेर दुलारी पूरा बिसवास से कागजात क्लर्क कर हाथ में देलक।

मिश्रा जी कागज के धेयान से देखलक आउर कहलक, ठीक है। मुदा खाता में कम से कम 500 रुपये जमा करने होंगे। बिना बैलेंस के खाता नहीं खुलेगा।

दुलारी कर चेहरा में चिंता भईर गेलक। उकर ठिन पइसा कर कोनो साधन नी रहे। गोपाल आपन पाकिट से 500 रुपया निकलालंय आउर कहलंय काकी, लेवा ई पइसा राइख लेवा । तोहरे के मिली तो घूराय सेखन मोके घुराय देबा।

जब खाता खुईल गेलक, तब दुलारी कर आँईख में तनिक चमक आय गेलक। का ले तो उनकर जिनगी कर पहिला खाता खुइल रहे। ऊ गोपाल कर हाथ के धईर के कहलंय, बेटा, तोंय अगर संग नी देते तो मोय कोनो करेक नी पारतों। भगवान तोके खुस राखंय।

बैंक में खाता खुलल कर बाद दुलारी बुढ़िया कर आसा एक बईर आउर जाईग गेलक। प्रज्ञा केंद्र में फॉर्म जमा करल कर बाद, सरकारी बाबू कहलंय

आपका आवेदन अब जिला कार्यालय जाएगा। वहाँ से अनुमोदन होगा, और फिर पइसा खाते में आएगा। इसमें कम से कम एक महीना का समय और लगेगा।

एक महीना समय सुईन के दुलारी कर मन एक धांव ले तो आउर उदास होई गेलक मुदा गोपाल बाबू उनके समुझालंय कहथंय काकी, तोहें सबर करा आब तो बस आखरी काम बांइच हे। जलदिये तोहर खाता में पइसा आय जई।

एहे इंतजार में दुलारी बुढ़िया कर बेरा भगवान के याईद करते गुजईर जायला । उनकर आँईख में रामनाथ बुढ़ा याईद आते रहंयना। ऊ रोज गोपाल से पुछंयना, बेटा, पइसा कहिया ले आवी?

गोपाल हर बईर मुस्कुराय के कहेला, काकी, आए जइ महीना दु महीना कर भीतरे में।

गाँव में सउब कोई उनकर लड़ाई कर कहानी जाईन चुईक रहयं। केउ - केउ मन तो उनके सहानुभूति जतातंरि तो केउ हर उनके ताना मारतंय।

मुदा एतना चक्कर काटल पाछे हों दुलारी बुढ़िया कर बिरधा पेनसन पइसा नी आलक। इसने जुन सरकारी काम मन सउब ज होवेला।

एक महीना कर पाछे खबर आलक की, दुलारी बुढ़िया कर बिरधा पेनसन बईन गेलक मुदा पाता चललक की बिरधा पेनसन कर पइसा चाइर - पांच महीना से केकरो खाता में नी आवथे।

एक दिन गोपाल बाबू कूदते - कूदते दुलारी बुढ़िया कर घर आलंय आउर दुलारी बुढ़िया के कहथंय.. काकी, खुशखबरी आहे! तोहर खाता में बिरधा पेनसन पइसा आय गेलक । बैंक में 5,000 रुपया जमा होई जाहे।

दुलारी बुढ़िया कर आँईख में खुसी कर लोर आय गेलक, ऊ भगवान कर नांव लेई के कहथंय..

रामनाथ बुढ़ा देखू ! राउरे कर आखरी इछा हों आइज पूरा होई गेलक। आब मोय राउर बिना हों जीयेकर हिमइत करबूं..।

दुलारी बुढ़िया दोसर दिन गोपाल बाबू जोरे बैंक जायेक तेयारी करलंय, उमन दुइयो झन बैंक पोहोंइच गेलंय मुदा बैंक में अगम भीड़ रहे, मुदा ई बेरा ऊ पूरा हिमइत आउर विश्वास कर साथ बैंक कर भीतर ढुइक गेलंय। क्लर्क उनके पइसा निकासी फार्म में ठेपा लागुवालक तले उनके पइसा देउवालक। जब पइसा उनकर हांथ में आलक तो उनकर मन में खिदखिदाय उठलक।

गोपाल बाबू उनके समझालंय, काकी, ई पइसा के धेयान से राखबा पहिले तोहें रासन - पानी किनबा तले तोहें आपन घर के हों मरम्मत करुवाय लेबा। बाकी बांइच हे से पइसा के तोहें बैंक में रहेक देबा

दुलारी बुढ़िया मुस्कुराते - मुस्कुराते कहलंय, तोय सही कहथिस बेटा रामनाथ बुढ़ा हों एहे बात मोके कहत रहंय ।

पइसा लेई के घर घूरेक बेरा दुलारी बुढ़िया कर मन आइझ भीतरे - भीतर बहुत खुस रहे ऊ तो मन में कहतो रहंय आइज रामनाथ बुढ़ा कर आत्मा हों जरूर खुस होय जा होवी। मुदा ओहे राईत के उनकर हों जीव अचानक से बिगईड़ गेलक। रोज दिन कर भाग - दउड़ आउर बुढ़ापा उनकर सरीर के कमजोर बनाए देई रहे। पड़ोसी गोपाल बाबू आउर गाँव कर आउरो झन उनकर घर आलंय।

दुलारी बुढ़िया के डागडर जे लेजेक लगिन सउब बिचार करे लागलंय। मुदा दुलारी बुढ़िया धीरे से गोपाल बाबू के कहलंय , ए बेटा आब मोर समई पूरा होई गेलक । मोर पेंनसन कर पइसा मोके मिल गेलक आब मोर लड़ाई खतम होई गेलक। आब मोय रामनाथ बुढ़ा ज जाथों। एतना बात दुलारी बुढ़िया कहलंय तले तनी देरी पाछे ई धरा धामू के छोइड़ के सउब दिन बास्ते स्वर्ग लोक में चइल गेलंय।

उनकर इयाइद में, मोर ई 'कहानी' आपने मनके कइसन लागलक बाताब..।

मुद्रक व प्रकाशक **नीलम सिंह** द्वारा झारखंड वनिता उद्योग एसएचजी के लिए श्याम नगर, गांधी नगर सीसीएल कॉलोनी डीएवी गांधी नगर स्कूल के पीछे, थाना गोंदा, जिला-रांची, राज्य झारखंड-834008 से प्रकाशित एवं शिवा साईं पब्लिकेश प्राइवेट लिमिटेड रातू, काठीटांड़ टेंडर बगीचा के नजदीक, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट व थाना रातू, रांची, झारखंड-835222 में स्थित प्रिंटिंग प्रेस में मुद्रित। आरएनआई पंजीयन संख्या. **JHABIL/2023/86791**, **संपादक** : नीलम सिंह, **प्रबंध संपादक** : कृशन गोपालका, **सलाहकार संपादक** : रतन लाल अग्रवाल। **फोन नंबर** : 8210640230, 9934166306, **ईमेल आइडी** : jharkhandwanitaudyog@gmail.com